# हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, शुक्रवार 19 जून 2026


### ईपीएफओ जमा पर 8.25 फीसदी ब्याज

**नई दिल्ली।** सरकार ने कर्मचारियों के भविष्य निधि (ईपीएफ) जमा पर वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 8.25 प्रतिशत ब्याज दर को मंजूरी दे दी है। इसे इस महीने ही सात करोड़ से अधिक अंशधारक सदस्यों के खातों में जमा किए जाने की संभावना है।

**अपने सम्प्रदाय के बने पहले आचार्य**

# दीक्षा के 50 साल बाद 71 वर्ष की आयु में आचार्य पद पर प्रतिष्ठित हुए विनयकुशल मुनि जी, अब कहलाएंगे आचार्य श्री जिनचंद्रसूरिश्वर जी महाराजा

### लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने लिया नव-प्रतिष्ठित आचार्य का आशीर्वाद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

**खास खबर**

सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में गुरुवार को तीन दिवसीय 'आचार्य पदारोहण, सहस्त्रावधान एवं तपस्या महोत्सव' का ऐतिहासिक और अभूतपूर्व समापन हुआ। रायपुर के इतिहास में यह पहला अवसर था जब किसी जैन मुनि को जैन दर्शन के सर्वोच्च 'आचार्य' पद पर प्रतिष्ठित किया गया। 71 वर्ष की आयु और दीक्षा के 50 स्वर्णिम वर्ष पूर्ण होने पर परम पूज्य गणाधीश पंन्यास प्रवर श्री विनयकुशल मुनि जी गणि महाराजा को आचार्य पद से अलंकृत किया गया। सुविहित परंपरा के धारक, खरतरगच्छीय श्री मोहनलालजी ▶▶| शेष पेज 8 पर

### जैन दर्शन के सिद्धांत आज भी प्रासंगिक : ओम बिरला

*कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि आचार्य पद केवल एक पद नहीं है, बल्कि यह तप, त्याग, ज्ञान और समाज को दिशा देने वाली साधना का सर्वोच्च प्रतीक है। भगवान महावीर और जैन दर्शन के सिद्धांत आज भी मानवता को शांति, आत्मसंयम, करुणा और अहिंसा का मार्ग दिखाते हैं। वर्तमान समय में जब विश्व तनाव और संघर्षों से जूझ रहा है, तब जैन दर्शन की शिक्षाएं और भी अधिक प्रासंगिक हो गई हैं। उन्होंने कहा कि 14 वर्षीय शतावधानी हंसभद्र मुनि जी महाराज ने अपनी विलक्षण स्मरण शक्ति और ज्ञान के बल पर जो पहचान बनाई है, वह समाज को नई दिशा दे रही है।*

### आज छत्तीसगढ़ धन्य हुआ : मुख्यमंत्री साय

*मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की पावन धरती पर पहली बार आयोजित हो रहा यह आचार्य पदारोहण महोत्सव प्रदेश के लिए गौरव और सौभाग्य का विषय है। देश के विभिन्न राज्यों से आए संत-साध्वियों का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आज छत्तीसगढ़ धन्य हुआ है और इस आयोजन से पूरे प्रदेश में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार हो रहा है। उन्होंने 14 वर्षीय बाल मुनि शतावधानी हंसभद्र मुनि जी के 'सहस्त्रावधान' (एक साथ हजार प्रश्नों को स्मरण रखकर क्रमवार उत्तर देना) को एक असाधारण उपलब्धि बताते हुए उन्हें नमन किया।*

### जैन संतों का त्याग सदैव प्रेरित करता है

*विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि जैन मुनि कठिन तप, उपवास और संयम के माध्यम से समाज को प्रेरणा देते हैं। उन्होंने लंबी पदयात्रा कर रायपुर पहुंचे सभी साधु-संतों का अभिनंदन किया। वहीं, केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू ने कहा कि इतने बड़े आध्यात्मिक आयोजन का होना प्रदेश के लिए सौभाग्य है। विनयकुशल मुनि जी का पदारोहण समाज को अध्यात्म और नैतिक मूल्यों से जोड़ने का कार्य करेगा।*

### इनकी रही गरिमामयी उपस्थिति

*इस भव्य और दिव्य आयोजन में सकल जैन श्रीसंघ के पदाधिकारियों के साथ ही देशभर से आए हजारों श्रद्धालु उपस्थित थे। इस अवसर पर रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल, दुर्ग सांसद विजय बघेल, जांजगीर सांसद कमलेश जांगड़े, बस्तर सांसद महेश कश्यप और रायपुर पश्चिम विधायक राजेश मूणत सहित अनेक गणमान्य जनप्रतिनिधियों ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई।*

---

## खबर संक्षेप

### पीएम-किसान योजना की 23वीं किस्त कल

**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 20 जून को पीएम-किसान योजना की 23वीं किस्त जारी करेंगे। इसके तहत देशभर के 9.44 करोड़ से अधिक किसान लाभार्थियों को सीधे 18,880 करोड़ रुपए की राशि दी जाएगी। प्रधानमंत्री मोदी के पश्चिम बंगाल के हुगली जिले के दौरे के दौरान यह राशि किसानों को जारी की जाएगी। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि पश्चिम बंगाल में ही 45.35 लाख से अधिक किसानों को लगभग 907 करोड़ रुपए मिलेंगे।

### परीक्षा से जुड़ी कोई जानकारी लीक नहीं

**नई दिल्ली।** चार्टर्ड अकाउंटेंट की शीर्ष संस्था भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान (आईसीएआई) की परीक्षा प्रक्रिया से जुड़ी किसी भी संवेदनशील जानकारी के लीक या अनधिकृत पहुंच की रिपोर्टें निराधार हैं। परीक्षा रिकॉर्ड सुरक्षित हैं। सोशल मीडिया पर परीक्षा से जुड़े एक पोर्टल में सुरक्षा उल्लंघन और परीक्षा रिकॉर्ड तक अनधिकृत पहुंच के दावे किए जा रहे हैं, जो पूरी तरह गलत और भ्रामक हैं। आईसीएआई ने स्पष्ट किया कि किसी भी अभ्यर्थी के परीक्षा रिकॉर्ड, उत्तर पुस्तिकाओं, अंकों के आंकड़ों या परीक्षा प्रक्रिया से जुड़ी किसी भी संवेदनशील जानकारी से समझौता नहीं हुआ है।

---

### अमेरिका-ईरान जंग खत्म, तय तारीख से एक दिन पहले समझौता

# युद्ध खत्म, ईरान को मिलेगा 28 लाख करोड़, पर नहीं बनाएगा परमाणु हथियार

*अमेरिका-ईरान जंग खत्म हो गई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और ईरानी राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने डिजिटल हस्ताक्षर किए, जिसके साथ ही यह समझौता लागू हो गया। समझौते में ईरान ने परमाणु हथियार नहीं बनाने का भरोसा दिया है, जबकि ईरान के पुनर्निर्माण के लिए 300 अरब डॉलर (28 लाख करोड़ रुपए) के फंड की योजना पर भी सहमति बनी है। इस समझौते पर 19 जून को स्विटजरलैंड में जेनेवा के पास लूसर्न शहर में साइन होने थे, लेकिन निर्धारित कार्यक्रम से एक दिन पहले ही इस पर दस्तखत कर दिए गए।*

एजेंसी ▶▶| वाशिंगटन/तेहरान

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ बुधवार को एक समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिसके तहत तेहरान अत्यधिक संवर्धित यूरेनियम के अपने भंडार को कम करेगा और इसके बदले उसे अमेरिकी प्रतिबंधों से छूट दी जाएगी, जिससे ईरान बिना किसी रोक के अपना तेल बेच सकेगा। अमेरिका और ईरान ने यह जानकारी दी। समझौते की मध्यस्थता करने वाले पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि दोनों देशों के नेताओं द्वारा हस्ताक्षर करने के बाद युद्ध समाप्त करने संबंधी यह प्रारंभिक समझौता 'तत्काल प्रभाव' से लागू हो गया है। समझौते में संघर्ष स्थायी रूप से समाप्त करने का आह्वान किया गया है। इसके साथ ही ईरान के परमाणु कार्यक्रम के भविष्य को लेकर अंतिम समझौते तक पहुंचने के लिए 60 दिन की वार्ता अवधि शुरू हो गई है। हालांकि, ट्रंप ने दोबारा हमले करने का विकल्प खुला रखा है। ऐसा प्रतीत होता है कि समझौते के तहत ईरान को शुरुआत में ही कई बड़े लाभ ▶▶| शेष पेज 8 पर

### समझौते में क्या

- होर्मुज स्ट्रेट फिर से खोला जाएगा
- ईरान परमाणु हथियार नहीं बनाएगा
- ईरान को 28 लाख करोड़ का हर्जाना
- अमेरिका ईरानी तेल के निर्यात पर राहत देना शुरू कर देगा
- अमेरिका ने ईरान पर लगे प्रतिबंधों को एक-एक करके खत्म करने का वादा किया
- ईरान की फ्रीज्ड संपत्तियां रिलीज होंगी
- ईरानी बंदरगाहों पर अमेरिका नौसैनिक नाकेबंदी 30 दिन के भीतर पूरी तरह खत्म करेगा।
- लेबनान समेत सभी मोर्चों पर संघर्ष खत्म होगा

### दोनों देश के राष्ट्रपतियों ने किए हस्ताक्षर, 60 दिनों में अंतिम समझौते का नया टारगेट

### ट्रंप ने दिया जवाब...डील साइन हो गई

समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद ट्रंप वर्साय पैलेस से बाहर आए। इस दौरान किसी रिपोर्टर ने उनसे पीस डील को लेकर पूछा, तो उन्होंने चिल्लाते हुए कहा, डील साइन हो गई है। ट्रंप के बाद ईरानी राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने भी ईरान से इलेक्ट्रॉनिक दस्तखत किए। समझौते का ऐलान भारतीय समय के मुताबिक गुरुवार सुबह 5:30 बजे किया गया। यह तत्काल प्रभाव से लागू हो गया।

### अब आगे क्या होगा

जब अमेरिका और ईरान के बीच अंतिम समझौता हो जाएगा, तो उसे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के एक प्रस्ताव के जरिए मंजूरी दी जाएगी। इसका मतलब है कि अंतिम समझौता केवल अमेरिका और ईरान के बीच का राजनीतिक समझौता नहीं रहेगा, बल्कि उसे अंतरराष्ट्रीय कानूनी मान्यता भी मिल जाएगी।

### अमेरिका ने क्या पाया

- अमेरिकी और इस्राइली हवाई हमलों ने ईरान की पारंपरिक नौसेना और वायु सेना किया खत्म
- ईरान की मिसाइल निर्माण क्षमता को कई साल पीछे धकेल दिया गया
- युद्ध की शुरुआत में 28 फरवरी 2026 को ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई मारे गए
- अमेरिका होर्मुज नाकेबंदी को हटवाने और व्यापारिक जहाजों के लिए फिर से खुलवाने में सफल रहा।

### ईरान को क्या मिला

इस समझौते के तहत ट्रंप ने ईरान के तेल निर्यात पर लगे प्रतिबंधों को तुरंत हटा दिया है। अब ईरान अंतरराष्ट्रीय बाजार में खुलकर अपना कच्चा तेल बेच सकेगा। इससे उसे अरबों डॉलर की कमाई होगी। पिछले साल ईरान ने तेल बेचकर 45 अरब डॉलर कमाए थे। तब प्रतिबंधों के कारण उसका एकमात्र बड़ा खरीदार सिर्फ चीन था। ईरान को छिपकर अपने टैंकर भेजने पड़ते थे, जिससे उसका मुनाफा कम हो जाता था।

---

# सभी मंत्रियों को अचानक सीएम हाउस से बुलावा बढ़ी रही सियासी हलचल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

**खास खबर**

गुरुवार की शाम अचानक जब ये खबर सामने आई कि सीएम हाउस में सरकार के सभी मंत्रियों को बैठक के लिए बुलाया गया है, तो इस खबर के साथ ही राज्य में सियासी हलचल तेज हो गई, हालांकि बैठक शुरु होने से पहले तक ये सस्पेंस बना रहा कि आखिर ये बैठक क्यों बुलाई गई है। खास बात ये है कि इस बैठक में भाजपा के संगठन मंत्री पवन साय भी शामिल हुए हैं। बैठक को लेकर कोई आधिकारिक ब्योरा नहीं मिलने की स्थिति में राजनीतिक हल्कों में अटकलें, और अफवाहें भी तेज से चलती रही। कहा जा रहा था कि मंत्रियों से उनके रिपोर्ट कार्ड पर बात की गई। सोशल मीडिया में ये बात फैली कि मंत्रिमंडल में फेरबदल के लिए सभी मंत्रियों से सामूहिक इस्तीफे लिए जा रहे हैं, लेकिन दूसरी ओर सरकार के उच्च पदस्थ आधिकारिक सूत्रों के अलावा भाजपा संगठन से जुड़े लोगों ने किसी अटकल, अफवाह पर कोई टीका-टिप्पणी नहीं की। केवल और केवल ये बात कही कि बैठक के संबंध में कोई जानकारी नहीं है। सूत्रों के अनुसार बैठक में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, सभी मंत्री और विशेष रूप से संगठन मंत्री पवन साय भी शामिल रहे। बैठक को लेकर जो आंकलन सामने आया है उसमें कहा जा रहा है कि हाल में सरगुजा में भाजपा नेताओं की नृशंस हत्या और बिजली की दरों में वृद्धि को लेकर सामने आ रहे विरोध को देखते हुए यह बैठक बुलाई गई है, जिसमें स्थिति को नियंत्रित करने पर कोई बात हो सकती है।

---

**नहीं मिली राहत**

# नौवीं के छात्रों को तीन भाषाएं पढ़ना अनिवार्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने सीबीएसई की उस नीति को लेकर दायर याचिका पर कोई अंतरिम राहत देने से इंकार कर दिया, जिसमें 2026-27 सत्र से कक्षा 9वीं के छात्रों के लिए दो भारतीय भाषाओं समेत तीन भाषाओं का अध्ययन अनिवार्य किया गया है। कोर्ट ने कहा कि इस चरण में कोई अंतरिम आदेश पारित करने का आधार नहीं बनता। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति वी मोहना की पीठ ने गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) 'फ्रेंड्स ▶▶| शेष पेज 8 पर

### दसवीं के छात्रों को राहत

सीबीएसई ने छात्रों पर अतिरिक्त दबाव कम करने के लिए महत्वपूर्ण फैसला लिया है। तीसरी भाषा (आर-3) के लिए कक्षा 10 बोर्ड परीक्षा आयोजित नहीं की जाएगी। आर-3 विषय का मूल्यांकन पूरी तरह स्कूल स्तर पर होगा और छात्रों के प्रदर्शन को सीबीएसई प्रमाणपत्र में दर्ज किया जाएगा।

---

### घटना का वीडियो वायरल, खुद लाकर पिलाया पेशाब

# पति ने किया मुंडन, चेहरे पर पोती कालिख, बच्चे से कराया पेशाब

**हैवानियत की हद**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबिकापुर

सरगुजा संभाग के पटना क्षेत्र से मानवता को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है, जहां अपने पति ने ही महिला की पहले बेरहमी से पिटाई की और फिर उसका मुंडन करा दिया। इससे भी पति का जी नहीं भरा तो उसने महिला पर बच्चे से पेशाब कराया, चेहरे पर कालिख पोती और फिर खुद उसे पेशाब पिला दिया। महिला के साथ हुए इस हैवानियत की घटना का आरोपियों ने वीडियो भी बनाया। इस घटना का दिल दहला देने वाला वीडियो अब सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है, जिसके बाद हड़कंप मच गया है। यह पूरी घटना कोरिया के पटना थाना क्षेत्र में हुई। फिलहाल मामले में पुलिस ने आरोपी ▶▶| शेष पेज 8 पर

### चार दिनों बाद भी कार्रवाई नहीं

*इस पूरे मामले में अब महिला न्याय की गुहार लगा रही है। महिला ने सूरजपुर में पत्रकार वार्ता कर मदद की गुहार लगाई। सबसे बड़ी बात यह है कि महिला के साथ हुई यह घटना प्रदेश की महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के गृह जिले से जुडी है लेकिन इसके बाद भी महिला चार दिनों से न्याय की गुहार लगा रही है। महिला का कहना है कि उसका पति उसकी हत्या करना चाहता था। इस मामले में अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो पाई है जिससे लोगों में रोष का माहौल भी है।*

### की जाएगी कड़ी कार्रवाई

*घटना की जानकारी है, इस मामले में पहले से पटना थाना में अपराध दर्ज है। घटना का वीडियो अब सामने आया है जो काफी विभत्स है। इस मामले में गंभीर धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए है।*

*- दीपक झा, आईजी सरगुजा*

### आरोपी गिरफ्तार

*महिला ने पटना थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसका पति शराब पीकर मारपीट करता है, जिस पर घरेलू हिंसा की धारा लगाकर रिपोर्ट दर्ज की गई थी। वीडियो वायरल होने के बाद आरोपी पति को गिरफ्तार किया गया है।*

*सुरेशा चौबे, एएसपी, कोरिया*

## महंगाई ने तोड़ी किसानों की कमर

# खाद, बिजली, जोताई-रोपाई, मिंजाई सभी की कीमत डेढ़ गुना तक बढ़ी

### प्रति एकड़ फसल तैयार करने में अब 25 हजार रुपए से अधिक लागत

**रायपुर।** महंगाई की मार किसानों की कमर तोड़ रही है। एक ओर जहां सोसाइटियों में डीएपी, यूरिया, पोटाश की किल्लत के कारण किसानों को महंगे दाम पर बाजार से ये सभी चीजें खरीदनी पड़ रही हैं, वहीं दूसरी ओर डीजल-पेट्रोल एवं बिजली की दरें बढ़ने के कारण रोपाई-जोताई का खर्च भी डेढ़ गुना तक बढ़ गया है। मजदूरी अलग। इस तरह प्रति एकड़ धान की फसल तैयार करने में पहले जहां लगभग 15 से 17 हजार रुपए तक खर्च आता था, वहीं सभी चीजों की कीमत बढ़ने के बाद अब 25 हजार रुपए से अधिक खर्च करना पड़ेगा। हरिभूमि से बातचीत करते हुए कुछ किसानों ने बताया कि डीजल-पेट्रोल, बिजली, मजदूरी सभी की कीमत बढ़ गई है, जिससे खेती करना भी मुश्किल होता जा रहा है। अगर महंगाई इसी तरह बढ़ती रही, तो आगामी दिनों में छोटे किसानों पर इसका सबसे ज्यादा असर पड़ेगा। महंगाई के कारण वे खेती करना भी बंद कर सकते हैं। हरिभूमि ने गुरुवार को बढ़ती महंगाई का असर किसानों पर कितना पड़ा है, इसकी पड़ताल करने छोटे-बड़े कई किसानों से बातचीत की। इस पड़ताल में पता चला कि बढ़ती महंगाई अब किसानों की कमर तोड़ रही है। किसानों के लिए कोई भी फसल तैयार करने में लगने वाली लागत पिछले कुछ वर्ष में डेढ़ से दो गुना तक बढ़ गई है। प्रदेश में खेती का रकबा लगातार घटने का एक बड़ा कारण यह भी है। लागत बढ़ने के कारण छोटे किसानों को कर्ज लेना पड़ता है, वहीं अगर फसल मनचाही तैयार नहीं हुई, या किसी प्रकार की आपदा की स्थिति आने पर फसल को नुकसान होता है तो उनकी कमाई और कम हो जाती है।

### कीमत बढ़ने से हार्वेस्टिंग ट्रांसपोर्टिंग का खर्च भी बढ़ा

देश इन दिनों ईंधन के संकट से गुजर रहा है, जिसके कारण डीजल-पेट्रोल की कीमत बढ़ा दी गई है। फसल तैयार होने के बाद कटाई के लिए किसान अब हार्वेस्टिंग का उपयोग करते हैं। पिछले खरीफ सीजन में प्रति एकड़ फसल में हार्वेस्टिंग का खर्च जहां दो हजार रुपए था, वहीं डीजल-पेट्रोल की कीमत बढ़ने से इस बार ढाई हजार रुपए तक पहुंच गया है।

### रोपाई भी 6 हजार की जगह 8 हजार में

किसानों ने बताया कि प्रति एकड़ रोपाई करने में पहले दो हजार रुपए तक लागत आती थी, लेकिन इस बार 7 से 8 हजार रुपए तक हो गई है। डीएपी, यूरिया, पोटाश, उर्वरक ज्यादातर बाजार से महंगे दाम पर खरीदना पड़ रहा है। इसके कारण इसकी लागत भी डेढ़ से दोगुना तक ज्यादा लगती है। सोसाइटी में जिस डीएपी का मूल्य 1350 रुपए प्रति बोरा है, वहीं बाजार में उसका मूल्य 2500 रुपए है। यूरिया भी सोसाइटी में प्रति बोरी 266 रुपए है, जबकि बाजार में 450 से 5500 रुपए है। पोटाश सहित अन्य दवाइयों की कीमत भी बाजार में डेढ़ से दोगुना अधिक है।

### प्रति एकड़ धान की फसल की लागत इस वर्ष डेढ़ गुना बढ़ी

| | पिछले वर्ष | इस वर्ष |
|---|---|---|
| यूरिया | 266.50 | 266.50 |
| डीएपी | 1350 | 1350 |
| पोटाश | 1975 | 1975 |
| जोताई दो बार | 4000 | 6000 |
| रोपाई | 6000 | 8000 |
| बीज | 1700 | 1700 |
| हार्वेस्टिंग | 2000 | 2500 |
| पानी, बिजली, मजदूरी सहित अन्य खर्च | 3000 | 5000 |

# हाय गर्मी... शेड में होगी परीक्षार्थियों की जांच, लड़कियों के लिए पृथक व्यवस्था

### री-नीट : 21 जून को होनी है परीक्षा, राजधानी में 25 केंद्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

21 जून को दोबारा आयोजित होने वाले मेडिकल एंट्रेस टेस्ट के लिए जिला प्रशासन द्वारा तैयारियां कड़ी कर दी गई हैं। जून माह में पड़ रही भीषण गर्मी को देखते हुए प्रशासन ने निर्देश दिए हैं कि सभी केंद्रों में शेड की व्यवस्था की जाए ताकि छात्रों को जांच के दौरान धूप में खड़ा ना होना पड़े।

कलेक्टर ने गुरुवार को जिल के 6 परीक्षा केंद्रों में पहुंचकर व्यवस्थाओं की जांच की। बीपी पुजारी शासकीय अंग्रेजी माध्यम स्कूल राजा तालाब, स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय मोवा, स्वामी आत्मानंद विद्यालय शहीद स्मारक, शासकीय निवेदिता स्कूल गुरुनानक चौक, पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय डब्ल्यूआरएस तथा भनपुरी स्थित काशीराम शर्मा शासकीय विद्यालय पहुंचकर स्थितियां देखी। फ्रिस्किंग से लेकर सुरक्षा, पार्किंग और पेयजल तक हर व्यवस्था का निरीक्षण किया गया। जिला प्रशासन के मुताबिक, 21 जून को आयोजित होने वाली नीट यूजी-2026 परीक्षा को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क है।

### 62.5 प्रतिशत महिला अभ्यर्थी

जैमर, बायोमेट्रिक, वीडियोग्राफी एवं सुरक्षा प्रबंधों की समीक्षा की जा रही है। परीक्षा की गोपनीयता, पारदर्शिता और सुरक्षा से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं करने कहा गया है। उन्होंने फ्रिस्किंग व्यवस्था को पूरी तरह सुरक्षित एवं नियमों के अनुरूप संचालित करने तथा सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की चूक न होने के निर्देश दिए हैं। जिले के 25 परीक्षा केंद्रों पर 9050 अभ्यर्थी परीक्षा देंगे, जिनमें 62.5 प्रतिशत महिला अभ्यर्थी शामिल हैं। परीक्षा दोपहर 2 बजे से शाम 5:15 बजे तक आयोजित होगी, जबकि दिव्यांग अभ्यर्थियों को शाम 6:20 बजे तक अतिरिक्त समय प्रदान किया जाएगा। अभ्यर्थियों को सुबह 11 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक प्रवेश मिलेगा, इसके बाद केंद्रों के मुख्य द्वार बंद कर दिए जाएंगे।

### *अभिभावकों का भी रखा जाएगा ख्याल*

*सभी परीक्षा केंद्रों में स्ट्रॉन्ग रूम, जनरेटर, बायोमेट्रिक सत्यापन, वीडियोग्राफी, पेयजल, पार्किंग एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित की जा रही है। केंद्रों में परीक्षा के सफलतापूर्वक आयोजन के लिए अधिकारियों की ड्यूटी लगाई जा चुकी है। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने कहा, अभ्यर्थियों की फ्रिस्किंग शेड के भीतर कराई जाए ताकि उन्हें धूप या बारिश से परेशानी न हो। उन्होंने पुलिस द्वारा एडमिट कार्ड और पहचान पत्र की जांच के बाद ही प्रवेश देने तथा बालिकाओं की फ्रिस्किंग अलग एनक्लोजर में कराने के निर्देश दिए। परीक्षा केंद्रों पर पेयजल, शौचालय, पार्किंग, बिजली, पंखे और साफ-सफाई जैसी मूलभूत सुविधाओं का भी निरीक्षण किया जा रहा है। अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि परीक्षा देने आए विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को पार्किंग अथवा केंद्र तक पहुंचने में किसी प्रकार की असुविधा न हो तथा यातायात व्यवस्था सुचारु बनी रहे।*

# लोकल मालभाड़ा हजार रुपए तक बढ़ा राष्ट्रीय स्तर पर अभी इजाफा नहीं

**रायपुर।** पेट्रोल और डीजल के दामों में इजाफा होने के कारण लोकल वाहन चालकों ने तो मालभाड़ा पांच सौ से हजार रुपए तक बढ़ा दिया है, लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर बाहर के राज्यों से आने वाले माल का भाड़ा अभी नहीं बढ़ा है। कारोबारियों के मुताबिक अभी बाजार में बहुत ज्यादा मंदी का दौर चल रहा है। जब सामान की डिमांड ही बहुत कम है और माल भी कम आ रहा है, तो ट्रांसपोर्टरों ने अभी भाड़ा नहीं बढ़ाया है। आने वाले समय में मानसून में भी डिमांड कम रहने वाली है, ऐसे में अभी दूसरे राज्यों से आने वाले वाहनों का मालभाड़ा बढ़ने की संभावना कम ही है।

- बाजार में मंदी का दौर, डिमांड कम होने के कारण राष्ट्रीय स्तर के ट्रांसपोर्टरों ने अभी नहीं बढ़ाया है भाड़ा

प्रदेश की सबसे बड़ी मंडी डूमरतराई है। यहां पर देश के लगभग हर राज्य के किराना सामान और अनाज आता और जाता है। इस मंडी में अब तक पेट्रोल और डीजल के बढ़े दाम का मालभाड़े पर कोई असर देखने को नहीं मिल रहा है। कारोबारियों के मुताबिक जिस भी राज्य से यहां पर सामान आ रहा है, अभी पुरानी कीमत पर ही आ रहा है, ट्रांसपोर्टरों ने मालभाड़ा नहीं बढ़ाया है। इसके पीछे का कारण कारोबारी यह बताते हैं कि डूमरतराई मंडी में रोज जितने वाहनों में माल आता है, उतने वाहनों में माल नहीं आ रहा है। बाजार इतना ज्यादा मंदा है कि करीब 40 फीसदी कारोबार प्रभावित है। यही स्थिति देश के और राज्यों की भी है। ऐसे में परिवहन संघ वाले मालभाड़ा बढ़ाकर परेशानी नहीं मोल लेना चाहते हैं।

### सब्जियों का लोकल भाड़ा बढ़ा

सब्जी मंडी में लोकल भाड़ा बढ़ा दिया गया है। अन्य सामान ले जाने वाले वाहन मालिकों ने माल मालभाड़ा नहीं बढ़ाया है। डूमरतराई सब्जी मंडी के अध्यक्ष श्रीनिवास रेड्डी के मुताबिक रायपुर से प्रदेश के अलग-अलग शहरों में माल ले जाने का भाड़ा पांच सौ से हजार रुपए तक बढ़ गया है। बाहर के राज्यों से आने वाली सब्जियों में अभी मालभाड़ा ज्यादा नहीं बढ़ा है। कुछ ने थोड़ा बहुत भाड़ा बढ़ाया है। सब्जी मंडी में मंदी जैसी स्थिति नहीं है। सब्जियां रोज की जरूरत होने के कारण इसका कारोबार सामान्य चल रहा है। पहले जितने ट्रक माल आता था, आज भी उतने ही ट्रक माल आ रहा है।

### मंदी इसलिए नहीं बढ़ा भाड़ा

डूमरतराई बाजार में इस समय मंदी का दौर चल रहा है। मंदी के कारण यहां पर जिन भी राज्यों से माल आता है और जो लोकल ट्रांसपोर्टर यहां से माल रायपुर सहित अन्य शहरों में ले जाते हैं, उनका कोई भाड़ा नहीं बढ़ा है।

- प्रेम पाहूजा, अध्यक्ष
डूमरतराई थोक बाजार एसोसिएशन

# ट्राइबल यूथ हॉस्टल के 13 अभ्यर्थी यूपीएससी प्रीलिम्स में हुए सफल

**रायपुर।** संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा के परिणामों में छत्तीसगढ़ के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि सामने आई है। नई दिल्ली के द्वारका स्थित ट्राइबल यूथ हॉस्टल में रहकर तैयारी कर रहे 13 अभ्यर्थियों ने प्रारंभिक परीक्षा में सफलता प्राप्त कर प्रदेश का मान बढ़ाया है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सभी सफल अभ्यर्थियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा, यह उपलब्धि छत्तीसगढ़ की युवा शक्ति की प्रतिभा, परिश्रम और अटूट संकल्प का प्रमाण है। उन्होंने कहा, राज्य सरकार युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और करियर निर्माण के लिए बेहतर अवसर एवं संसाधन उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। इन युवाओं की सफलता प्रदेश के हजारों विद्यार्थियों को बड़े लक्ष्य निर्धारित करने और उन्हें हासिल करने की प्रेरणा देगी। यूपीएससी सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2026 में सफल होने वाले विद्यार्थियों में गौतम कुमार, कुलभूषण सिंह पोया, हरि चंद्र प्रकाश सिंह, मयंक रात्रे, मलिकराम पटेल, आर्यन राठौर, चेतन लाल, हरीश कुमार पटेल, किशन लाल साहू, सत्यनारायण चंद्राकर, दीक्षा दिवाकर, विकेश कुर्रे तथा प्रकाश पटेल शामिल हैं।

### योग आयोग के अध्यक्ष नियुक्त हुए संजय अग्रवाल

**रायपुर।** राज्य शासन ने छत्तीसगढ़ योग आयोग अध्यक्ष के पद पर बिलासपुर निवासी संजय अग्रवाल को नियुक्त किया है। चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा इस संबंध में आदेश गुरुवार को जारी कर दिया गया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने संजय अग्रवाल को छत्तीसगढ़ योग आयोग का अध्यक्ष नियुक्त होने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, राज्य सरकार योग को स्वस्थ, जागरूक और आत्मनिर्भर समाज के निर्माण का महत्वपूर्ण माध्यम मानती है। योग न केवल शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ करता है, बल्कि जीवन में अनुशासन, संतुलन और सकारात्मकता का भी संचार करता है। सीएम ने कहा, श्री अग्रवाल के नेतृत्व में प्रदेश में योग के प्रचार-प्रसार, जन-जागरूकता एवं योग आधारित स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के प्रयासों को नई गति मिलेगी।

## राशिफल

**मेष** – वाणी में कठोरता के भाव रहेगा, संचित धन में कमी आ सकती है। प्रतियोगी परीक्षा व साक्षात्कार आदि कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे।

**वृष** – धैर्यशीलता में कमी आ सकती है, अपनी भावनाओं को वश में रखें। पारिवारिक जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं। नौकरी में तरक्की के योग बन रहे हैं।

**मिथुन** – माता से धन की प्राप्ती हो सकती है। कला व संगीत के प्रति रुझान बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में परश्रिम की अधिकता रहेगी, आय में वृद्धि होगी।

**कर्क** – आत्मवश्विास में वृद्धि होगी, कुटुंब परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। उच्च शिक्षा एवं शोध आदि कार्यों के लिए विदेश प्रवास की संभावना बन रही है।

**सिंह** – पठन–पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे, संतान सुख में वृद्धि होगी। आय में कमी व खर्चों में वृद्धि की स्थिति हो सकती है।

**कन्या** – स्वभाव में चिड़चिड़ापन हो सकता है, परंतु आत्मवश्विास में वृद्धि होगी। कार्यों के प्रति जोश व उत्साह रहेगा।पारिवारिक जम्मिेदारियां बढ़ सकती हैं।

**तुला** – वाणी में कठोरता का भाव रहेगा, बातचीत में संयत रहें। वस्त्रों आदि की ओर रूझान बढ़ेगा। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

**वृश्चिक** – शैक्षिक व बौद्धिक कार्यों से यश व मान–सम्मान में वृद्धि होगी। जीवन साथी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी।

**धनु** – कार्यक्षेत्र में परश्रिम की अधिकता रहेगी, संतान को कष्ट रहेगा। आत्मवश्विास में वृद्धि होगी। कला व संगीत के प्रति रूझान बढ़ेगा।

**मकर** – कार्यक्षेत्र में परिवर्तन संभव है, संतान की ओर से सुखद समाचार मिल सकता है। वस्त्रों व गहनों के प्रति रूझान रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

**कुंभ** – कुटुंब की किसी महिला से धन प्राप्ती के योग बन रहे हैं, भाइयों के साथ मनमुटाव हो सकता है। बातचीत में संयत रहें, वाणी में कठोरता के भाव रहेंगे।

**मीन** – दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी, किसी मत्रि के सहयोग से रोजगार के अवसर मिल सकते हैं। परिवार में मान–सम्मान बढ़ेगा।

## शब्द पहेली - 6261

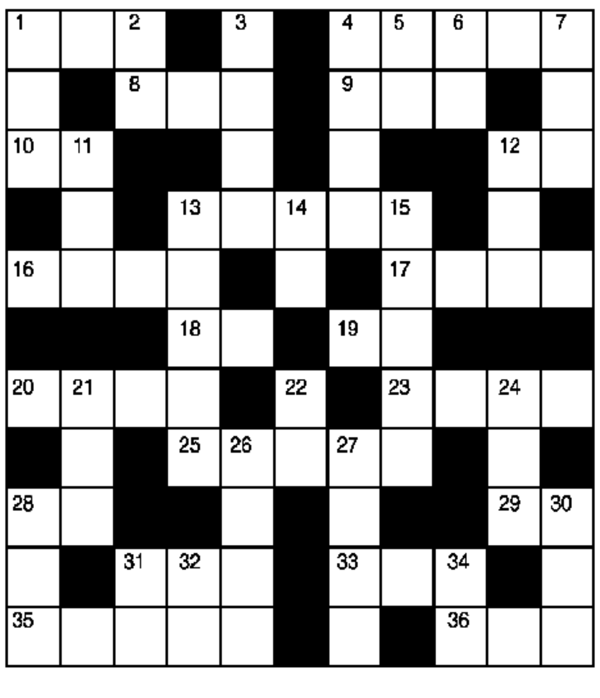

**बाएँसेदाएं**

1. द्वेष, झगड़ा, रार-3
4. बुरकापोश-5
8. गागर, घड़ा-3
9. प्याऊ (उर्दू-3)
10. पैंदा, तला-2
12. बरस, वर्ष-2
13. सतत, लगातार-5
16. मजार, समाधि-4
17. उदारता, बड़पन्न-4
18. वायदा, कसम-2
19. महीना, माह-2
20. हमसफर-4
23. आदेश, आज्ञा-4
25. कहानी लेखक-5
28. गधा, गर्दभ-2
29. श्रवणेंद्रिय-2
31. बारिश, वर्षा-3
33. देवर्षि-3
35. दया करना-3,2
36. चिंतन

**ऊपर से नीचे**

1. कुपुत्र-3
2. अधिकार-2
3. सलाह, राय-4
4. अफसोस, खेद-4
5. शीतकालीन फसल-2
6. दलहन-2
7. ठंडा, सर्द-3
11. जिज्ञासा, उत्साह-3
12. बारिश का मौसम-3
13. धारावाही, अविराम, सीरियल-5
14. रीत, परंपरा-2
15. जीवनसाथी, हमराही-5
21. मोर-3
22. जल, नीर-2
24. पीहर-3
26. गजशाला, हाथी घर-4
27. करतब, करामात-4
28. उपभोग, खर्च-3
30. नेत्र, चक्षु, आंख-3
31. सवारी गाड़ी-2
32. रहन, गिरवी वस्तु-2
34. ताकत, जोर, बल-2

### शब्द पहेली -6260 का हल

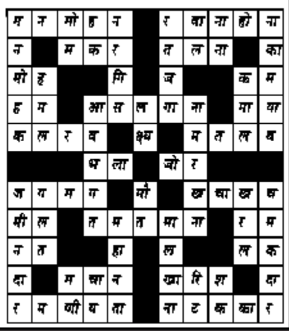

## सूडोकु नवताल - 6271

★☆☆☆☆ सरल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 5 | 9 | | | 3 | | | 8 | 7 |
| 8 | 7 | | 1 | | 5 | | | |
| | | 2 | | | 9 | | | 4 |
| | 6 | | | | 2 | | 3 | 5 |
| 3 | 8 | | 4 | 1 | 7 | | 2 | 9 |
| 2 | 4 | | 6 | | | | 1 | |
| 7 | | | 3 | | | 8 | | |
| | | | 5 | | 8 | | 7 | 3 |
| 9 | 3 | | | 2 | | | 6 | 1 |

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

### सूडोकु नवताल - 6270 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 7 | 4 | 8 | 3 | 9 | 2 | 1 | 5 | 6 |
| 2 | 6 | 9 | 5 | 7 | 1 | 8 | 4 | 3 |
| 3 | 1 | 5 | 4 | 8 | 6 | 7 | 2 | 9 |
| 5 | 7 | 4 | 8 | 6 | 9 | 3 | 1 | 2 |
| 8 | 9 | 1 | 2 | 3 | 4 | 6 | 7 | 5 |
| 6 | 3 | 2 | 1 | 5 | 7 | 4 | 9 | 8 |
| 4 | 8 | 7 | 6 | 2 | 5 | 9 | 3 | 1 |
| 9 | 2 | 6 | 7 | 1 | 3 | 5 | 8 | 4 |
| 1 | 5 | 3 | 9 | 4 | 8 | 2 | 6 | 7 |

बिलासपुर

शुक्रवार 19 जून 2026

ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष पंचमी

वर्ष : 26, अंक : 89

पृष्ठ : 12+6 = 18 मूल्य : 5 .00***


मौसम

अधि. 39.4
न्यून. 27.8


# हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com


मौसम

## 17 राज्यों में आज बारिश का अनुमान

*नई दिल्ली।* भारत मौसम विज्ञान विभाग ने अपने ताजा पूर्वानुमान में बताया है कि 19 जून को देश के अलग-अलग हिस्सों में मौसम के अलग-अलग रूप देखने को मिलेंगे। देश के 17 राज्यों में बारिश का अनुमान है। पूर्वोत्तर भारत के राज्यों और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल में भारी से बहुत भारी बारिश की चेतावनी दी है, वहीं उत्तर प्रदेश और मध्य भारत के कुछ हिस्सों में लू का प्रकोप जारी रहने का अलर्ट जारी किया है।

# पांच महीने में बस्तर की जमीन ने उगले 278 बम

राजेश दास ▶▶| जगदलपुर

अलग खबर

नक्सल खात्मे के बाद नक्सलियों द्वारा प्लांट किया गया प्रेशर व कमाण्ड आईईडी सुरक्षाबलों के लिए सबसे बड़ी चुनौती बना हुआ था। इस चुनौती पर लगभग काबू पा लिया गया है। सुरक्षाबलों ने बस्तर संभाग के 99 फीसदी इलाके को आईईडी मुक्त कर दिया है। बचे हुए लगभग एक फीसदी इलाके में इंटर स्टेट व डिस्ट्रिक्ट बार्डर क्षेत्र के अलावा घने जंगल व पहाड़ी इलाका शामिल है। इन इलाकों में अगले छह माह तक सुरक्षाबलों का सर्च अभियान जारी रहेगा और इस अवधि में सुरक्षाबलों को यह प्रयास रहेगा कि ▶▶|शेष पेज 8 पर

### मानसून में भी जारी रहेगा अभियान

आईजी ने कहा कि बस्तर को आईईडी मुक्त करने के उद्देश्य से मानसून के दौरान तथा उसके पश्चात भी डी-माइनिंग अभियान निरंतर जारी रखा जाएगा ताकि यदि कहीं कोई शेष आईईडी रह गया हो तो उसकी पहचान कर उसे सुरक्षित रूप से निष्क्रिय किया जा सके। विशेष रूप से आंतरिक जिलों, अंतर्राज्यीय सीमा क्षेत्रों तथा घने वन क्षेत्रों में आगामी मौसमों के ▶▶|शेष पेज 8 पर

### स्थानीय लोगों का मिल रहा सहयोग

आईजी ने कहा कि आईईडी के विरुद्ध इस सतत अभियान का प्रत्यक्ष लाभ स्थानीय जनता को प्राप्त हुआ है। जिन क्षेत्रों में कभी बारूदी सुरंगों और विस्फोटकों के कारण आवागमन अत्यंत जोखिमपूर्ण था, वहां आज सड़क निर्माण, संचार सुविधाओं का विस्तार, शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच तथा प्रशासनिक गतिविधियों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। सुरक्षा बलों द्वारा निर्मित सुरक्षित वातावरण ने ग्रामीणों में विश्वास बढ़ाया है तथा विकास कार्यों को गति प्रदान की है। जो राज्य एवं केंद्र सरकार की प्राथमिकताओं के अनुरूप है।

# प्रशिक्षण शिविर में 3 घंटे रहेंगे राहुल एआईसीसी पदाधिकारी आज आएंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

जिला कांग्रेस अध्यक्षों के प्रशिक्षण शिविर में लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस नेता राहुल गांधी 3 घंटे रहेंगे। शिविर में हिस्सा लेने एआईसीसी के पदाधिकारी 19 जून का यहां पहुंचेंगे। एआईसीसी के निर्देश पर अभनपुर में 20 से 29 जून तक कांग्रेस का दस दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण शिविर होने जा रहा है। राहुल गांधी 21 जून को नवनियुक्त जिला अध्यक्षों से शिविर में सीधे संवाद करेंगे। जिला अध्यक्षों को मैदान पर कांग्रेस को मजबूत बनाने के लिए महत्वपूर्ण दिशा निर्देश देंगे। साथ ही संगठन, फील्ड विजिट और सामाजिक-राजनैतिक सक्रियता पर ट्रेनिंग देंगे।

एआईसीसी से जारी शेड्यूल के अनुसार राहुल गांधी 21 जून को दोपहर दो बजे रायपुर एयरपोर्ट पहुंचेंगे। 2:45 बजे सड़क मार्ग से सीधे अभनपुर स्थित प्रशिक्षण स्थल के लिए रवाना होंगे। शाम 5:30 बजे ▶▶|शेष पेज 8 पर

### 2028 के लिए रणनीति की नींव

कांग्रेस का संगठन सृजन के बाद यह पहला बड़ा प्रशिक्षण है। कांग्रेस 2023 की हार के बाद बूथ स्तर की कमजोरी को ▶▶|शेष पेज 8 पर

### प्रदेश प्रभारी पायलट, प्रभारी सचिव भी रहेंगे मौजूद

शिविर में राहुल गांधी के साथ प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट और तीनों प्रभारी सचिव भी मौजूद रहेंगे। प्रशिक्षण शिविर में छत्तीसगढ़ कांग्रेस के तमाम दिग्गज नेता भी एक साथ एकजुट होकर मंच पर नजर आएंगे। एआईसीसी के सभी राष्ट्रीय महासचिव भी शिविर में शामिल होंगे। यह शिविर जिला अध्यक्षों को जमीनी फीडबैक लेने, जनता से संवाद और संगठन खड़ा करने की ट्रेनिंग देगा।

पुनर्परीक्षा से पहले मंत्री ने ली हाईलेवल मीटिंग

# नीट 21 जून को, सरकार मुस्तैद, एनटीए भी अलर्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

नीट यूजी पुर्नपरीक्षा 21 जून को होगी। केंद्र सरकार परीक्षा को लेकर मुस्तैद है, वहीं एनटीए भी अलर्ट मोड पर है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने चिकित्सा के स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए 21 जून को दोबारा आयोजित की जा रही नीट की तैयारियों का जायजा लेने के शिक्षा मंत्रालय, राज्य सरकारों, नेशनल परीक्षा एजेंसी और उच्च शिक्षा संस्थानों के अधिकारियों के साथ उच्च-स्तरीय बैठक की।

### इधर, एक और छात्र की मौत दो दिन में गईं चार जानें

गुजरात के अहमदाबाद में दोबारा नीट-यूजी देने की तैयारी कर रहे 17 वर्षीय अभ्यर्थी ने बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात को एक इमारत की छठी मंजिल पर स्थित अपने फ्लैट से कथित तौर पर नीचे छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली।

रेत खनन पर हत्या का मामला

# इलाके में तनाव, धारा 163 लागू, जुलूस-धरना पर रोक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बैकुण्ठपुर

हरिभूमि फॉलोअप

कोरिया जिले के सोनहत क्षेत्र के नौगई में 16 जून को हुए जघन्य हत्याकांड के बाद कानून एवं लोक शांति बनाए रखने के उद्देश्य से जिला दंडाधिकारी एवं कलेक्टर रोक्तिमा यादव ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है। पुलिस अधीक्षक कोरिया द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन के अनुसार 16 जून 2026 की रात्रि लगभग 10.30 बजे कटगोड़ी निवासी भरत कुमार सिंह उर्फ लल्ला सिंह अपने साथियों योगेन्द्र सिंह, विरेन्द्र सिंह, मयंक सिंह एवं नागेन्द्र सिंह के साथ ग्राम नौगई पहुंचे थे। इस दौरान पुरानी रंजिश को लेकर मनोज त्रिपाठी के घर के सामने विवाद की स्थिति निर्मित हो गई। प्रतिवेदन के अनुसार मनोज त्रिपाठी, निशांत त्रिपाठी, अमन त्रिपाठी, विशाल त्रिपाठी एवं अन्य व्यक्तियों द्वारा भरत सिंह के वाहन फॉर्च्यूनर में पेट्रोल डालकर आग लगा दी गई तथा उनके साथियों के साथ मारपीट की गई। घटना में भरत सिंह उर्फ लल्ला सिंह की मौके पर ही मृत्यु हो गई।

### इन पर लागू नहीं होगी धारा

जिला दंडाधिकारी ने स्पष्ट किया है कि यह आदेश उन शासकीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों पर लागू नहीं होगा, जिन्हें अपने शासकीय दायित्वों के निर्वहन के लिए लाठी अथवा शस्त्र रखने की आवश्यकता होती है। प्रशासन ने नागरिकों से शांति, सौहार्द एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की है। पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों को संवेदनशील क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखने तथा किसी भी अप्रिय स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने के निर्देश दिए गए हैं।

विवाटेक-2026 में प्रधानमंत्री

# पेरिस में बोले मोदी-एफिल टावर पर चल रहा यूपीआई

एजेंसी ▶▶| पेरिस

फ्रांस के पेरिस में आयोजित हो रहे यूरोप के सबसे बड़े स्टार्टअप और टेक्नोलॉजी उत्सव 'विवाटेक 2026' के 10वें संस्करण को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संबोधित किया। इस साल इस प्रतिष्ठित वैश्विक सम्मेलन में भारत 'एआई कंट्री पार्टनर' के रूप में शामिल हुआ है। पीएम मोदी ने कहा कि इस बड़े बदलाव के दौर में तकनीक ऐसी होनी चाहिए जो हर किसी के काम आए। ▶▶|शेष पेज 8 पर

### तकनीक का इस्तेमाल

पीएम मोदी ने बताया कि भारत आज तकनीक का इस्तेमाल वित्तीय समावेशन, शिक्षा, टेलीमेडिसिन और कृषि जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में बहुत बड़े पैमाने पर कर रहा है।


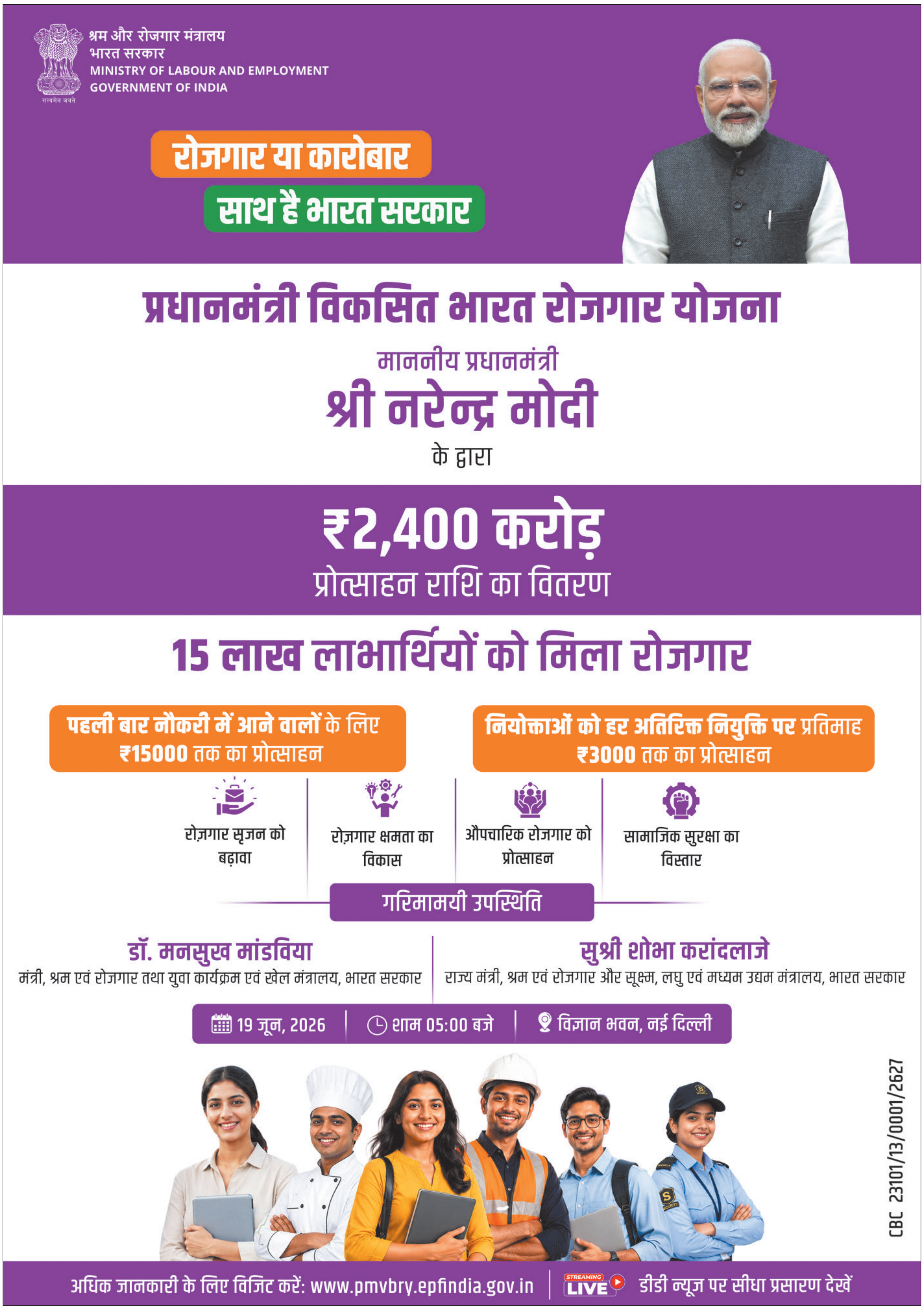

चिंतन

# यूएस-ईरान डीलः दुनिया ने ली राहत की सांस

आखिरकार 111 दिनों तक चले संघर्ष के बाद अमेरिका और ईरान युद्ध खत्म करने पर सहमत हो गए हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियानने अंतरिम समझौते पर हस्ताक्षर किए। खाड़ी संकट दूर होने से दुनिया ने राहत की सांस ली है। अब उम्मीद की जा सकती है कि तेल के दाम कम होंगे, महंगाई घटेगी और सप्लाई चेन बाधित नहीं होगी। महंगाई बढ़ने की आशंकाओं पर रोक लगेगी। हालांकि सफर लंबा है। युद्ध पूर्व के हालात बहाल होने में अभी समय लगेगा। अब देखा जाए जो इस संघष में अमेरिका ने अपना नुकसान ही किया है। उसे कुछ भी हासिल नहीं हुआ है। वहीं, ईरान ने भी इस युद्ध में काफी नुकसान झेला है। यहां तक की अपने सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई तक को खो दिया। इसके अलावा भी कई बड़े नेता भी इसमें मारे गए हैं। इसके बावजूद वार्ता की मेज पर ईरान अपनी कई प्रमुख मांगों को आगे बढ़ाने में सफल दिखाई देता है। उसने इस समझौते में अपनी लगभग सभी शर्तें मनवा ली हैं। अब वह होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों से पैसा वसूल सकेगा। अमेरिका उसके सभी फ्रीज खाते खोलेगा और पुनर्निर्माण में भी मदद करेगा। साथ ही ईरान पर लगा तेल बेचने का बैन भी खत्म होगा। कुल मिलाकर ईरान के लिए यह समझौता काफी मददगार साबित होगा। बिना सोचे समझे फैसला करने के आदि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इसे अपनी जीत ही बताएंगे, लेकिन वह ऐसा कुछ भी हासिल नहीं कर सके, जिसे उनकी उपलब्धि कहा जाए। अमेरिका ने इन हमलों पर भारी भरकम खर्च किया। दूसरी तरफ ईरान ने जवाबी कार्रवाई से मुंहतोड़ जवाब दिया और खाड़ी देशों में उसके एयरबेसों को भारी नुकसान पहुंचाया। इस युद्ध से अमेरिका को अपनी सीमा भी पता चल गई। चूंकि वह ईरान में न तो सत्ता परिवर्तन करवा पाया और न ही उसके मौजूदा शासन को झटका दे पाया। इस संघर्ष ने एक और महत्वपूर्ण संदेश दिया है। आधुनिक युद्ध केवल सैन्य ताकत का प्रदर्शन नहीं होते, बल्कि उनकी आर्थिक और राजनीतिक कीमत भी बहुत अधिक होती है। अमेरिका जैसी महाशक्ति को भी यह एहसास हुआ कि किसी देश की सरकार को केवल सैन्य कार्रवाई के जरिए बदलना आसान नहीं है। वहीं, ईरान ने भी यह दिखाया कि वह दबाव के सामने पूरी तरह झुकने को तैयार नहीं है। यही कारण रहा कि अंततः दोनों पक्षों को बातचीत का रास्ता चुनना पड़ा। फिर भी इस समझौते को अंतिम समाधान नहीं माना जा सकता। यह केवल एक अंतरिम व्यवस्था है, जिसके बाद कई जटिल मुद्दों पर आगे बातचीत होनी बाकी है। क्षेत्रीय सुरक्षा, प्रतिबंधों की स्थायी समाप्ति, परमाणु कार्यक्रम और पारस्परिक विश्वास बहाली जैसे विषय अभी भी चुनौती बने हुए हैं। यदि इन मुद्दों पर संतुलित समाधान नहीं निकलता, तो भविष्य में तनाव फिर बढ़ सकता है। फिलहाल इतना निश्चित है कि युद्ध की आग पर कूटनीति ने पानी डालने का काम किया है। दुनिया ने राहत की सांस ली है और वैश्विक अर्थव्यवस्था को एक बड़े संकट से बचने का अवसर मिला है। लेकिन स्थायी शांति केवल समझौते पर हस्ताक्षर करने से नहीं आएगी। इसके लिए दोनों देशों को संयम, विश्वास और संवाद की प्रक्रिया को आगे बढ़ाना होगा। आने वाला समय बताएगा कि यह समझौता स्थायी शांति की नींव बनता है या केवल संघर्ष के बीच एक अस्थायी विराम साबित होता है।

# व्यापार समझौतों से विकास की इबारत

विश्व परिदृश्य
डॉ. जयंतीलाल भंडारी

वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं और भू-राजनीतिक तनावों के बीच भारत तेजी से व्यापार कूटनीति को अपनी विकास रणनीति का प्रमुख आधार बना रहा है। अमेरिका, यूरोपीय संघ, ब्रिटेन, ओमान और अन्य देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) की दिशा में बढ़ती प्रगति भारत के लिए नए अवसरों के द्वार खोल रही है। पश्चिम एशिया संकट के समाधान के बाद वैश्विक व्यापारिक माहौल में आई सकारात्मकता भी भारत के पक्ष में दिखाई दे रही है। नए व्यापार समझौते जहां निर्यात, निवेश और विनिर्माण को गति देंगे, वहीं सरल श्रम कानूनों के साथ मिलकर रोजगार सृजन और विकसित भारत के लक्ष्य को भी मजबूती प्रदान करेंगे।

फ्रांस में जी-7 शिखर सम्मेलन से इतर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इस बैठक में ट्रंप ने कहा कि अमेरिका के साथ भारत का द्विपक्षीय व्यापार समझौता जल्द आकार लेगा। ट्रंप ने प्रधानमंत्री मोदी की जमकर तारीफ करते कहा कि मैं उन्हें बहुत पसंद करता हूं, वे मेरे अच्छे दोस्त हैं और भविष्य में मैं भारत जा सकता हूं। ट्रंप की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब दोनों देश व्यापार समझौते के लिए अपने आर्थिक-व्यापारिक मुद्दों को सुलझाने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में पिछले दिनों 1 जून से 4 जून के बीच नई दिल्ली में भारत और अमेरिका के बीच महत्वपूर्ण व्यापार वार्ता संपन्न हुई है। इस वार्ता के बाद दोनों देशों ने कहा कि उनके बीच द्विपक्षीय व्यापार वार्ता से संबंधित 99 प्रतिशत मुद्दे तय हो चुके हैं और दोनों देश एक पारस्परिक रूप से लाभकारी अंतरिम व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने की राह पर हैं। यह भी महत्वपूर्ण है कि जी 7 सम्मेलन के इतर प्रधानमंत्री मोदी के साथ यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन और यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा ने वार्ता के दौरान कहा कि यूरोपीय संघ के साथ भारत का मुक्त व्यापार समझौता( एफटीए) इसी वर्ष 2026 के अंत तक कार्यान्वित होने लगेगा। इतना ही नहीं, ब्रिटेन के साथ एफटीए भी आगामी 15 जुलाई से कार्यान्वित होना सुनिश्चित हो गया है।

उल्लेखनीय है कि वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत आगामी 10 महीनों में 9 एफटीए लागू करेगा। इससे देश निर्यात, विनिर्माण और निवेश का वैश्विक केंद्र बनने की राह पर आगे बढ़ते हुए दिखाई देगा। 17 जून को पश्चिम एशिया संकट के समाधान से भारत से निर्यात बढ़ाने और अर्थव्यवस्था को रफ्तार देने के मद्देनजर व्यापार समझौतों की अहम भूमिका उभरकर दिखाई दे रही है। यह कोई छोटी बात नहीं है कि जब इस समय वैश्विक निर्यात का ग्राफ तेजी से घट रहा है, वहीं हाल ही में प्रकाशित आंकड़ों के अनुसार अप्रैल-मई माह 2026 में भारत का निर्यात पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले करीब 15 प्रतिशत बढ़ गया है और भारत की विकास दर भी उभरते हुए देशों में सबसे अधिक है। ऐसे में अब नए व्यापार समझौतों से इस वित्तीय वर्ष 2026-27 में जहां भारत के निर्यात तेजी से बढ़ेंगे, वहीं अर्थव्यवस्था की रफ्तार और तेज होगी। विगत एक जून को भारत और ओमान के बीच वृहद आर्थिक एवं साझेदारी समझौता (सीईपीए) लागू हो गया है। इससे आगामी पांच वर्षों में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार दोगुना होकर 20 अरब डॉलर के पार पहुंचने का अनुमान है। ओमान में भारत के 99 प्रतिशत से अधिक उत्पादों को शुल्क मुक्त प्रवेश मिलेगा। इसके जरिये ओमान में भारत के कृषि, समुद्री उत्पाद, रत्न एवं आभूषण, फार्मास्यूटिकल्स, वस्त्र, प्लास्टिक, कपड़ा, इंजीनियरिंग सामान, फुटवियर व ऑटोमोबाइल जैसे क्षेत्रों को पूर्ण शुल्क समाप्ति और निर्यात विस्तार का अवसर मिलेगा। खास बात यह है कि यह समझौता दक्षिण एशिया, खाड़ी क्षेत्र और पूर्वी अफ्रीका को जोड़ने वाला एक रणनीतिक आर्थिक गलियारा स्थापित करेगा। इससे कारोबार बढ़ने के साथ रोजगार मौके भी बढ़ेंगे। इसी परिप्रेक्ष्य में पिछले दिनो 19वें रोजगार मेले में

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि विभिन्न देशों के साथ भारत के तेजी से आकार ले रहे द्विपक्षीय व्यापार समझौते और मुक्त व्यापार समझौते तथा भारत में लागू किए जा रहे सरल कानूनों से देश के तेज विकास के साथ युवाओं के लिए रोजगार के व्यापक अवसर निर्मित होंगे। इसमें कोई दोमत नहीं हैं कि व्यापार समझौतों को भारत के हित में अधिक लाभप्रद बनाने के मद्देनजर हाल ही में पूरे देश में जमीनी स्तर पर लागू की गई चार नई श्रम संहिताएं (लेबर कोड) अत्यधिक महत्वपूर्ण हैं। इन चार श्रम संहिताओं-मजदूरी संहिता, औद्योगिक संबंध संहिता, सामाजिक सुरक्षा संहिता और व्यावसायिक सुरक्षा संहिता के तहत नए सरल श्रम कानून उद्योग-कारोबार की मजबूती और विकास की नई संभावनाओं को आकार देते हुए दिखाई देंगे। पिछले माह 15 से 20 मई तक प्रधानमंत्री मोदी ने पांच देशों-संयुक्त अरब अमीरात, नीदरलैंड, स्वीडन, नॉर्वे और इटली की आधिकारिक यात्रा के दौरान इन देशों के साथ द्विपक्षीय व्यापार के महत्वपूर्ण समझौते किए हैं। इनमें सेमीकंडक्टर, ऊर्जा, रक्षा और क्रिटिकल मिनरल्स पर समझौते प्रमुख हैं। प्रधानमंत्री मोदी के साथ वार्ता के दौरान इन देशों की 50 बड़ी वैश्विक कंपनियों के मुख्य कार्यपालक अधिकारियों (सीईओ) के द्वारा भारत में अपनी व्यापार विस्तार योजनाओं के लिए लगभग 40 अरब डॉलर की राशि का निवेश संकल्प जताया गया है। यह भी महत्वपूर्ण है कि इस यात्रा के दौरान 19 मई को ओस्लो में संपन्न भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन यूरोप के नॉर्डिक क्षेत्र के साथ भारत के रिश्तों को व्यापक बनाने के मामले में अहम रहा है। नॉर्डिक देशों में उत्तरी यूरोप के डेनमार्क, फिनलैंड, आइसलैंड, नॉर्वे और स्वीडन जैसे देश शामिल हैं। नार्डिक देशों ने अगले 15 वर्षों में भारत में 100 अरब डॉलर का निवेश करने की प्रतिबद्धता जताई है और इसके बदले में भारत ने इन देशों की रक्षा कंपनियों को रक्षा उद्योग गलियारे में 100 फीसदी विदेशी निवेश पहुंच प्रदान करना सुनिश्चित किया है। उल्लेखनीय है कि भारत एफटीए की डगर पर तेजी से बढ़ रहा है। विगत 27 अप्रैल को भारत और न्यूजीलैंड के बीच एक ऐतिहासिक एफटीए पर हस्ताक्षर हुए हैं और यह जल्द ही पूर्णतया लागू होगा। न्यूजीलैंड के साथ किए गए इस एफटीए का अत्यधिक मजबूत पक्ष भारत से सेवा निर्यात बढ़ाना और भारत से पेशेवरों को न्यूजीलैंड में अच्छे अवसरों के लिए आगे बढ़ाना भी है। यह एफटीए भारत की प्रतिभाओं, स्टार्टअप्स और नवाचार के लिए एक मजबूत बुनियाद प्रदान करता है। यह भी महत्वपूर्ण है कि भारत-यूरोपीय संघ के बीच हुए एफटीए को सभी समझौतों की जननी कहा गया है। साथ ही अब मॉरीशस, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), ऑस्ट्रेलिया और चार यूरोपीय देशों आइसलैंड, स्विट्जरलैंड, नॉर्वे और लिकटेंस्टाइन के समूह यूरोपियन फ्री ट्रेड एसोसिएशन (एफ्टा) के साथ सफलतापूर्वक कार्यान्वित हो रहे एफटीए के और अधिक लाभ मिलते हुए दिखाई देंगे। इतना ही नहीं इस समय कनाडा, इस्त्राइल, रूस, पेरू, चिली, दक्षिण अफ्रीका और मेक्सिको के साथ मुक्त व्यापार समझौतों पर काम में तेजी आ रही है। अमेरिका और इरान के बीच शांति समझौते और पश्चिम एशिया संकट के समाधान के बाद सरकार व्यापार समझौतों के प्रभावी क्रियान्वयन की राह पर तेजी से आगे बढ़ेगी। उम्मीद करें कि प्रभावी व्यापार समझौतों के आधार पर डॉलर की तुलना में रुपये की गिरावट थमेगी और रुपया मजबूत होगा। साथ ही भारत आगामी 4-5 वर्षों में दुनिया के सबसे आकर्षक शेयर बाजारों में से एक होगा और अर्थव्यवस्था मजबूती के साथ आगे बढ़ेगी। इससे भारत के द्वारा उत्पादन वृद्धि, निर्यात वृद्धि, रोजगार वृद्धि और विकास दर वृद्धि के नए अध्यायय लिखे जा सकेंगे।

(लेखक अर्थशास्त्री हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

विश्व सिकल दिवस
लेखक डॉ.ए.आर.दल्ला

# समानता का हकदार

प्रति वर्ष 19 जून को विश्व सिकल दिवस मनाया जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इस वर्ष 2026 के लिए एक थीम चर्चा का विषय दी है। जीवन रक्षा की खाई को भरें सिकल सेल पर समानता सुनिश्चित करें। यह दिन जीवन के प्रबंधन की गुणवत्ता में सुधार लाने और बेहतर सुविधाओं की वकालत करने का एक वैश्विक अभियान भी है। पहले इसे सिर्फ अश्वेत अफ्रीकन (नीग्रो) लोगो का रोग माना जाता था। चिकित्सा विज्ञान की प्रगति से मालूम हुआ कि यह भारत, अरब, और मेडीटेरियन अफ्रीका के अन्य देशों में भी व्याप्त है। रोजी-रोटी की तलाश में जाने वाले प्रवासी अश्वेत नीग्रो के माध्यम से यह रोग अमेरिका और यूरोप के अन्य देशों में भी पहुंचा।

संयुक्त राष्ट्र संघ ने इसे एक घातक आनुवांशिक रोग चिन्हीत करते हुए कहा है कि इस रोग के प्रबंधन और जनजागरण के चलते मलेरिया, कुपोषण एवं एनीमिया से होने वाली बीमारी से शिशु मृत्यू दर में कमी लाई जा सकती है। यहां यह जानना जरूरी है कि विश्व के विकसित और विकासशील देशों में स्वास्थ्य सेवाओं के स्तर में बहुत अंतर है-इसमें आर्थिक संसाधनो की एक बड़ी कमी की समस्या भी सामने आती है। इसी संदर्भ मे इस वर्ष 2026 में विश्व-स्वास्थ संगठन ने एक सामायिक थीम दी है। 'जीवन रक्षा की खाई को भरे। समानता सुनिश्चित करें।' सिकल सेल एक ऐसा अनुवांशिक रोग है, जिस पर सदियों तक भ्रांतियां बनी रहीं। पहले यह रोग अश्वेत अफ्रीकन लोगों का विकार माना जाता था। विज्ञान की प्रगति के साथ मालूम हुआ कि यह भारतवर्ष, अरब और मेडेटेरियन अफ्रीका के ऐसे देशों में व्याप्त है, जहां घने जंगल है और मलेरिया का प्रकोप है। आगे चलकर यह रोग रोजी-रोटी के तलाश में जाने वाले प्रवासी अश्वेत लोगों के माध्यम से अमेरिका और यूरोप तक पहुंचा। विश्व सिकल दिवस के अवसर विश्व समुदाय एकजुट होकर लाखों सिकल ग्रसित परिवारों को संबल प्रदान करता है-जो इस अनुवांषिक व्याधि से व्यथित है। संयुक्त राष्ट्र संगठन ने विशेष रुप से कहता है कि सभी प्रभावित देशों एवं पंजीकृत सेवा संस्थाओं को एकजुट होकर सिकल रोग पर जन-चेतना का प्रसार और इलाज का प्रयास करना होगा। हमें सब मिलकर अनुसंधान, नवाचार और आवष्यक वित्तीय सहायता को बढ़ावा देना होगा।

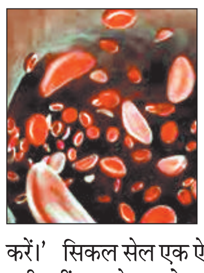

***भारतवर्ष में सिकल सेलः*** वर्ष 1952 तक भारतवर्ष में इस बीमारी पर जानकारी का अभाव था। समय के साथ ज्ञात हुआ कि भारत के कुछ प्रदेशों के अदिवासी पिछड़े और वंचित लोगों का एक बड़ा वर्ग इस अनुवांशिक व्याधि से प्रभावित है। यहां यह बतलाना आवश्यक है कि विकसीत और विकासशील देशों में स्वास्थ्य सेवाओं और आर्थिक बजट में एक बहुत बड़ा गेप या अन्तर है। हमें एकजुट होकर सिकल रोग से व्याधित व्यक्तियों के परिवारों को संबल और सहायता पहुंचाना है-जो इस वंशानुगत रक्त विकार के साथ जी रहे हैं। वर्ष 2026 का विश्व सिकल दिवस का दिन सिर्फ जनजागरण का दिन नही हैं बल्कि जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने और बेहतर सुविधाओं की वकालत के लिए एक वैश्विक अभियान भी है।

छत्तीसगढ़ राज्य की स्थापना के साथ ही राज्य में सिकल सेल व्याधि पर संज्ञान लिया गया। छत्तीसगढ़ की विधानसभा में वर्ष 2008 को सर्वसम्मति से सिकल सेल पर नियंत्रण का संकल्प भी सर्वसम्मति से पास हुआ। रायपुर में सिकल सेल रोग पर एक अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस के आयोजन में विश्व का ध्यान आकर्षित करने का प्रस्ताव पारित कर भारत के महामहिम राष्ट्रपति को सौंपा गया। भारत में राष्ट्रीय स्तर पर सिकल कार्यो को प्रगति तब मिली जब भारत के आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने इसका संज्ञान लिया। विगत वर्ष सिकल सेल की रोकथाम के लिये ''मिशन मोड'' पर वृहत प्रयास का प्रारंभ करते हुये, आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने मध्यप्रदेश के शहडोल में एक विशेष ''सिकल नियंत्रण केन्द्र'' की स्थापना की। प्रारंभिक तौर पर यह भारतवर्ष के 17 प्रभावित राज्य के 275 जिलो के आदिवासी क्षेत्रे में सिकल रोग सर्वेक्षण रोकथाम एव जनजागरण का प्रयास मिशन मोड में करेगा।

प्रधानमंत्री जी ने वर्ष 2047 तक सिकल सेल व्याधि के उन्मूलन का लक्ष्य रखा है। भविष्य में हम सिकल गाथा की पूर्ण समाप्ति की ओर बढ़ रहे। आइए हम सब मिलकर अनुसंधान, नवाचार, और आवश्यक वित्तीय सहायता को बढ़ावा देने का प्रयास करें ताकि प्रत्येक रोगी को वह गुणवत्ता पूर्ण देखभाल और उपचार मिल सके-जिसका वह हकदार है।

*लेखक- पूर्व अध्यक्ष, प्रोजेक्ट सिकल छत्तीसगढ़ एवं पूर्व चेयरमेन भारतीय रेड क्रास सोयायटी छत्तीसगढ़ प्रदेश*

## प्रसन्नता बन जाए परमात्मा

संकलित
दर्शन

व्यक्ति का चित्त प्रसन्न रहे तो परमात्मा के दर्शन हो जाएं। यह प्रसन्नता ही परमात्मा बन जाए। मगर आज के भागदौड़ भरे और तनाव के दौर में यह प्रसन्नता आए कैसे? तमाम लोग पैसा कमाने की भागदौड़ में लगे हैं। कोई भी ग्रंथ हो, धर्म हो, अध्यात्म हो, पैसा कमाने के लिए मना नहीं करता, लेकिन धन कमाते हुए भी यदि प्रसन्नता नहीं है तो कहीं पर ठहर कर कुछ विचार तो करना ही चाहिए। कथाओं में एक बात मैं अक्सर कहता रहता हूं। हमारे ग्रंथों में अपनी कुल आय का दशांश निकालने पर बल दिया गया। दशांश यानी जो भी आप महीने में कमा रहे हैं, उसका दस प्रतिशत हिस्सा समाज के लिए, जरूरतमंद लोगों के लिए खर्च किया जाना चाहिए। आप दो लाख रुपये कमा रहे हैं तो 20 हजार निकाल दें। आपको लगता है कि 20 हज़ार ज्यादा हैं, आप नहीं निकाल पाएंगे तो एक लाख ही कमाएं। फिर दस हजार ही निकालने होंगे। आपाधापी में लोग प्रसन्न रहना तो जैसे भूलते जा रहे हैं। अध्यात्म में प्रसन्न रहने का बहुत महत्व बताया गया है। हर व्यक्ति को प्रसन्न रहना चाहिए, क्योंकि प्रसन्नता परमात्मा तक पहुंचने का द्वार है। हमें प्रसन्न रहते हुए स्वयं की खोज करनी चाहिए। हम दूसरों को ढूंढ़ने और उनमें कमियां व खूबियाँ खोजने में लगे रहते हैं। एक नजर हमें खुद पर भी डालनी चाहिए। व्यक्ति स्वयं की खोज करें, समाज की सेवा करे और परमात्मा से प्रेम करे, उसका भजन करें, आज के समय में प्रसन्न रहने के लिए यह पर्याप्त है। बहुत ज्यादा साधनों में उलझने की आवश्यकता नहीं है।

## विद्वत्ता पर कभी घमंड न करें

संकलित
प्रेरणा

महाकवि कालिदास रास्ते में थे। प्यास लगी। वहां एक पनिहारिन पानी भर रही थी। कालिदास बोले- माते! पानी पिला दीजिए बड़ा पुण्य होगा। पनिहारिन बोली- बेटा मैं तुम्हें जानती नहीं। अपना परिचय दो। मैं पानी पिला दूंगी। कालिदास ने कहा- मैं मेहमान हूँ, कृपया पानी पिला दें। पनिहारिन बोली- तुम मेहमान कैसे हो सकते हो ? संसार में दो ही मेहमान हैं। पहला धन और दूसरा यौवन। इन्हें जाने में समय नहीं लगता। सत्य बताओ कौन हो तुम ? तर्क से पराजित कालीदास अवाक रह गए। कालिदास बोले- मैं सहनशील हूं। अब आप पानी पिला दें। पनिहारिन ने कहाः नहीं, सहनशील तो दो ही हैं। पहली, धरती जो पापी-पुण्यात्मा सबका बोझ सहती है। उसकी छाती चीरकर बीज बो देने से भी अनाज के भंडार देती है, दूसरे पेड़ जिनको पत्थर मारो फिर भी मीठे फल देते हैं। तुम सहनशील नहीं। सच बताओ तुम कौन हो? कालिदास मूर्च्छा की स्थिति में आ गए और तर्क-वितर्क से झल्ला उठे! कुछ बोल न सकने की स्थिति में कालिदास वृद्धा पनिहारिन के पैर पर गिर पड़े और पानी की याचना में गिड़गिड़ाने लगे! वृद्धा ने कहा- उठो वत्स! आवाज़ सुनकर कालिदास ने ऊपर देखा तो साक्षात माता सरस्वती वहां खड़ी थी, कालिदास पुनः नतमस्तक हो गए। मां ने कहा- शिक्षा से ज्ञान आता है न कि अहंकार से। तूने शिक्षा के बल पर प्राप्त मान और प्रतिष्ठा को ही अपनी उपलब्धि मान लिया और अहंकार कर बैठे इसलिए मुझे तुम्हारे चक्षु खोलने के लिए ये स्वांग करना पड़ा।

## अंतर्मन

## आज की पाती

### पूजा स्थलों का धन चुराना महापाप

चोरी को अपने आप में ही महापातक माना जाता है। बताते हैं कि चोरी करने से मिलने वाला पाप लगभग ब्रह्महत्या, गुरुहत्या, गौहत्या के ही बराबर होता है। और जो धार्मिक, आध्यात्मिक स्थल (मंदिर) में चोरी करे, उसके पापों का हिसाब लगाया जा सकता है। लेकिन कुछ और तथ्यों की जांच-पड़ताल और जानकारी भी बहुत जरूरी है। सामान्य और विशेष, सभी परिस्थितियों में मंदिर, मस्जिद, चर्च, गुरुद्वारा, गोम्पा व अन्य पूजा स्थल पर चढ़ावे के रूप में प्राप्त होने वाले करोड़ों-अरबों रुपए का लोग क्या करते हैं, कितना धन जनसेवा, लोक कल्याण में लगता है, और कितना व्यक्तिगत रूप से प्रयोग/दुरुपयोग किया जाता है। ऐसा भी अक्सर देखने में आता है कि बहुत सारे लोग इस प्रकार के धन से अपने संपूर्ण परिवार को न सिर्फ पालते ही हैं, बल्कि ऐश्वर्य, वैभव की जिंदगी जीते हैं।

*- विवेक चौहान, बिलासपुर*

## ट्रेंड

### विकास यात्रा को अभूतपूर्व गति

मोदी सरकार के 12 वर्ष विकास व विरासत के संगम का स्वर्णिम कालखंड रहे हैं। इन वर्षों में श्रीराम मंदिर, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर का निर्माण हुआ व पीएम आवास, आयुष्मान भारत जैसी पहलों ने विकास यात्रा को अभूतपूर्व गति दी। **-अमित शाह,** केंद्रीय गृहमंत्री

### शानदार हज

इस साल का हज इतिहास का सबसे शानदार हज था। हजारों की संख्या में हाजियों ने सरकार का शुक्रिया अदा किया है...इस शानदार हज के कारण भारत को दो पुरस्कार मिले हैं। 1.75 लाख हाजियों का फीडबैक अच्छा रहा...सब काम समय पर हुआ। पहली बार 'शॉर्ट ड्यूरेशन हज' की शुरुआत की गई। **-किरेन रीजीजू,** केंद्रीय मंत्री

### नीटः 1.32 लाख करोड़ खर्च

हर साल नीट परीक्षा देने वाले 22 लाख छात्रों से सिस्टम के जरिए 1.32 लाख करोड़ खर्च कराए जाते हैं। यह रकम देश के शिक्षा बजट 1.40 लाख करोड़ के लगभग बराबर है। मैं एक बात और जोड़ना चाहती हूं कि सरकार ने पसंदीदा कारोबारियों के जो लोन माफ किए, वे 16 लाख करोड़ रुपये हैं। **-प्रियंका गांधी,** सांसद, कांग्रेस

### भ्रष्टाचार खत्म होगा

पश्चिम बंगाल कर नई भाजपा सरकार ने उन असामाजिक तत्वों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है, जिन्हें पिछली सरकार का संरक्षण प्राप्त था। सरकार धमकाने की संस्कृति और भ्रष्टाचार के गिरोहों को भी खत्म करेगी।' प्रदेश का संपूर्ण विकास होगा। **-आर. एन. रवि,** राज्यपाल, बंगाल

## करंट अफेयर

### हाल के वर्षों में 'योग' चीन में काफी लोकप्रिय हो गया

चीन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि भारत की प्राचीन आध्यात्मिक व शारीरिक स्वास्थ्य पद्धति योग और चीन की 'एक्यूपंक्चर' और मार्शल आर्ट्स दोनों देशों के बीच साझा सभ्यतागत संबंधों को दर्शाते हैं। चीन अंतरराष्ट्रीय विकास सहयोग एजेंसी (सीआईडीसीए) के अध्यक्ष लूओ जोहुई ने बुधवार को यहां एक कार्यक्रम में कहा- हाल के वर्षों में योग चीन में बहुत लोकप्रिय हो गया है। इसी तरह, चीन की एक्यूपंक्चर और मार्शल आर्ट्स भारत में काफी मशहूर है। उन्होंने इस अवसर पर संयुक्त राष्ट्र के पूर्व राजनयिक सिद्धार्थ चटर्जी की पुस्तक 'माय फाइव टू थ्राइव' का विमोचन किया। यह पुस्तक श्वास तकनीकों और योग पर आधारित है। लुओ ने यह टिप्पणी अंतरराष्ट्रीय योग दिवस से पहले की, जो हर वर्ष चीन में उत्साह के साथ मनाया जाता है। योग दिवस हर साल 21 जून को दुनिया भर में मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र ने 2014 में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को मान्यता दी थी। बीजिंग स्थित भारतीय दूतावास शुक्रवार को एक बड़ा योग दिवस कार्यक्रम आयोजित करेगा। इसके बाद चीन में भारत के अन्य मिशन भी कार्यक्रम आयोजित करेंगे। चटर्जी ने अपने संबोधन में कहा कि सांस लेना मानव जीवन का एक बेहद महत्वपूर्ण हिस्सा है और श्वास संबंधी तकनीकें बेहतर जीवन जीने में मदद करती हैं।

## ऑफ बीट

### विश्व का सबसे बड़ा जलवायु खतरा जो दिखता नहीं

अटलांटिक महासागर की गहराइयों में पानी का एक विशाल प्रवाह उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों से गर्मी को ग्रीनलैंड की ओर ले जाता है। इसे 'अटलांटिक मेरिडियोनल ओवरटर्निंग सर्कुलेशन' कहा जाता है। यह पूरी प्रक्रिया अधिकांशतः हमारी नजरों से दूर होती है, इसलिए वर्षावनों, ध्रुवीय हिम आवरण या जलवायु को नियंत्रित करने वाली अन्य विशाल प्रणालियों जैसी सार्वजनिक पहचान इसे नहीं मिली। हाल के अध्ययनों से संकेत मिले हैं कि यह प्रणाली कमजोर पड़ रही है। यदि इसकी गति और धीमी होती है तो दुनिया के लगातार गर्म होने के बावजूद उत्तरी यूरोप में सर्दियां कहीं अधिक ठंडी हो सकती हैं। इसके साथ ही उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों की मानसून प्रणालियों में बदलाव हो सकते हैं और अमेरिका के पूर्वी तट पर समुद्र का स्तर अचानक बढ़ सकता है। वैज्ञानिकों की लगातार चेतावनियों के बावजूद एएमओसी बिरले ही सुर्खियों में आ पाता है। इसका एक कारण मीडिया स्वामित्व और संपादकीय सीमाएं हो सकती हैं, लेकिन इसके पीछे एक और वजह भी है। दरअसल, एएमओसी आधुनिक पत्रकारिता के सामने एक अनोखी चुनौती पेश करता है। इसे समझना ही नहीं, इसकी कल्पना करना भी कई लोगों के लिए मुश्किल है, क्योंकि अटलांटिक महासागर की गहराइयों में धीरे-धीरे और लगभग खामोशी से संचालित होता है।

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर
फोन: 401050,271016,फैक्स-271018
ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइट: www.haribhoomi.com

# 99% भारतीय उत्पादों पर ड्यूटी खत्म, 15 से लागू होगा भारत-ब्रिटेन व्यापार समझौता

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत और यूनाइटेड किंगडम (ब्रिटेन) के बीच व्यापारिक रिश्तों का एक नया अध्याय शुरू होने जा रहा है। आगामी 15 जुलाई से दोनों देशों के बीच 'व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता' (सीईटीए) आधिकारिक तौर पर लागू हो जाएगा। इसके साथ ही सामाजिक सुरक्षा से जुड़ा एक अहम समझौता (डीसीसी) भी इसी दिन से प्रभाव में आएगा। इस ऐतिहासिक कदम से न सिर्फ 99 प्रतिशत भारतीय उत्पादों को ब्रिटेन के बाजार में बिना किसी ड्यूटी (टैक्स) के सीधी एंट्री मिलेगी, बल्कि वहां काम करने वाले भारतीय पेशेवरों के लिए दोहरे सामाजिक सुरक्षा योगदान से छूट की अवधि भी 3 साल से बढ़ाकर 5 साल कर दी गई है।

## भारत के किसानों-मछुआरों का सामान प्रतिस्पर्धी कीमत पर बिकेगा अब ब्रिटेन के बाजारों में

इस नए व्यापारिक ढांचे के लागू होने से भारतीय निर्यातकों को सीधा फायदा मिलने वाला है। अब तक जिन सामानों पर ब्रिटेन में भारी आयात शुल्क लगता था, वे अब बिना किसी ड्यूटी के वहां आसानी से बिक सकेंगे। प्रोसेस्ड फूड पर लगने वाला 70 प्रतिशत तक का शुल्क, समुद्री उत्पादों पर 21.5 प्रतिशत, इंजीनियरिंग और ऑटो पार्ट्स पर 18 प्रतिशत, चमड़े और जूतों पर 16 प्रतिशत तथा कपड़ों पर 12 प्रतिशत तक का आयात शुल्क अब शून्य हो जाएगा। सीधी भाषा में कहें तो भारत के छोटे-बड़े कारखानों, किसानों और मछुआरों का सामान अब ब्रिटेन के बाजारों में अपनी प्रतिस्पर्धी कीमत पर बिक सकेगा। इससे भारतीय विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) क्षेत्र को नई ताकत मिलेगी। हालांकि, डेयरी उत्पादों, अनाज और सेब जैसे भारत के संवेदनशील कृषि क्षेत्रों को बाहरी आयात के दबाव से पूरी तरह सुरक्षित रखा गया है।

**भारतीय सामानों के लिए ब्रिटेन का बाजार हुआ लगभग पूरी तरह टैक्स-फ्री**

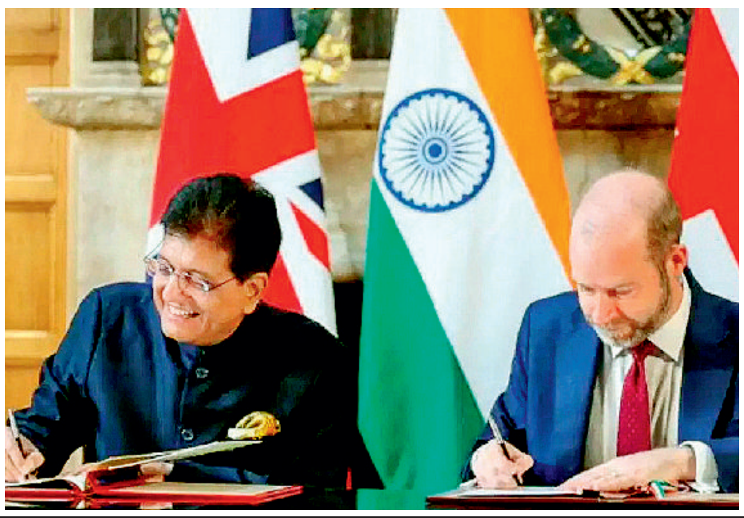

### पेशेवरों के साथ सर्विस सेक्टर को भी मिलेगी नई उड़ान

सिर्फ सामान ही नहीं, बल्कि भारत की सेवा (सर्विस) अर्थव्यवस्था के लिए भी यह समझौता एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हो सकता है। ब्रिटेन ने 137 ऐसे सर्विस सेक्टर्स में भारत को बाजार पहुंच दी है, जिनमें भारतीय कंपनियों और पेशेवरों की मजबूत उपस्थिति है। इनमें आईटी, प्रोफेशनल सर्विसेज, शिक्षा, टेलीकॉम और हेल्थकेयर जैसे क्षेत्र शामिल हैं। सबसे बड़ी राहत ब्रिटेन जाने वाले कर्मचारियों को मिली है। नए सामाजिक सुरक्षा समझौते के तहत अब अस्थायी तौर पर ब्रिटेन जाने वाले भारतीय पेशेवरों को वहां दोहरे सामाजिक सुरक्षा योगदान (डबल कंट्रीब्यूशन) से 5 साल तक की छूट मिलेगी। इससे 75 हजार से अधिक पेशेवरों और करीब 900 कंपनियों को सीधा आर्थिक लाभ होगा। इसके अलावा, एक नई व्यवस्था के तहत 1,800 भारतीय शेफ, योग प्रशिक्षक और शास्त्रीय संगीतकारों को भी हर साल ब्रिटेन में काम करने के विशेष अवसर मिलेंगे।

### स्टील उद्योग की रक्षा के साथ आम आदमी को भी फायदा

किसी भी अंतरराष्ट्रीय व्यापार समझौते में घरेलू उद्योगों की सुरक्षा सबसे अहम होती है। कुल 30 अध्यायों वाले इस समझौते में भारत ने अपने स्टील निर्यातकों के हितों को भी सुरक्षित रखा है। 1 जुलाई 2026 से ब्रिटेन द्वारा स्टील पर लागू किए जा रहे नए सख्त नियमों के बावजूद भारत के 85 प्रतिशत स्टील निर्यात को इनके प्रभाव से बाहर रखा गया है। शेष हिस्से को भी विशेष कोटा व्यवस्था के जरिए संरक्षण दिया गया है। यह व्यापार समझौता केवल बड़े कारोबारियों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका असर समाज के विभिन्न वर्गों पर पड़ेगा। इससे महिलाओं, युवाओं, स्टार्टअप्स और एमएसएमई क्षेत्र को दुनिया के एक बड़े उपभोक्ता बाजार से जुड़ने का अवसर मिलेगा।मई 2021 में जिस साझेदारी की नींव रखी गई थी, वह 14 दौर की लंबी वार्ताओं के बाद अब जमीन पर उतरने जा रही है और भारत को वैश्विक स्तर पर एक मजबूत आर्थिक शक्ति के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

## खबर संक्षेप

### 14.5 करोड़ रु. के मादक पदार्थ जब्त, 7 गिरफ्तार

**गुवाहाटी।** असम के दो जिलों से 14.5 करोड़ रुपये मूल्य के मादक पदार्थ जब्त किए गए हैं और इस सिलसिले में सात लोगों को गिरफ्तार किया गया है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच पर एक पोस्ट में कहा कि लगातार चलाए गए अभियान के तहत ये मादक पदार्थ श्रीभूमि और नगांव जिलों से जब्त किए गए हैं। शर्मा ने पोस्ट में कहा, 'मादक पदार्थों के विरुद्ध हमारा अभियान पूरी दृढ़ता के साथ जारी है। ... श्रीभूमि और नगांव जिला पुलिस ने 14.5 करोड़ रुपये मूल्य के मादक पदार्थ जब्त किए हैं।' मुख्यमंत्री ने कहा कि मादक पदार्थों और इसके तस्करों के विरुद्ध यह कड़ी कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

### एयरफोर्स अफसर की पत्नी से रेप, मौलाना गिरफ्तार

**नागपुर।** नागपुर में एयरफोर्स अफसर की पत्नी से रेप, काला जादू और जबरन धर्मांतरण मामले में एक मौलाना को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। 24 साल की महिला ने 12 जून एफआईआर में आरोप लगाया था कि उसे नशीला पदार्थ देकर रेप और ब्लैकमेल किया गया। फिर जबरन शादी और धर्म परिवर्तन के लिए मजबूर किया गया। हजरत नाम के मौलाना पर महिला के ऊपर काला जादू और धर्मांतरण करने का आरोप है।

आरोपी मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले के तामिया का रहने वाला है। मौलाना की तलाश में कई टीमें लगाई गई थीं। दबाव बढ़ने पर बुधवार रात उसने सरेंडर कर दिया। पुलिस के अनुसार, आरोपी को अदालत में पेश कर पुलिस रिमांड मांगा जाएगा।

### काशी रेलवे स्टेशन विस्तार मस्जिद को मिला नोटिस

**वाराणसी।** उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले में काशी रेलवे स्टेशन परिसर के विस्तार के लिए रेलवे प्रशासन ने स्टेशन के मुख्य द्वार पर स्थित गंज शहीदा मस्जिद को खाली करने के लिए कानूनी प्रक्रिया के तहत नोटिस चस्पा किया है। वहीं, मस्जिद की देखरेख करने वाली संस्था इंतजामिया मस्जिद कमेटी ने रेलवे के नोटिस को अवैध करार दिया है। कैंट स्टेशन के अधीक्षक अर्पित गुप्ता ने कहा, 'काशी स्टेशन के विस्तार और प्रस्तावित निर्माण कार्यों के लिए आसपास की रेलवे भूमि को अतिक्रमण मुक्त करना आवश्यक है। इसी वजह से विभिन्न स्थलों को चिन्हित कर कार्रवाई की जा रही है।' गुप्ता ने बताया कि रेलवे और जिला प्रशासन ने इससे पहले भी काशी रेलवे स्टेशन के आसपास अतिक्रमण हटाया था। उन्होंने बताया कि काशी रेलवे स्टेशन के राजघाट क्षेत्र में स्थित हनुमान मंदिर और अजमेर शहीद मस्जिद को प्रशासन और रेलवे की संयुक्त कार्रवाई के तहत हटाया जा चुका है। गुप्ता ने बताया कि काशी रेलवे स्टेशन के मुख्य द्वार पर स्थित गंज शहीदा मस्जिद को 20 जून तक खाली करने के लिए कानूनी प्रक्रिया के तहत नोटिस चस्पा किया गया है।

## राउत ने दी चेतावनी, कहा- बेईमानी बहुत महंगी पड़ेगी

# उद्धव सेना की व्हिप वाली मीटिंग 3 सांसद पहुंचे, बाकी 6 को नोटिस

**7 दिन के अंदर कारण बताओ नोटिस का देना होगा जवाब**

*शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के 6 बागी सांसदों को मनाने की एक आखिरी कोशिश भी नाकामयाब साबित हुई। संजय राउत और अरविंद सावंत ने संसदीय बोर्ड की इमरजेंसी बैठक रखी थी जिसमें सभी 9 सांसदों को शामिल होने के लिए व्हिप जारी किया गया था। हालांकि, बैठक में पहुंचे केवल तीन ही सांसद। वही तीन, जो पहले से पार्टी के साथ बने हुए हैं। बाकी 6 बागियों में से कोई इस मीटिंग में शामिल नहीं हुआ।*

**■बागी सांसदों को 10 करोड़ रुपये देना का दावा**

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

बैठक में तीन लोकसभा सांसद अरविंद सावंत, राजाभाऊ वाजे और अनिल देसाई शामिल हुए। बैठक से नदारद रहने वाले सांसदों के नाम संजय जाधव, संजय देशमुख, नागेश पाटिल अष्टिकर, भाऊसाहेब वाकचौरे, संजय दीना पाटिल और ओमराजे निंबालकर हैं। बागी सांसदों द्वारा व्हिप को नजरअंदाज किए जाने पर भड़के संजय राउत ने कहा कि यह पार्टी व्हिप उल्लंघन है, इसके लिए सांसदों से जवाब मांगा जाएगा। अगर वो लोकसभा स्पीकर से मिले हैं तो फोटो दिखा दीजिये। इस बार एकनाथ शिंदे और सभी 6 सांसदों को बेईमानी बहुत महंगी पड़ेगी। , लोकसभा में संसदीय दल के नेता अरविंद सावंत ने कहा, 'जो सांसद बैठक में नहीं आए हैं उनको कारण बताओ नोटिस भेजा जाएगा और उन्हें 7 दिन के अंदर जबाव देना होगा। अगर जवाब नहीं आया तो आगे की कार्रवाई की जाएगी। स्पीकर को चिट्ठी लिखेंगे।' राउत ने बागी सांसदों को लेकर एक और बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि बागी सांसदों को 10 करोड़ रुपये और दिए गए हैं।

### राउत ने सुप्रीम कोर्ट को भी बताया 'गुनहगार'

संजय राउत ने बेहद बड़ा बयान देते हुए यह भी कहा है कि उनकी पार्टी के साथ आज जो हो रहा है, इसका 'गुनहगार' सुप्रीम कोर्ट भी है। संजय राउत का दावा है कि अगर सुप्रीम कोर्ट ने अपना फैसला सुना दिया होता तो आज यह नौबत नहीं आती. उन्होंने आगे कहा कि देश में लोकतंत्र की धज्जियां उड़ रही हैं। इसका गुनहगार सबसे पहले सुप्रीम कोर्ट भी है और देश का चुनाव आयोग भी है।

### दो सांसदों ने भरोसा दिया था कि नहीं जाएंगे

उद्धव ठाकरे गुट के सूत्रों के मुताबिक पार्टी नेतृत्व ने अब उम्मीद छोड़ दी है। अब जब ये 6 सांसद इस बैठक में नहीं आए हैं तो इनको बागी और गद्दार माना जा सकता है। सूत्रों की मानें तो 6 में से दो सांसद लगातार भरोसा दे रहे थे कि वे शिंदे गुट के साथ नहीं जाएंगे। सूत्रों के मुताबिक, 3 महीने पहले एक-दो सांसदों ने इस बात की ओर इशारा किया था कि शिंदे गुट की तरफ से उनसे संपर्क किया जा रहा है लेकिन उद्धव ठाकरे और उनकी पार्टी के नेताओं को भरोसा था कि ये सांसद उस गुट की तरफ नहीं जाएंगे। हालांकि, पिछले कुछ दिनों में खेल बदल गया।

### क्यों बागी हुए 6 सांसद?

दरअसल, बागी सांसदों ने जो प्रस्ताव दिया है, उसके हिसाब से सांसद इस आशंका से नाराज हैं कि शिवसेना यूबीटी का विलय कांग्रेस में हो सकता है। यह चिंता सांसदों ने संजय राउत के एक बयान के बयान के बाद जताई जिसमें उन्होंने कहा था ममता बनर्जी की टीएमसी को सलाह दी थी कि कांग्रेस में विलय कर लें।

## प्रधानमंत्री मोदी पेरिस पहुंचे, निवेशकों, भारतीय समुदाय से मिले

# 'वैश्विक प्रगति के लिए भारत-फ्रांस की साझेदारी को बताया अहम'

एजेंसी ▶▶| पेरिस

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के फ्रांस की राजधानी पेरिस पहुंचने पर प्रवासी भारतीय समुदाय के सदस्यों ने गर्मजोशी से उनका स्वागत किया। मोदी ने इस दौरान वैश्विक प्रगति के लिए भारत और फ्रांस की साझेदारी के महत्व पर विशेष जोर दिया। प्रधानमंत्री स्थानीय समयानुसार बुधवार को फ्रांस के शहर एवियॉन से पेरिस पहुंचे, जहां उन्होंने 'जी7' शिखर सम्मेलन में भाग लिया था। इस सम्मेलन में भारत को अतिथि देश के रूप में आमंत्रित किया गया था। पेरिस, प्रधानमंत्री मोदी की फ्रांस और स्लोवाकिया की दो देशों की यात्रा का अंतिम पड़ाव है। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पर एक 'पोस्ट' में कहा, 'मैं कुछ ही समय पहले पेरिस पहुंचा हूं, जहां प्रवासी भारतीयों ने मेरा गर्मजोशी से स्वागत किया। भारत और फ्रांस को करीब लाने के उनके प्रयासों पर मुझे गर्व है।' उन्होंने कहा, 'भारत-फ्रांस की साझेदारी वैश्विक प्रगति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।'

### फ्रांस में प्रमुख कंपनियों के सीईओ से निवेश पर चर्चा

पीएम मोदी ने बृहस्पतिवार को कई कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात कर भारत में निवेश अवसरों और विस्तार योजनाओं पर चर्चा की। प्रधानमंत्री से मुलाकात करने वाले मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विभिन्न क्षेत्रों की कंपनियों से संबंधित हैं। इनमें टिकाऊ निर्माण, परिवहन और कृत्रिम मेधा (एआई) क्षेत्र शामिल हैं। फ्रांस की यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले दो दिनों में जी-7 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लिया और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सहित कई विश्व नेताओं के साथ बातचीत की। विदेश मंत्रालय ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि प्रधानमंत्री ने सेंट-गोबेन के चेयरमैन एवं सीईओ बेनोआ बाजिन से मुलाकात की। इस दौरान निर्माण सामग्री क्षेत्र में अवसरों पर चर्चा हुई, जिसमें विशेष रूप से टिकाऊपन पर खास जोर दिया गया। मंत्रालय ने बताया कि बाजिन ने भारत में निवेश बढ़ाने और विस्तार करने की अपनी योजनाएं साझा की हैं।

# दहक उठीं इमारतें, कई ऑयल रिफाइनरीं पर भी हुआ हमला

**नई दिल्ली।** यूक्रेन ने गुरुवार को रूस पर अब तक का सबसे बड़ा ड्रोन हमला किया। रूस के रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, रातभर में करीब 1,000 ड्रोन और चार क्रूज मिसाइलों को मार गिराया गया। इनमें करीब 200 ड्रोन राजधानी मॉस्को की तरफ बढ़ रहे थे। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक हमले में दक्षिणी रोस्तोव क्षेत्र के एक ऑयल डिपो धमाके से तबाह हो गया, यहां मौजूद एक व्यक्ति की मौत हो गई। वहीं मॉस्को की कपोतन्या ऑयल रिफाइनरी पर भी हमला हुआ। विस्फोट के बाद ऑयल डिपो टैंक का ढक्कन कई मीटर ऊपर उछल गया और आसमान में काले धुएं के गुबार छा गए। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पास के एक शॉपिंग सेंटर में भी आग लग गई। ड्रोन का मलबा गिरने से कुछ रिहायशी और व्यावसायिक इमारतों को नुकसान पहुंचा। कई ऊंची इमारतों को खाली कराया गया। हमले के बाद मॉस्को के हवाई अड्डों पर कुछ समय के लिए उड़ानों पर रोक लगाई गई।

**पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय**
(नवोदय विद्यालय समिति की एक इकाई)
शिक्षा मंत्रालय, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, भारत सरकार
**PM SHRI SCHOOL JAWAHAR NAVODAYA VIDYALAYA**
(A unit of Navodaya Vidyalaya Samiti)
Ministry of Education, Deptt. Of School Education & Literacy, Govt. of India
ग्राम एवं पोस्ट- मल्हार, जिला बिलासपुर, राज्य छत्तीसगढ़, पिन 495551
Vill. & Post-Malhar, Distt.- Bilaspur, State- Chhattisgarh, Pin-495551
email-invbilaspurcg@gmail.com, स्कूल न.-19008, UDISE CODE-22071503807 Aff. No. 3340001,
web: www.navodaya.gov.in/nvs/nvs-school/BILASPUR_MP/en/home/

पत्र स:-7.11/जनवि/बिलास/2026-27/171 दिनांक- 18/06/2026

**संविदा आधार पर लैब अटैण्डेंट एवं मैट्रन पद हेतु "वॉक इन इंटरव्यू"**

पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय मल्हार, जिला-बिलासपुर (छ.ग.) में सत्र 2026-27 हेतु 10 माह की अवधि के लिए संविदा आधार पर लैब अटैण्डेंट एवं मेट्रन की भर्ती हेतु योग्य अभयर्थियों को "वॉक इन इंटरव्यू" में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया जाता है। "वॉक इन इंटरव्यू" दिनांक 24.06.2026 को प्रातः 10:00 बजे से दोपहर 01:30 बजे तक पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय मल्हार, जिला-बिलासपुर (छ.ग.) में आयोजन किया जाएगा। इच्छुक एवं योग्य उम्मीदवार अपने सभी मूल प्रमाण पत्रों एवं एक सेट स्वप्रमाणित छायाप्रति, नवीनतम पासपोर्ट फोटोग्राफ इत्यादि के साथ दिनांक 24.06.2026 को "वॉक इन इंटरव्यू" शामिल हो सकते है।

**अभ्यर्थी की अनिवार्य योग्यता व अन्य जानकारी निम्नानुसार होगी।**

| क्र. | पद का नाम (पद संख्या | योग्यता | पारिश्रमिक एवं अन्य शर्ते |
|---|---|---|---|
| 1. | लैब अटैण्डेंट (01) | * 10th Class pass with a certificate/Diploma in Laboratary Technique 12th OR Class with Science Stream from a recognized Board<br>* दिनांक 01.07.2026 की स्थिति में न्यूनतम आयु 18 वर्ष होना चाहिए एवं अधिकतम आयु 30 वर्ष से अधिक नहीं होना चाहिए। नियमानुसार अधिकतम आयु में छूट होगी। | * शासन द्वारा निर्धारित न्यूनतम अकुशल श्रेणी (दैनिक आधार) का वेतन देय होगा।<br>* भोजन एवं विद्यालय मेडिकल रूम में उपलब्ध प्राथमिक की जावेगी। चिकित्सा सुविधा नि:शुल्क प्रदान<br>* अनुबंध की अवधि वर्ष में अधिकतम 10 माह होगी। |
| 2. | मैट्रन (03 | * न्यूनतम कक्षा 10वीं उत्तीर्ण यद्यपि उच्च शैक्षणिक योग्यता को वरीयता दी जायेगी।<br>* अनुबंध के समय न्यूनतम आयु 35 वर्ष व अधिकतम आयु 55 वर्ष<br>* परिवारिक जिम्मेदारी रहित, विवाहित महिलाएं जिसमें विधवा व तलाकशुदा शामिल है। | |

इच्छुक अभ्यर्थी अधिक जानकारी हेतु विद्यालय कार्यालय से संपर्क कर सकते है।

प्रभारी प्राचार्य
पीएम श्री स्कूल जनवि मल्हार,
बिलासपुर (छ.ग.)

**कार्यालय आयुक्त आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास**
**ब्लॉक 4 डी, भूतल, इन्द्रावती भवन, नवा रायपुर अटल नगर (छ.ग.)**
Phone-2263708 Fax - 2262558
website tribal.cg.gov.in E mail - prayas.ctd@gmail

क्रमांक / प्रयास / 175/2026-27/2032
नवा रायपुर, दिनांक 17/06/2026

**परीक्षा परिणाम घोषित होने की सूचना**

मुख्यमंत्री बाल भविष्य सुरक्षा योजनांतर्गत प्रयास आवासीय विद्यालयों के कक्षा 9वीं (सत्र 2026-27) में प्रवेश हेतु प्राक्चयन परीक्षा दिनांक 10.05.2026 (रविवार) को आयोजित की गई थी। प्राक्चयन परीक्षा पश्चात प्राप्त दावा आपत्तियों का निराकरण किया जाकर परीक्षा परिणाम विभागीय वेबसाईट https://eklavya.cg.nic.in/ पर जारी किये गये है।

विभागीय वेबसाईट https://eklavya.cg.nic.in/ पर विद्यार्थी अपना रोल नम्बर एवं मोबाईल नम्बर प्रविष्ट कर प्राप्तांक देख सकते है। काउंसलिंग हेतु विभागीय वेबसाईट का अवलोकन करते रहे काउसंलिंग की सूचना पृथक से अपलोड की जावेगी।

उपायुक्त
आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास
जी. 262701555/1 इन्द्रावती भवन, अटल नगर, नवा रायपुर (छ.ग.)

**कार्यालय प्रमुख अभियंता**
**लोक निर्माण विभाग, निर्माण भवन,**
**नवा रायपुर अटल नगर, जिला रायपुर (छ.ग.)**

ज्ञाप क्र.प्र.अ./441101002/2026-27/पर्य
रायपुर दिनांक 12/06/2026

**विज्ञापन सूचना**

लोक निर्माण विभाग अंतर्गत निर्माण कार्य की गुणवत्ता एवं भौतिक प्रगति में आम नागरिकों की सहभागिता एवं प्रतिक्रिया प्राप्त करने के लिए मोबाईल एप तैयार किया जाना है। डेवलपमेंट हेतु इच्छुक फर्म/कंपनी/व्यक्ति दिनांक 03.07.2026 को प्रेजेनटेंशन (हार्ड कापी एवं साफ्ट कापी) के साथ कार्यालयीन समय 11.00 बजे कार्यालय प्रमुख अभियंता, लोक निर्माण विभाग, निर्माण भवन, नार्थ ब्लॉक, सेक्टर-19, नवा रायपुर, अटल नगर, में प्रस्तुत करें।

कार्यालय की आवश्यकता, पात्रता एवं निर्धारित शर्तों की जानकारी कार्यालय से कार्यालयीन अवधि में दिनांक 19.06.2026 तक प्राप्त की जा सकती है।

प्रमुख अभियंता
लोक निर्माण विभाग
जी. 262701544/2 नवा रायपुर, अटल नगर (छ.ग.)

**कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला कोरबा छ.ग.**

क्रमांक/डी.एम.एफ./2026/6403 //सूचना// कोरबा दिनांक : 15.06.2026

जिला खनिज न्यास मद अंतर्गत संविदा पदों पर भर्ती हेतु विज्ञापन प्रकाशन बावत।

कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला कोरबा छ.ग. के पत्र क्रमांक/डी.एम. एफ./2026/6329, कोरबा, दिनांक 15.06.2026 के द्वारा जिला खनिज न्यास मद अंतर्गत निम्नलिखित पदों पर भर्ती हेतु विज्ञापन जारी किया गया है।

| क्र | पदनाम | कुल रिक्तियां | वर्ग | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | अजजा | | | | अजा | | | | अपिव | | | | अनारक्षित | | | |
| | | | मुक्त | महिला | भू.पू.सैं. | दिव्यांग | मुक्त | महिला | भू.पू.सैं. | दिव्यांग | मुक्त | महिला | भू.पू.सैं. | दिव्यांग | मुक्त | महिला | भू.पू.सैं. | दिव्यांग |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 |
| 1 | स्टाफ नर्स | 06 | 3 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 2 | 0 | 0 | 0 |
| 2 | मेडिकल लैब टेक्नोलॉजिस्ट | 13 | 3 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 2 | 0 | 0 | 0 | 4 | 1 | 0 | 0 |
| 3 | ड्रेसर | 04 | 2 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 |
| 4 | फार्मासिस्ट | 06 | 3 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 2 | 0 | 0 | 0 |
| 5 | ग्रा.स्वा.संयो. महिला | 05 | 0 | 2 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 2 | 0 | 0 |
| 6 | ग्रा.स्वा. संयो.पुरूष | 09 | 4 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 2 | 0 | 0 | 0 | 2 | 0 | 0 | 1 |

उक्त रिक्त संविदा पदों पर पात्र इच्छुक अभ्यार्थियों से दिनांक 30.06.2026 को शायं 5:00 बजे तक आवेदन आमंत्रित किये गये हैं। उक्त विज्ञापन का विवरण कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला कोरबा के सूचना पटल एवं कोरबा जिले के शासकीय वेबसाईट www.korba.gov.in मे उपलब्ध है। जिसका अवलोकन किया जा सकता है।

जी- 26270 1523/2

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य
अधिकारी जिला कोरबा छ.ग.

**CHHATTISGARH HOUSING AND INFRASTRUCTURE DEVELOPMENT BOARD**
**Paryawas Bhavan, Sector-19, North Block, Nava Raipur Atal Nagar - 492002**

**NOTICE INVITING TENDER**

Dated:

For sustainable growth of the urban areas, Government of Chhattisgarh has approved various Redevelopment Projects in the prime locations of the cities/ towns via Public Private Partnership mode. On behalf of GoCG, CGHIDB invites proposal for Selection of Developer for Redevelopment of land parcels at five (5) different locations on license basis.

**Details of the Project:**

| Sr. No. | NIT No. | Name of the Projects & Land Area | Offset Price (in Cr.) | EMD (in Lakhs) | Cost of RFP Document (in Lakhs |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | AHC (R) NIT No. 16 Dt.16.06.26 | Redevelopment of land parcel(s) of total area 1.81 acres Opposite to BTI Ground, Raipur | 56.30 | 28.15 | 1.18 (with GST) |
| 2 | AHC (NR) NIT No. 25 Dt.16.06.26 | Redevelopment of land parcel(s) of total area 5.19 acres at Clubpara, Mahasamund | 40.31 | 20.15 | 1.18 (with GST) |
| 3 | AHC (Durg) NIT No. 08 Dt.16.06.26 | Redevelopment of land parcel(s) of total area 5.0 acres at Kailash Nagar, Rajnandgaon | 115.01 | 57.50 | 1.18 (with GST) |
| 4 | AHC (JDP) NIT No. 07 Dt. 16.06.26 | Redevelopment of land parcel(s) of total area 0.65 acres at Chandani Chowk (Phase II), Jagdalpur | 15.95 | 8.00 | 1.18 (with GST) |
| 5 | AHC (BSP) NIT No. 114 Dt. 16.06.26 | Redevelopment of land parcel(s) of total area 6.49 acres at Katghora, Korba | 22.74 | 11.40 | 1.18 (with GST) |

- Bid start date: From 10:30 AM on 22/06/2026
- Pre-bid meeting schedule- 12:00 Noon, 2nd July-26 at Sector-19, Paryawas Bhawan, CGHIDB (HO), Nava Raipur Atal Nagar.
- Due date for online submission of Bids (Both Technical and Financial): up to 5:30 PM on Date: 22/07/2026
- Due date for hardcopy submission: up to 5:30 PM on Date: 24/07/2026
- Bid Opening Date: 27/07/2026, 11:00 AM onwards
- For more information bidders may contact to Dy. Housing Commissioner, Head Office CGHIDB (94242-09032); EE Div-2 Raipur (94242-09041); EE Div. Mahasamund (76971-92220); EE Div. Rajnandgaon (98271-75003); EE Div. Jagdalpur (99932-33629); EE Div. Korba (99072-85405).
- Bidder may download the RFP documents and other terms and conditions from website **https://cghb.gov.in & http://eproc.cgstate.gov.in.** Any amendment/corrigendum in the tender documents, will only be uploaded on the e-Procurement website and shall not be published in any newspaper.

S.- 48196 **DHC (HO), CGHIDB, Nava Raipur Atal Nagar**

रजिस्ट्री सं. डी.एल.-33004/99 Regd. No. D.L.-33004/99

सत्यमेव जयते

# भारत का राजपत्र
# The Gazette of India

सी.जी.–सी.जी.–अ.–10062026–273275
CG-CG-E-10062026-273275

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग II – खण्ड – 3 – उप–खण्ड (ii)
Part II-Section 3-Sub-section (ii)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 2741] नई दिल्ली, बुधवार, जून 3, 2026/ज्येष्ठ 13, 1948
No.2741] NEW DELHI, WEDNESDAY, JUNE 3, 2026/JYAISHTHA 13, 1948

## रेल मंत्रालय
### (दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे)
## अधिसूचना

बिलासपुर, 29 मई, 2026

**रेल अधिनियम, 1989 की धारा 20क के अंतर्गत अधिसूचना**

**का.आ. 2835 (अ).** – रेल अधिनियम, 1989 की धारा 20क की उपधारा (1) जिसे इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है, द्वारा प्रदत शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार सार्वजनिक उद्देश्य के लिऐ संतुष्ट होने के बाद ऐसी भूमि का जिसका संक्षिप्त वर्णन संलग्न अनुसूची में दिया गया है, जो कि विशेष रेल परियोजना ''खरसिया – नया रायपुर – परमालकसा 5वीं एवं 6वीं लाइन (278 कि. मी.)'' दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के निष्पदान के लिए छत्तीसगढ़ राज्य के जिला जांजगीर चाम्पा में आवश्यक है, एतद् द्वारा अधिग्रहण करने के अपने आशय की घोषणा करती है।

उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से तीस दिन के भीतर उक्त, अधिनियम की धारा 20घ की उपधारा (1) के अधीन, पूर्वोक्त प्रयोजन के लिये ऐसी भूमि के अर्जन एवं उपयोग के संबंध पर आक्षेप कर सकेगा।

ऐसा प्रत्येक आक्षेप, सक्षम प्राधिकारी, अर्थात **अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) पामगढ़, जिला–जांजगीर चाम्पा, छत्तीसगढ़,** को लिखित में किया जायेगा और उसके आधार उपवर्णित किये जायेंगे तथा सक्षम प्राधिकारी आक्षेपकर्ता को व्यक्तिगत रूप से विधि व्यवसायी के माध्यम से सुनवाई का अवसर प्रदान करेगा और ऐसे सभी आक्षेपों की सुनवाई करने तथा ऐसी अतिरिक्त जांच, यदि कोई हो, तो करने के पश्चात्, जो सक्षम प्राधिकारी आवश्यक समझें, आदेश द्वारा, आक्षेपों को या तो अनुज्ञात या अनअनुज्ञात कर सकेगा।

उक्त अधिनियम की धारा 20घ की उपधारा (2) के अधीन सक्षम प्राधिकारी द्वारा किया गया कोई भी आदेश अंतिम होगा, इस अधिसूचना के अधीन आने वाली भूमि या रेखांकन एवं अन्य ब्यौरे उपलब्ध है और हितबद्ध व्यक्ति द्वारा उनका निरीक्षण सक्षम प्राधिकारी के उपरोक्त कार्यालय में किया जा सकता है।

### अनुसूची

**''खरसिया – नया रायपुर – परमालकसा 5वीं एवं 6वीं लाइन (278 कि. मी.)'' परियोजना के निर्माण के लिए, जांजगीर चाम्पा जिले के अंतर्गत, अधिग्रहण किये जाने के लिए संरचना सहित या उनके रहित भूमि का संक्षिप्त विवरण–**

| क्रमांक | तहसील | गाँव का नाम | खसरा/प्लॉट संख्या | क्षेत्रफल (हेक्टेयर में) |
|---|---|---|---|---|
| 1 | पामगढ़ | तिवारीपारा | 789/3 | 0.344 |
| 2 | | | 789/1 | 0.177 |
| 3 | | | 789/2 | 0.125 |
| 4 | | | 774 | 0.044 |
| 5 | | | 788/2 | 0.073 |
| 6 | | | 788/4 | 0.168 |
| 7 | | | 775/2 | 0.049 |
| 8 | | | 775/3 | 0.125 |
| 9 | | | 775/1 | 0.081 |
| 10 | | | 776/13 | 0.166 |
| 11 | | | 776/12 | 0.129 |
| 12 | | | 776/2 | 0.359 |
| 13 | | | 776/6 | 0.091 |
| 14 | | | 777/3 | 0.162 |
| 15 | | | 786/1 | 0.156 |
| 16 | | | 786/2 | 0.004 |
| 17 | | | 777/1 | 0.326 |
| 18 | | | 776/4 | 0.256 |
| 19 | | | 776/5 | |
| 20 | | | 776 | 0.004 |
| 21 | | | 771 | 0.002 |
| 22 | | | 769/6 | 0.390 |
| 23 | | | 785/1 | 0.109 |
| 24 | | | 778/6 | 0.182 |
| 25 | | | 781/2 | 0.034 |
| 26 | | | 778/7 | 0.182 |
| 27 | | | 778/8 | 0.258 |
| 28 | | | 781/1 | 0.056 |
| 29 | | | 776/7 | 0.462 |
| 30 | | | 776/8 | |
| 31 | | | 777/2 | 0.053 |
| 32 | | | 778/4 | 0.243 |
| 33 | | | 769/3 | 0.182 |
| 34 | | | 778/2 | 0.275 |
| 35 | | | 778/5 | 0.275 |
| 36 | | | 769/2 | 0.152 |
| 37 | | | 769/4 | 0.073 |
| 38 | | | 779/3 | 0.173 |
| 39 | | | 780/3 | 0.511 |
| 40 | | | 779/1 | 0.043 |
| 41 | | | 780/1 | 0.127 |
| 42 | | | 779/2 | 0.043 |
| 43 | | | 780/2 | 0.127 |
| 44 | | | 768/2 | 0.202 |
| 45 | | | 768/1 | 0.048 |
| 46 | | | 768/3 | 0.202 |
| 47 | | | 768/4 | 0.145 |
| 48 | | | 768/5 | 0.174 |
| 49 | | | 783/6 | 0.071 |
| 50 | | | 783/3 | 0.045 |
| 51 | | | 754/3 | 0.313 |
| 52 | | | 754/4 | 0.186 |
| 53 | | | 754/1 | 0.014 |
| 54 | | | 767/3 | 0.316 |
| 55 | | | 769/1 | 0.258 |
| 56 | | | 767/1 | 0.222 |
| 57 | | | 766/2 | 0.125 |
| 58 | | | 766/1 | 0.231 |
| 59 | | | 767/2 | 0.364 |
| 60 | | | 758/1 | 0.255 |
| 61 | | | 758/5 | 0.251 |
| 62 | | | 758/2 | 0.122 |
| 63 | | | 755/1 | 0.292 |
| 64 | | | 755/2 | 0.291 |
| 65 | | | 756 | 0.115 |
| 66 | | | 760/20 | 0.681 |
| 67 | | | 759 | 1.184 |
| 68 | | | 758/4 | 0.002 |
| 69 | | | 758/6 | 0.125 |
| 70 | | | 760/23 | 0.012 |
| 71 | | | 760/12 | 0.162 |
| 72 | | | 760/24 | 0.178 |
| 73 | | | 760/21 | 0.036 |
| 74 | | | 760/18 | 0.071 |
| 75 | | | 760/11 | 0.399 |
| 76 | | | 760/15 | 0.141 |
| 77 | | | 760/8 | 0.445 |
| 78 | पामगढ़ | तिवारीपारा | 760/9 | 0.247 |
| 79 | | | 763/3 | 0.028 |
| 80 | | | 763/8 | 0.285 |
| 81 | | | 763/10 | 0.147 |
| 82 | | | 761 | 0.284 |
| 83 | | | 763/1 | 0.248 |
| 84 | | | 763/7 | 0.214 |
| 85 | | | 763/9 | 0.421 |
| 86 | | | 763/11 | 0.352 |
| 87 | | | 760/7 | 0.203 |
| 88 | | | 760/14 | 0.198 |
| 89 | | | 762 | 0.486 |
| 90 | | | 763/2 | 0.138 |
| 91 | | | 356/8 | 0.296 |
| 92 | | | 356/33 | 0.356 |
| 93 | | | 356/34 | 0.113 |
| 94 | | | 356/25 | 0.396 |
| 95 | | | 361/1 | 0.255 |
| 96 | | | 361/2 | 0.256 |
| 97 | | | 361/3 | 0.256 |
| 98 | | | 361/4 | 0.256 |
| 99 | | | 356/21 | 0.284 |
| 100 | | | 362/1 | 0.202 |
| 101 | | | 362/5 | 0.069 |
| 102 | | | 362/6 | 0.156 |
| 103 | | | 362/3 | 0.041 |
| 104 | | | 356/30 | 0.381 |
| 105 | | | 360/1 | 0.405 |
| 106 | | | 359/2 | 0.024 |
| 107 | | | 356/27 | 0.130 |
| 108 | | | 356/32 | 0.020 |
| 109 | | | 360/2 | 0.202 |
| 110 | | | 360/3 | 0.202 |
| 111 | | | 356/5 | 0.170 |
| 112 | | | 362/2 | 0.370 |
| 113 | | | 365 | 0.902 |
| 114 | | | 356/38 | 0.341 |
| 115 | | | 362/2 | 0.132 |
| 116 | | | 364/2 | 0.248 |
| 117 | | | 364/10 | 0.154 |
| 118 | | | 364/9 | 0.154 |
| 119 | | | 364/8 | 0.109 |
| 120 | | | 364/3 | 0.010 |
| 121 | | | 364/1 | 0.132 |
| 122 | | | 364/6 | 0.081 |
| 123 | | | 364/7 | 0.004 |
| 124 | | | 364/5 | 0.122 |
| 125 | | | 367/10 | 0.057 |
| 126 | | | 367/5 | 0.012 |
| 127 | | | 327/3 | 0.355 |
| 128 | | | 92/4 | 0.275 |
| 129 | | | 92/6 | 0.053 |
| 130 | | | 92/5 | 0.168 |
| 131 | | | 93/2 | 0.046 |
| 132 | | | 93/3 | 0.286 |
| 133 | | | 97/1 | 0.057 |
| 134 | | | 89/8 | 0.040 |
| 135 | | | 98/1 | 0.270 |
| 136 | | | 98/2 | 0.011 |
| 137 | | | 115/2 | 0.274 |
| 138 | | | 116/2 | 0.265 |
| 139 | | | 121/3 | 0.223 |
| 140 | | | 121/4 | 0.020 |
| 141 | | | 116/1 | 0.019 |
| 142 | | | 121/1 | 0.106 |
| 143 | | | 121/5 | 0.024 |
| 144 | | | 121/7 | 0.112 |
| 145 | | | 121/2 | 0.049 |
| 146 | | | 121/8 | 0.156 |
| 147 | | | 121/10 | |
| 148 | | | 71/3 | 0.129 |
| 149 | | | 122/1 | 0.245 |
| 150 | | | 122/8 | 0.021 |
| 151 | | | 122/2 | 0.057 |
| 152 | | | 71/1 | 0.005 |
| 153 | | | 67/1 | 0.701 |
| 154 | | | 69/2 | 0.042 |
| 155 | | | 69/1 | 0.066 |
| 156 | | | 69/6 | 0.016 |
| 157 | | | 69/5 | 0.012 |
| 158 | | | 68/1 | 0.117 |
| 159 | | | 67/2 | 0.355 |
| 160 | | | 62/28 | 0.117 |
| 161 | | | 67/4 | 0.057 |
| 162 | | | 62/4, 67/3 | 0.028 |
| 163 | | | 61/1 | 0.846 |
| 164 | | | 62/25 | 0.040 |
| 165 | | | 62/1 | 0.034 |
| 166 | | | 62/2 | 0.154 |
| 167 | | | 60/1 | 0.120 |
| 168 | | | 63/2 | 0.054 |
| 169 | | | 63/3 | 0.077 |
| **कुल क्षेत्रफल (हेक्टेयर में) =** | | | | **31.120** |
| 170 | पामगढ़ | देवरी | 59 | 0.024 |
| 171 | | | 58/3 | 0.014 |
| 172 | | | 30 | 0.120 |
| 173 | | | 31/1 | 0.001 |
| 174 | | | 28/2 | 0.097 |
| 175 | | | 29 | 0.080 |
| 176 | | | 27/1 | 0.005 |
| 177 | | | 27/2 | 0.026 |
| 178 | | | 25/1 | 0.092 |
| 179 | | | 24/1 | 0.066 |
| 180 | | | 6/2 | 0.001 |
| 181 | | | 28/1 | 0.008 |
| 182 | | | 25/2 | 0.131 |
| 183 | | | 23/2 | 0.049 |
| 184 | | | 23/1 | 0.112 |
| 185 | | | 7/1 | 0.075 |
| 186 | | | 7/2 | 0.121 |
| 187 | | | 13/5 | 0.091 |
| 188 | | | 22 | 0.001 |
| 189 | | | 8/1 | 0.047 |
| 190 | | | 8/2 | 0.203 |
| 191 | | | 9/1 | 0.147 |
| 192 | | | 9/2 | 0.050 |
| 193 | | | 3/1 | 0.191 |
| 194 | | | 3/2 | 0.120 |
| 195 | | | 10/2 | 0.0006 |
| 196 | | | 2/19 | 0.061 |
| 197 | | | 2/12 | 0.219 |
| 198 | | | 2/2 | 0.093 |
| 199 | | | 2/18 | 0.020 |
| 200 | | | 2/22 | 0.101 |
| 201 | | | 2/13 | 0.001 |
| 202 | पामगढ़ | देवरी | 492/3 | 0.121 |
| 203 | | | 492/2 | 0.017 |
| 204 | | | 492/4 | 0.045 |
| 205 | | | 492/5 | 0.020 |
| 206 | | | 494/1,496 | 0.200 |
| 207 | | | 495 | 0.047 |
| 208 | | | 491/5 | 0.011 |
| 209 | | | 491/1 | 0.068 |
| 210 | | | 491/3 | 0.006 |
| 211 | | | 498/1 | 0.005 |
| 212 | | | 499/1 | 0.036 |
| 213 | | | 498/2 | 0.054 |
| 214 | | | 498/9 | 0.038 |
| 215 | | | 499/2 | 0.055 |
| 216 | | | 501/2 | 0.042 |
| 217 | | | 500/4 | 0.297 |
| 218 | | | 500/1 | 0.010 |
| 219 | | | 515/5 | 0.093 |
| 220 | | | 515/3 | 0.121 |
| 221 | | | 516/6 | 0.075 |
| 222 | | | 516/3 | 0.102 |
| 223 | | | 514/3 | 0.110 |
| 224 | | | 517/1 | 0.153 |
| 225 | | | 518/1 | 0.183 |
| 226 | | | 520/1 | 0.075 |
| 227 | | | 520/4 | 0.101 |
| 228 | | | 522/9 | 0.160 |
| 229 | | | 522/4 | 0.019 |
| 230 | | | 562/1 | 0.125 |
| 231 | | | 561/6 | 0.137 |
| 232 | | | 561/4 | 0.073 |
| 233 | | | 561/5 | 0.066 |
| 234 | | | 565/1 | 0.303 |
| 235 | | | 566/1 | 0.012 |
| 236 | | | 567 | 0.133 |
| 237 | | | 568/1 | 0.089 |
| 238 | | | 568/2 | 0.063 |
| 239 | | | 568/4 | 0.119 |
| 240 | | | 571/2 | 0.015 |
| 241 | | | 572 | 0.006 |
| 242 | | | 568/3 | 0.011 |
| 243 | | | 577/4 | 0.059 |
| 244 | | | 578/5 | 0.032 |
| 245 | | | 580/2 | 0.084 |
| 246 | | | 579/3 | 0.049 |
| 247 | | | 581 | 0.055 |
| 248 | | | 578/1 | 0.092 |
| 249 | | | 583/5 | 0.095 |
| 250 | | | 9/2 | 0.109 |
| 251 | | | 10/2 | 0.040 |
| 252 | | | 11 | 0.001 |
| **कुल क्षेत्रफल (हेक्टेयर में) =** | | | | **6.3996** |
| 253 | पामगढ़ | लोहर्सी | 852 | 0.069 |
| 254 | | | 853/3 | 0.0524 |
| 255 | | | 854/4 | 0.21 |
| 256 | | | 854/3 | 0.128 |
| 257 | | | 854/2 | 0.064 |
| 258 | | | 854/1 | 0.072 |
| 259 | | | 853/2,855/1 | 0.17 |
| 260 | | | 855/2 | 0.247 |
| 261 | | | 857/2,859,858 | 0.119 |
| 262 | | | 860/1 | 0.004 |
| 263 | | | 849/4 | 0.23 |
| 264 | | | 849/3 | 0.198 |
| 265 | | | 848/2 | 0.025 |
| 266 | | | 849/2 | 0.0335 |
| 267 | | | 848/1 | 0.186 |
| 268 | | | 846 | 0.0182 |
| 269 | | | 830/2 | 0.007 |
| 270 | | | 830/7 | 0.185 |
| 271 | | | 831/3 | 0.015 |
| 272 | | | 837/1/ख | 0.202 |
| 273 | | | 837/1/ग | 0.06 |
| 274 | | | 837/1/घ | 0.16 |
| 275 | | | 837/1/ङ | 0.079 |
| **कुल क्षेत्रफल (हेक्टेयर में) =** | | | | **2.5341** |
| 276 | पामगढ़ | खोरसी | 746/1 | 0.177 |
| 277 | | | 746/3 | 0.167 |
| 278 | | | 746/2 | 0.110 |
| 279 | | | 747/1 | 0.032 |
| 280 | | | 743/1 | 0.087 |
| 281 | | | 741/7 | 0.035 |
| 282 | | | 741/3 | 0.109 |
| 283 | | | 743/2 | 0.036 |
| 284 | | | 742/1 | 0.046 |
| 285 | | | 741/20 | 0.069 |
| 286 | | | 741/9 | 0.176 |
| 287 | | | 741/4 | 0.076 |
| 288 | | | 741/10 | 0.057 |
| 289 | | | 741/21 | 0.008 |
| 290 | | | 722/4+675 | 0.170 |
| 291 | | | 722/5 | 0.008 |
| 292 | | | 674 | 0.440 |
| 293 | | | 675/2 | 0.085 |
| 294 | | | 683/2 | 0.382 |
| 295 | | | 683/1 | 0.385 |
| 296 | | | 588/5 | 0.002 |
| 297 | | | 568/2 | 0.147 |
| 298 | | | 680/1,681,685,690/1 | 0.351 |
| 299 | | | 570/1 | 0.032 |
| 300 | | | 555/1 | 0.058 |
| 301 | | | 552 | 0.069 |
| 302 | | | 551 | 0.050 |
| 303 | | | 544/1/ख | 0.371 |
| 304 | | | 544/1/क | 0.379 |
| 305 | | | 543/12 | 0.036 |
| 306 | | | 543/6 | 0.032 |
| 307 | | | 543/7 | 0.032 |
| 308 | | | 543/8 | 0.032 |
| 309 | | | 543/9 | 0.032 |
| 310 | | | 543/5 | 0.032 |
| 311 | | | 543/13 | 0.032 |
| 312 | | | 543/14 | 0.032 |
| 313 | | | 543/10 | 0.036 |
| 314 | | | 543/11 | 0.038 |
| 315 | | | 543/3 | 0.164 |
| 316 | | | 533/2+534/1 | 0.382 |
| 317 | | | 432/2 | 0.037 |
| 318 | | | 432/3 | 0.173 |
| 319 | | | 431/8 | 0.002 |
| 320 | | | 431/9 | 0.318 |
| 321 | पामगढ़ | खोरसी | 215/2 | 0.205 |
| 322 | | | 227/2 | 0.171 |
| 323 | | | 226/1 | 0.332 |
| 324 | | | 226/2 | 0.289 |
| 325 | | | 226/4 | 0.056 |
| 326 | | | 235/2 | 0.241 |
| 327 | | | 235/3 | 0.113 |
| 328 | | | 226/3 | 0.088 |
| 329 | | | 239/2 | 0.049 |
| 330 | | | 238/2 | 0.170 |
| 331 | | | 238/3 | 0.151 |
| 332 | | | 238/1 | 0.290 |
| 333 | | | 242/5 | 0.048 |
| 334 | | | 239/1 | 0.061 |
| **कुल क्षेत्रफल (हेक्टेयर में) =** | | | | **7.788** |
| 335 | पामगढ़ | हड़हा | 221/4 | 0.252 |
| 336 | | | 222/3 | 0.080 |
| 337 | | | 222/8 | 0.002 |
| 338 | | | 222/7 | 0.002 |
| 339 | | | 222/5 | 0.226 |
| 340 | | | 222/1 | 0.185 |
| 341 | | | 222/2, 262/1 | 0.303 |
| 342 | | | 224/2 | 0.299 |
| 343 | | | 224/1 + 517 | 0.170 |
| 344 | | | 224/1,260,261/1 | 0.169 |
| 345 | | | 258/3 ,259 | 0.161 |
| 346 | | | 276/1 | 0.017 |
| 347 | | | 277, 1+2+3 | 0.102 |
| 348 | | | 277/4 | 0.107 |
| 349 | | | 282/2 | 0.087 |
| 350 | | | 282/6 | 0.138 |
| 351 | | | 281 | 0.008 |
| 352 | | | 283/1 | 0.090 |
| 353 | | | 283/4+11+12 | 0.050 |
| 354 | | | 283/16 | 0.053 |
| 355 | | | 283/7 | 0.088 |
| 356 | | | 283/2 | 0.184 |
| 357 | | | 302/2 | 0.042 |
| 358 | | | 302/1 | 0.004 |
| 359 | | | 284/2 | 0.088 |
| 360 | | | 302/4 | 0.008 |
| 361 | | | 301 | 0.053 |
| 362 | | | 285/3 | 0.057 |
| 363 | | | 287 | 0.034 |
| 364 | | | 300/2 | 0.043 |
| 365 | | | 300/1 | 0.043 |
| 366 | | | 299 | 0.353 |
| 367 | | | 288 | 0.007 |
| 368 | | | 290/1, 291 | 0.028 |
| 369 | | | 290/2 | 0.020 |
| 370 | | | 290/3 | 0.020 |
| 371 | | | 292 | 0.020 |
| 372 | | | 289/2 | 0.032 |
| 373 | | | 289/1 | 0.020 |
| 374 | | | 293/1 | 0.032 |
| 375 | | | 293/2 | 0.036 |
| 376 | | | 293/3 | 0.036 |
| 377 | | | 293/4 | 0.037 |
| 378 | | | 293/5 | 0.037 |
| 379 | | | 295 | 0.024 |
| 380 | | | 322/11 | 0.097 |
| 381 | | | 282/1 | 0.136 |
| 382 | | | 282/4 | 0.044 |
| 383 | | | 282/8 | 0.010 |
| 384 | | | 282/5 | 0.073 |
| 385 | | | 296 | 0.250 |
| **कुल क्षेत्रफल (हेक्टेयर में) =** | | | | **4.457** |
| 386 | पामगढ़ | तनौद | 977/25 | 0.158 |
| 387 | | | 977/12 | 0.117 |
| 388 | | | 977/35 | 0.194 |
| 389 | | | 977/32 | 0.085 |
| 390 | | | 977/29 | 0.069 |
| 391 | | | 977/18 | 0.026 |
| 392 | | | 973/3 | 0.081 |
| 393 | | | 973/4 | 0.121 |
| 394 | | | 973/6 | 0.024 |
| 395 | | | 981/3 | 0.101 |
| 396 | | | 973/5 | 0.012 |
| 397 | | | 973/1 | 0.101 |
| 398 | | | 980/4 | 0.117 |
| 399 | | | 972/3 | 0.006 |
| 400 | | | 963/1 | 0.065 |
| 401 | | | 963/2 | 0.19 |
| 402 | | | 963/3 | 0.026 |
| 403 | | | 962/1 | 0.061 |
| 404 | | | 961 | 0.012 |
| 405 | | | 982 | 0.235 |
| 406 | | | 959/3 | 0.02 |
| 407 | | | 959/1 | 0.441 |
| 408 | | | 984/2 | 0.028 |
| 409 | | | 958 | 0.028 |
| 410 | | | 957/1 | 0.166 |
| 411 | | | 1012/1 | 0.032 |
| 412 | | | 957/2 | 0.287 |
| 413 | | | 943 | 0.174 |
| 414 | | | 944/1 | 0.081 |
| 415 | | | 922/1 | 0.069 |
| 416 | | | 922/3 | 0.057 |
| 417 | | | 922/4 | 0.049 |
| 418 | | | 922/5 | 0.04 |
| 419 | | | 921 | 0.093 |
| 420 | | | 923/2 | 0.061 |
| 421 | | | 924 | 0.016 |
| 422 | | | 931 | 0.097 |
| 423 | | | 845 | 0.004 |
| 424 | | | 932/7 | 0.121 |
| 425 | | | 951 | 0.016 |
| 426 | | | 849 | 0.004 |
| 427 | | | 932/27 | 0.315 |
| 428 | | | 932/15 | 0.531 |
| 429 | | | 832/4 | 0.014 |
| 430 | | | 832/1 | 0.057 |
| 431 | | | 932/2 | 0.154 |
| 432 | | | 832/2 | 0.028 |
| 433 | | | 932/16 | 0.089 |
| 434 | | | 932/8 | 0.151 |
| 435 | | | 932/26 | 0.291 |
| 436 | | | 1065/1 | 0.085 |
| 437 | | | 932/32 | 0.093 |
| 438 | | | 1096/4 | 0.312 |
| 439 | | | 1096/5 | 0.073 |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 440 | पामगढ़ | तनौद | 1096/8 | 0.02 |
| 441 | | | 1096/9 | 0.02 |
| 442 | | | 1066 | 0.032 |
| 443 | | | 1096/3 | 0.006 |
| 444 | | | 1093/5 | 0.117 |
| 445 | | | 1093/2 | 0.142 |
| 446 | | | 1093/4 | 0.162 |
| 447 | | | 1138/11 | 0.012 |
| 448 | | | 1138/10 | 0.002 |
| 449 | | | 1138/6 | 0.162 |
| 450 | | | 1137/5 | 0.146 |
| 451 | | | 1137/3 | 0.271 |
| 452 | | | 1137/6 | 0.04 |
| 453 | | | 1138/7 | 0.154 |
| 454 | | | 1138/4 | 0.012 |
| 455 | | | 402 | 0.016 |
| 456 | | | 401/2 | 0.3 |
| 457 | | | 371/2 | 0.02 |
| 458 | | | 371/1 | 0.024 |
| 459 | | | 401/3 | 0.121 |
| 460 | | | 401/1 | 0.049 |
| 461 | | | 398/13 | 0.134 |
| 462 | | | 398/1 | 0.053 |
| 463 | | | 398/11 | 0.065 |
| 464 | | | 398/9 | 0.065 |
| 465 | | | 398/2 | 0.223 |
| 466 | | | 398/5 | 0.073 |
| 467 | | | 398/6 | 0.15 |
| 468 | | | 398/4 | 0.103 |
| 469 | | | 398/3 | 0.109 |
| 470 | | | 398/7 | 0.024 |
| 471 | | | 376/3 | 0.057 |
| 472 | | | 376/4 | 0.08 |
| 473 | | | 377/1 | 0.04 |
| 474 | | | 377/2 | 0.08 |
| 475 | | | 381/2 | 0.04 |
| 476 | | | 381/3 | 0.162 |
| 477 | | | 379 | 0.081 |
| 478 | | | 380/2 | 0.077 |
| 479 | | | 322/4 | 0.174 |
| 480 | | | 380/1 | 0.085 |
| 481 | | | 321 | 0.089 |
| 482 | | | 320/1 | 0.073 |
| 483 | | | 320/3 | 0.107 |
| 484 | | | 320/4 | 0.107 |
| 485 | | | 322/2 | 0.008 |
| 486 | | | 320/2 | 0.308 |
| 487 | | | 324 | 0.154 |
| 488 | | | 325/1 | 0.061 |
| 489 | | | 325/2 | 0.142 |
| 490 | | | 315/5 | 0.006 |
| 491 | | | 313/5 | 0.024 |
| 492 | | | 313/4 | 0.304 |
| 493 | | | 313/10 | 0.024 |
| 494 | | | 310/2 | 0.235 |
| 495 | | | 310/9 | 0.045 |
| 496 | | | 310/13 | 0.182 |
| 497 | | | 310/12 | 0.178 |
| 498 | | | 1584/1 | 0.014 |
| 499 | | | 1585/1 | 0.202 |
| 500 | | | 1585/3 | 0.4 |
| 501 | | | 1584/2 | 0.158 |
| 502 | | | 1587/1 | 0.032 |
| 503 | | | 1586 | 0.162 |
| 504 | | | 1579/5 | 0.202 |
| 505 | | | 1585/2 | 0.129 |
| 506 | | | 310/14 | 0.02 |
| 507 | | | 310/18 | 0.044 |
| 508 | | | 310/19 | 0.032 |
| 509 | | | 1579/4 | 0.01 |
| 510 | | | 1579/7 | 0.069 |
| 511 | | | 310/20 | 0.002 |
| 512 | | | 928/6 | 0.012 |
| 513 | | | 928/7 | 0.012 |
| 514 | | | 928/8 | 0.012 |
| | कुल क्षेत्रफल (हेक्टेयर में) = | | | **13.140** |
| 515 | पामगढ़ | कमरीद | 134/1 | 0.057 |
| 516 | | | 134/2 | 0.186 |
| 517 | | | 136 | 0.231 |
| 518 | | | 139/15 | 0.202 |
| 519 | | | 139/16 | 0.162 |
| 520 | | | 139/17 | 0.55 |
| 521 | | | 58/1 | 0.02 |
| 522 | | | 58/2 | 0.162 |
| 523 | | | 58/3 | 0.008 |
| 524 | | | 58/5 | 0.004 |
| 525 | | | 61/1 | 0.004 |
| 526 | | | 61/3 | 0.02 |
| 527 | | | 61/4 | 0.044 |
| 528 | | | 59 | 0.097 |
| 529 | | | 60/1 | 0.061 |
| 530 | | | 60/2 | 0.093 |
| 531 | | | 60/3 | 0.089 |
| 532 | | | 60/4 | 0.061 |
| 533 | | | 68/1 | 0.016 |
| 534 | | | 68/2 | 0.081 |
| 535 | | | 68/3 | 0.032 |
| 536 | | | 68/4 | 0.032 |
| 537 | | | 76/1 | 0.113 |
| 538 | | | 76/2 | 0.032 |
| 539 | | | 76/3 | 0.089 |
| 540 | | | 76/5 | 0.093 |
| 541 | | | 76/6 | 0.118 |
| 542 | | | 76/7 | 0.138 |
| 543 | | | 77/1 | 0.065 |
| 544 | | | 77/4 | 0.02 |
| 545 | | | 77/6 | 0.02 |
| 546 | | | 77/8 | 0.02 |
| 547 | | | 77/10 | 0.016 |
| 548 | | | 77/12 | 0.016 |
| 549 | | | 78/4 | 0.065 |
| 550 | | | 78/5 | 0.049 |
| 551 | | | 84/1 | 0.036 |
| 552 | | | 84/2 | 0.101 |
| 553 | | | 84/3 | 0.093 |
| 554 | | | 84/4 | 0.199 |
| 555 | | | 86/2 | 0.008 |
| 556 | | | 89/2 | 0.133 |
| 557 | | | 180/1 | 0.012 |
| 558 | | | 180/2 | 0.19 |
| 559 | | | 180/3 | 0.061 |
| 560 | पामगढ़ | कमरीद | 181/1 | 0.057 |
| 561 | | | 181/3 | 0.17 |
| 562 | | | 181/5 | 0.081 |
| 563 | | | 181/7 | 0.085 |
| 564 | | | 181/8 | 0.036 |
| 565 | | | 181/9 | 0.057 |
| 566 | | | 182/2 | 0.085 |
| 567 | | | 182/4 | 0.02 |
| 568 | | | 182/5 | 0.255 |
| 569 | | | 182/6 | 0.113 |
| 570 | | | 190/2 | 0.142 |
| 571 | | | 191/3 | 0.024 |
| 572 | | | 192/1 | 0.028 |
| 573 | | | 192/3 | 0.057 |
| 574 | | | 193/2 | 0.004 |
| 575 | | | 193/19 | 0.016 |
| 576 | | | 193/29 | 0.437 |
| 577 | | | 193/34 | 0.004 |
| 578 | | | 193/33 | 0.016 |
| 579 | | | 193/54 | 0.02 |
| 580 | | | 193/72 | 0.024 |
| 581 | | | 193/92 | 0.016 |
| 582 | | | 193/101 | 0.016 |
| 583 | | | 193/115 | 0.016 |
| 584 | | | 193/94 | 0.017 |
| 585 | | | 193/95 | 0.008 |
| 586 | | | 193/110 | 0.235 |
| 587 | | | 193/30 | 0.36 |
| 588 | | | 193/85 | 0.36 |
| 589 | | | 193/86 | 0.36 |
| 590 | | | 193/87 | 0.36 |
| 591 | | | 193/35 | 0.008 |
| | कुल क्षेत्रफल (हेक्टेयर में) = | | | **7.386** |
| 592 | पामगढ़ | कोड़ाभाट | 184/25 | 0.028 |
| 593 | | | 184/17 | 0.101 |
| 594 | | | 184/19 | 0.109 |
| 595 | | | 185/3 | 0.101 |
| 596 | | | 185/2 | 0.210 |
| 597 | | | 185/1 | 0.081 |
| 598 | | | 186/39 | 0.202 |
| 599 | | | 186/2 | 0.073 |
| 600 | | | 186/40 | 0.145 |
| 601 | | | 184/1 | 0.028 |
| 602 | | | 186/24 | 0.202 |
| 603 | | | 186/17 | 0.121 |
| 604 | | | 186/37 | 0.040 |
| 605 | | | 186/1 | 0.069 |
| 606 | | | 186/33 | 0.121 |
| 607 | | | 186/34 | 0.004 |
| 608 | | | 186/35 | 0.121 |
| 609 | | | 451/3 | 0.069 |
| 610 | | | 451/6 | 0.365 |
| 611 | | | 444/1 | 0.186 |
| 612 | | | 444/4 | 0.093 |
| 613 | | | 444/2 | 0.097 |
| 614 | | | 443/1 | 0.441 |
| 615 | | | 507/3 | 0.061 |
| 616 | | | 507/1 | 0.332 |
| 617 | | | 507/4 | 0.121 |
| 618 | | | 507/5 | 0.063 |
| 619 | | | 507/7 | 0.063 |
| 620 | | | 507/6 | 0.121 |
| 621 | | | 509/2 | 0.251 |
| 622 | | | 510/1 | 0.049 |
| 623 | | | 512/3 | 0.081 |
| 624 | | | 512/4 | 0.356 |
| 625 | | | 528/9 | 0.190 |
| 626 | | | 528/3 | 0.413 |
| 627 | | | 506/22 | 0.002 |
| 628 | | | 506/3 | 0.097 |
| 629 | | | 506/14 | 0.145 |
| 630 | | | 506/21 | 0.045 |
| 631 | | | 506/26 | 0.065 |
| 632 | | | 506/2 | 0.145 |
| 633 | | | 506/13 | 0.166 |
| 634 | | | 511/1 | 0.006 |
| | कुल क्षेत्रफल (हेक्टेयर में) = | | | **5.779** |
| 635 | पामगढ़ | भुईगांव | 55/1 | 0.012 |
| 636 | | | 60/2 | 0.166 |
| 637 | | | 60/5 | 0.045 |
| 638 | | | 71/1/ग | 0.121 |
| 639 | | | 71/3 | 0.081 |
| 640 | | | 71/1/ख | 0.089 |
| 641 | | | 71/2 में शामिल 80/3 | 0.012 |
| 642 | | | 60/1में शामिल 71/1क | 0.125 |
| 643 | | | 79/2 | 0.004 |
| 644 | | | 79/5 | 0.024 |
| 645 | | | 80/2 | 0.142 |
| 646 | | | 80/1 | 0.093 |
| 647 | | | 81/1 | 0.299 |
| 648 | | | 80/4 | 0.045 |
| 649 | | | 101 | 0.020 |
| 650 | | | 102/1 | 0.053 |
| 651 | | | 80/7 | 0.073 |
| 652 | | | 81/2 | 0.001 |
| 653 | | | 87/1 | 0.040 |
| 654 | | | 88/2 | 0.002 |
| 655 | | | 85 | 0.073 |
| 656 | | | 86/3 | 0.146 |
| 657 | | | 86/1 | 0.053 |
| 658 | | | 86/2 | 0.032 |
| 659 | | | 104 | 0.145 |
| 660 | | | 82 | 0.065 |
| 661 | | | 83 | 0.053 |
| 662 | | | 84 | 0.065 |
| 663 | | | 106/2 | 0.093 |
| 664 | | | 107/1 | 0.085 |
| 665 | | | 106/3 | 0.057 |
| 666 | | | 107/2 | 0.073 |
| 667 | | | 102/2 | 0.007 |
| 668 | | | 98/2 | 0.097 |
| 669 | | | 106/4 | 0.036 |
| 670 | | | 108/1 | 0.049 |
| 671 | | | 108/2 | 0.005 |
| 672 | | | 111/2 | 0.065 |
| 673 | | | 121/1 | 0.073 |
| 674 | | | 120/4 | 0.089 |
| 675 | | | 123/1 | 0.069 |
| 676 | | | 122 | 0.077 |
| 677 | | | 112/2 | 0.012 |
| 678 | | | 120/1 | 0.012 |
| 679 | पामगढ़ | भुईगांव | 120/2 | 0.149 |
| 680 | | | 121/2 | 0.015 |
| 681 | | | 119/1 | 0.331 |
| 682 | | | 119/2 | 0.113 |
| 683 | | | 127 | 0.146 |
| 684 | | | 128 | 0.008 |
| 685 | | | 118 | 0.137 |
| 686 | | | 130 | 0.061 |
| 687 | | | 126 | 0.003 |
| 688 | | | 133/में शामिल 134 | 0.206 |
| 689 | | | 131 | 0.036 |
| 690 | | | 132 | 0.053 |
| 691 | | | 154 | 0.036 |
| 692 | | | 153/1 | 0.133 |
| 693 | | | 153/2 | 0.004 |
| 694 | | | 168 | 0.081 |
| 695 | | | 162 | 0.069 |
| 696 | | | 167 | 0.162 |
| 697 | | | 173/2 | 0.117 |
| 698 | | | 173/1 | 0.028 |
| 699 | | | 176 | 0.032 |
| 700 | | | 175/2 | 0.036 |
| 701 | | | 178/2 | 0.036 |
| 702 | | | 175/1 | 0.040 |
| 703 | | | 178/1 | 0.032 |
| 704 | | | 174/1 | 0.002 |
| 705 | | | 174/2 | 0.002 |
| 706 | | | 177 | 0.085 |
| 707 | | | 181 | 0.153 |
| | कुल क्षेत्रफल (हेक्टेयर में) = | | | **5.284** |
| 708 | पामगढ़ | चुरतेला | 224/116 | 0.0300 |
| 709 | | | 224/114 | 0.1210 |
| 710 | | | 224/2 | 0.2020 |
| 711 | | | 224/3 | 0.1340 |
| 712 | | | 224/1 | 0.0470 |
| 713 | | | 224/131 | 0.0450 |
| 714 | | | 224/40 | 0.0320 |
| 715 | | | 224/55 | 0.3640 |
| 716 | | | 224/41 | 0.0400 |
| 717 | | | 224/58 | 0.0890 |
| 718 | | | 224/90 | 0.0610 |
| 719 | | | 224/74 | 0.0030 |
| 720 | | | 224/57 | 0.0970 |
| 721 | | | 224/97 | 0.0360 |
| 722 | | | 224/21 | 0.1410 |
| 723 | | | 224/35 | 0.0080 |
| 724 | | | 224/86 | 0.1460 |
| 725 | | | 224/24 | 0.1170 |
| 726 | | | 224/50 | 0.2710 |
| 727 | | | 211/2 | 0.0200 |
| 728 | | | 224/65 | 0.1010 |
| 729 | | | 224/103 | 0.0730 |
| 730 | | | 224/134 | 0.0530 |
| 731 | | | 210/2 | 0.0380 |
| 732 | | | 224/35 | 0.2470 |
| 733 | | | 224/119 | 0.0530 |
| 734 | | | 224/91 | 0.0490 |
| 735 | | | 224/106 | 0.1210 |
| 736 | | | 209/3 | 0.0040 |
| 737 | | | 209/2 | 0.1880 |
| 738 | | | 209/4 | 0.0320 |
| 739 | | | 199/4 | 0.1740 |
| 740 | | | 199/5 | 0.1010 |
| 741 | | | 199/1 | 0.0120 |
| 742 | | | 199/6 | 0.0770 |
| 743 | | | 198/7 | 0.0160 |
| 744 | | | 198/17 | 0.0650 |
| 745 | | | 199/2 | 0.0380 |
| 746 | | | 198/11 | 0.2100 |
| 747 | | | 198/5 | 0.0650 |
| 748 | | | 198/18 | 0.1280 |
| 749 | | | 198/24 | 0.3120 |
| 750 | | | 198/20 | 0.0650 |
| 751 | | | 198/12 | 0.3360 |
| 752 | | | 198/22 | 0.0770 |
| 753 | | | 194/7 | 0.0020 |
| 754 | | | 194/27 | 0.0360 |
| 755 | | | 194/29 | 0.0140 |
| 756 | | | 198/2 | 0.2430 |
| 757 | | | 198/21 | 0.0890 |
| 758 | | | 198/23 | 0.3850 |
| 759 | | | 198/8 | 0.0490 |
| 760 | | | 198/27 | 0.0570 |
| 761 | | | 198/14 | 0.0890 |
| 762 | | | 198/30 | 0.1060 |
| 763 | | | 198/6 | 0.0100 |
| 764 | | | 198/9 | 0.1940 |
| 765 | | | 198/28 | 0.1940 |
| 766 | | | 197 | 0.1700 |
| 767 | | | 198/25 | 0.0610 |
| 768 | | | 198/19 | 0.145 |
| 769 | | | 198/29 | 0.1940 |
| 770 | | | 196 | 0.0100 |
| 771 | | | 195/17 | 0.2390 |
| 772 | | | 195/16 | 0.0040 |
| 773 | | | 195/9 | 0.0280 |
| | कुल क्षेत्रफल (हेक्टेयर में) = | | | **6.958** |
| 774 | पामगढ़ | खरखोद | 725/2 | 0.0012 |
| 775 | | | 520/2 | 0.0130 |
| 776 | | | 519 | 0.0320 |
| 777 | | | 518/1 | 0.3240 |
| 778 | | | 518/2 | 0.0011 |
| 779 | | | 517/3 | 0.0280 |
| 780 | | | 517/2 | 0.1140 |
| 781 | | | 518/4 | 0.0240 |
| 782 | | | 517/1 | 0.0690 |
| 783 | | | 524 | 0.0730 |
| 784 | | | 517/5 | 0.0560 |
| 785 | | | 517/4 | 0.0240 |
| 786 | | | 514/12 | 0.1090 |
| 787 | | | 514/6 | 0.0490 |
| 788 | | | 514/10 | 0.0530 |
| 789 | | | 514/14 | 0.0300 |
| 790 | | | 514/3 | 0.0410 |
| 791 | | | 513/2 | 0.0690 |
| 792 | | | 513/3 | 0.0570 |
| 793 | | | 513/7 | 0.0013 |
| 794 | | | 71/1 | 0.1830 |
| 795 | | | 71/3 | 0.0200 |
| 796 | | | 72/1 | 0.1050 |
| 797 | | | 74/2 | 0.0050 |
| 798 | पामगढ़ | खरखोद | 77/2 | 0.0970 |
| 799 | | | 77/1 | 0.1290 |
| 800 | | | 77/3 | 0.0180 |
| 801 | | | 76/1 | 0.1740 |
| 802 | | | 76/2 | 0.0200 |
| 803 | | | 83 | 0.1340 |
| 804 | | | 82/3 | 0.0200 |
| 805 | | | 84/6 | 0.1620 |
| 806 | | | 84/4 | 0.0200 |
| 807 | | | 84/1 | 0.0050 |
| 808 | | | 85/1 | 0.1760 |
| 809 | | | 84/7 | 0.0100 |
| 810 | | | 87/2 | 0.0220 |
| 811 | | | 87/1 | 0.2220 |
| 812 | | | 87/3 | 0.1700 |
| 813 | | | 45/3 | 0.0320 |
| 814 | | | 88/1 | 0.0490 |
| 815 | | | 88/3 | 0.0610 |
| 816 | | | 88/2 | 0.0030 |
| 817 | | | 44/1 | 0.3770 |
| 818 | | | 43/3 | 0.0730 |
| 819 | | | 43/4 | 0.0010 |
| 820 | | | 108/2 | 0.0200 |
| 821 | | | 109/7 | 0.0730 |
| 822 | | | 109/12 | 0.0770 |
| 823 | | | 109/11 | 0.1320 |
| 824 | | | 109/2 | 0.0020 |
| 825 | | | 109/1 | 0.0950 |
| 826 | | | 109/8 | 0.0400 |
| 827 | | | 109/5 | 0.1500 |
| 828 | | | 109/10 | 0.0013 |
| 829 | | | 110/1 | 0.1500 |
| 830 | | | 110/2 | 0.1500 |
| 831 | | | 113/3 | 0.0730 |
| 832 | | | 116/1 | 0.2260 |
| 833 | | | 116/2 | 0.1090 |
| 834 | | | 128/2 | 0.2390 |
| 835 | | | 116/3 | 0.0013 |
| 836 | | | 128/4 | 0.0120 |
| 837 | | | 128/3 | 0.0037 |
| 838 | | | 128/1 | 0.1540 |
| 839 | | | 115/4 | 0.0240 |
| 840 | | | 129/3 | 0.0890 |
| 841 | | | 129/2 | 0.0850 |
| 842 | | | 129/4 | 0.0004 |
| 843 | | | 129/1 | 0.0360 |
| 844 | | | 131/2 | 0.0280 |
| 845 | | | 130 | 0.1050 |
| 846 | | | 131/6 | 0.0007 |
| 847 | | | 132/9 | 0.1250 |
| 848 | | | 132/7 | 0.0050 |
| 849 | | | 131/5 | 0.1090 |
| 850 | | | 133/1 | 0.1010 |
| 851 | | | 133/3 | 0.0250 |
| 852 | | | 162/4 | 0.1050 |
| 853 | | | 162/5 | 0.0320 |
| 854 | | | 162/7 | 0.0400 |
| 855 | | | 162/2 | 0.1210 |
| 856 | | | 162/6 | 0.1250 |
| 857 | | | 162/1 | 0.1090 |
| 858 | | | 161/3 | 0.0330 |
| 859 | | | 195/2 | 0.0850 |
| 860 | | | 195/1 | 0.0260 |
| 861 | | | 161/4 | 0.0060 |
| 862 | | | 195/5 | 0.1210 |
| 863 | | | 194 | 0.1700 |
| 864 | | | 194/4 | 0.0490 |
| 865 | | | 196/1 | 0.1050 |
| 866 | | | 195/4 | 0.0050 |
| 867 | | | 196/2 | 0.1980 |
| 868 | | | 155/1 | 0.0200 |
| 869 | | | 197/2 | 0.0530 |
| 870 | | | 197/1 | 0.1170 |
| 871 | | | 208/2 | 0.1090 |
| 872 | | | 208/1 | 0.2180 |
| 873 | | | 207/6 | 0.0011 |
| 874 | | | 204/5 | 0.2190 |
| 875 | | | 204/8 | 0.0120 |
| 876 | | | 204/4 | 0.3280 |
| 877 | | | 204/6 | 0.0011 |
| 878 | | | 211/4 | 0.0690 |
| 879 | | | 211/6 | 0.0810 |
| 880 | | | 213/3 | 0.0400 |
| 881 | | | 213/4 | 0.0530 |
| 882 | | | 213/1 | 0.0850 |
| 883 | | | 214/1 | 0.0810 |
| 884 | | | 232/1 | 0.0490 |
| 885 | | | 232/6 | 0.0570 |
| 886 | | | 231/1 | 0.0650 |
| 887 | | | 232/2 | 0.1340 |
| 888 | | | 229/2 | 0.0050 |
| 889 | | | 234/3 | 0.0850 |
| 890 | | | 234/1 | 0.1210 |
| 891 | | | 235/2 | 0.1540 |
| 892 | | | 236/2 | 0.0480 |
| 893 | | | 237/6 | 0.0450 |
| 894 | | | 237/1 | 0.2020 |
| 895 | | | 250/6 | 0.0200 |
| 896 | | | 250/5 | 0.0770 |
| 897 | | | 250/1 | 0.0770 |
| 898 | | | 250/4 | 0.1450 |
| 899 | | | 250/3 | 0.0510 |
| 900 | | | 250/2 | 0.0014 |
| 901 | | | 252/3 | 0.1540 |
| 902 | | | 252/5 | 0.0120 |
| 903 | | | 252/6 | 0.0450 |
| 904 | | | 252/4 | 0.0530 |
| 905 | | | 251/4 | 0.2020 |
| 906 | | | 252/1 | 0.0050 |
| 907 | | | 251/1 | 0.1170 |
| 908 | | | 251/2 | 0.0360 |
| | कुल क्षेत्रफल (हेक्टेयर में) = | | | **10.6756** |
| 909 | पामगढ़ | खैराडीह | 140/7 | 0.1010 |
| 910 | | | 140/4 | 0.0038 |
| 911 | | | 140/8 | 0.0130 |
| | कुल क्षेत्रफल (हेक्टेयर में) = | | | **0.1178** |
| 912 | पामगढ़ | शुक्लाभाटा | 277/1 | 0.344 |
| 913 | | | 255/2 | 0.150 |
| 914 | | | 277/2 | 0.134 |
| 915 | | | 255/3 | 0.138 |
| 916 | | | 276/6 | 0.344 |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 917 | पामगढ़ | शुक्लाभाटा | 51/6 | 0.101 |
| 918 | | | 276/7 | 0.008 |
| 919 | | | 255/1 | 0.255 |
| 920 | | | 275/1 | 0.012 |
| 921 | | | 256 | 0.016 |
| 922 | | | 257/3 | 0.081 |
| 923 | | | 257/4 | 0.222 |
| 924 | | | 257/1 | 0.008 |
| 925 | | | 257/5 | 0.081 |
| 926 | | | 257/7 | 0.081 |
| 927 | | | 257/6 | 0.146 |
| 928 | | | 258/1 | 0.730 |
| 929 | | | 258/3 | 0.020 |
| 930 | | | 51/2 | 0.008 |
| 931 | | | 259/3 | 0.069 |
| 932 | | | 263/5 | 0.186 |
| 933 | | | 259/17 | 0.002 |
| 934 | | | 259/12 | 0.002 |
| 935 | | | 259/14 | 0.004 |
| 936 | | | 68 | 0.036 |
| 937 | | | 71/2 | 0.006 |
| 938 | | | 263/4 | 0.304 |
| 939 | | | 263/2 | 0.040 |
| 940 | | | 263/1 | 0.332 |
| 941 | | | 263/3 | 0.364 |
| 942 | | | 263/7 | 0.138 |
| 943 | | | 263/6 | 0.048 |
| 944 | | | 150/5 | 0.279 |
| 945 | | | 149 | 0.053 |
| 946 | | | 150/6 | 0.219 |
| 947 | | | 150/8 | 0.008 |
| 948 | | | 65/4 | 0.016 |
| 949 | | | 150/7 | 0.081 |
| 950 | | | 51/1 | 0.085 |
| 951 | | | 52/1 | 0.142 |
| 952 | | | 52/2 | 0.002 |
| 953 | | | 53/1 | 0.044 |
| 954 | | | 53/2 | 0.016 |
| 955 | | | 52/4 | 0.105 |
| 956 | | | 52/3 | 0.267 |
| 957 | | | 55/1 | 0.388 |
| 958 | | | 105/1 | 0.008 |
| 959 | | | 104/2 | 0.012 |
| 960 | | | 104/3 | 0.008 |
| 961 | | | 104/1 | 0.012 |
| 962 | | | 104/4 | 0.008 |
| 963 | | | 102/1 | 0.008 |
| 964 | | | 102/2 | 0.008 |
| 965 | | | 102/3 | 0.008 |
| 966 | | | 69/1 | 0.008 |
| 967 | | | 56/14 | 0.129 |
| 968 | | | 56/15 | 0.032 |
| 969 | | | 67 | 0.142 |
| 970 | | | 66/3 | 0.016 |
| 971 | | | 66/5 | 0.166 |
| 972 | | | 65/1 | 0.004 |
| 973 | | | 65/2 | 0.016 |
| 974 | | | 65/3 | 0.016 |
| 975 | | | 66/4 | 0.040 |
| 976 | | | 66/1 | 0.101 |
| 977 | | | 72/2 | 0.146 |
| 978 | | | 72/3 | 0.146 |
| 979 | | | 73 | 0.020 |
| 980 | | | 66/2 | 0.053 |
| 981 | | | 74 | 0.032 |
| 982 | | | 75 | 0.002 |
| | कुल क्षेत्रफल (हेक्टेयर में) = | | | 7.256 |
| 983 | पामगढ़ | ससहा | 658 | 0.041 |
| 984 | | | 661/3 | 0.020 |
| 985 | | | 661/4 | 0.020 |
| 986 | | | 661/5 | 0.045 |
| 987 | | | 661/1 | 0.016 |
| 988 | | | 661/2 | 0.008 |
| 989 | | | 663 | 0.002 |
| 990 | | | 662 | 0.083 |
| 991 | | | 657/2 | 0.093 |
| 992 | | | 657/4 | 0.121 |
| 993 | | | 575/4 | 0.085 |
| 994 | | | 657/5 | 0.040 |
| 995 | | | 575/11 | 0.085 |
| 996 | | | 657/6 | 0.040 |
| 997 | | | 575/12 | 0.259 |
| 998 | | | 657/7 | 0.040 |
| 999 | | | 656/1 | 0.073 |
| 1000 | | | 656/2 | 0.052 |
| 1001 | | | 575/23 | 0.002 |
| 1002 | | | 575/10 | 0.170 |
| 1003 | | | 575/14 | 0.081 |
| 1004 | | | 575/9 | 0.002 |
| 1005 | | | 575/19 | 0.081 |
| 1006 | | | 575/24 | 0.036 |
| 1007 | | | 575/8 | 0.014 |
| 1008 | | | 670 | 0.182 |
| 1009 | | | 669 | 0.036 |
| 1010 | | | 575/1 | 0.089 |
| 1011 | | | 575/15 | 0.032 |
| 1012 | | | 668 | 0.028 |
| 1013 | | | 575/2/क | 0.142 |
| 1014 | | | 571/2 | 0.041 |
| 1015 | | | 571/6 | 0.040 |
| 1016 | | | 571/1 | 0.081 |
| 1017 | | | 571/3 | 0.073 |
| 1018 | | | 571/4 | 0.081 |
| 1019 | | | 571/5 | 0.012 |
| 1020 | | | 572/2 | 0.001 |
| 1021 | | | 571/7 | 0.008 |
| 1022 | | | 571/8 | 0.004 |
| 1023 | | | 569/6 | 0.077 |
| 1024 | | | 569/3 | 0.061 |
| 1025 | | | 569/2 | 0.150 |
| 1026 | | | 569/7 | 0.117 |
| 1027 | | | 714/3 | 0.400 |
| 1028 | | | 714/2 | 0.024 |
| 1029 | | | 714/1 | 0.044 |
| 1030 | | | 717/1 | 0.462 |
| 1031 | | | 718/1 | 0.170 |
| 1032 | | | 717/2 | 0.146 |
| | कुल क्षेत्रफल (हेक्टेयर में) = | | | 4.010 |
| सम्पूर्ण क्षेत्रफल (हेक्टेयर में) = 112.9051 हेक्टेयर | | | | |

[फा. सं. डीसीई/सी/बीएसपी/5वीं एवं 6वीं/केएचएस–पीएमएस/20क/4]
सीपीआर/10/210 मुदित भटनागर, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण)

# खरबपति बनने के बाद मस्क को पहला झटका, 24 घंटे में ही 53,298 करोड़ स्वाहा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

## कंपनी स्पेसएक्स के शेयरों में आईपीओ के बाद पहली बार गिरावट दर्ज

एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स के शेयरों में रिकॉर्ड आईपीओ के बाद पहली बार गिरावट दर्ज की गई। बुधवार को शेयर करीब 5 प्रतिशत टूट गए, जिससे लगातार तीन दिनों से जारी लगभग 50 प्रतिशत की तेजी पर विराम लग गया। इससे एलन मस्क को एक ही दिन में 56.4 अरब डॉलर यानी 53,298 करोड़ रुपए का झटका लगा। मस्क के नेटवर्थ में आई यह गिरावट भारत के कई अरबपतियों के जीवनभर की कमाई के बराबर है। हालांकि, एलन मस्क के पास अभी भी 1.26 खरब डॉलर की संपत्ति है। इस साल मस्क का नेटवर्थ 640 अरब डॉलर उछला है।

■ एक ही दिन में मस्क के नेटवर्थ में आई 56 .4 अरब डॉलर की गिरावट

### एसएंडपी 500 में 1.2 प्रतिशत की गिरावट

नास्डेक 100 में 1 प्रतिशत की कमजोरी के अलावा बांड यील्ड और डॉलर दोनों मजबूत हुए। इसका असर स्पेसएक्स जैसे हाई-वैल्यूएशन टेक शेयरों पर भी पड़ा। स्पेसएक्स के कुल शेयरों में से केवल करीब 4.2 प्रतिशत शेयर ही बाजार में ट्रेडिंग के लिए उपलब्ध हैं। कम फ्री-फ्लोट के कारण शेयर में तेज उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है।

### दुनिया की छठी मूल्यवान कंपनी बन गई

ब्लूमबर्ग की खबर के मुताबिक नैस्डैक पर कारोबार के दौरान स्पेसएक्स के शेयर पहले 6 प्रतिशत तक चढ़े थे, लेकिन बाद में बिकवाली हावी हो गई और स्टॉक लाल निशान में बंद हुआ। गिरावट के बावजूद स्पेसएक्स का मार्केट कैप करीब 2.5 ट्रिलियन डॉलर बना हुआ है। हालांकि कंपनी वैल्यूएशन के मामले में फिर से अमेजान से नीचे खिसक गई और दुनिया की छठी सबसे मूल्यवान कंपनी बन गई।

### आखिर क्यों आई गिरावट?

यह गिरावट मुख्य रूप से मुनाफावसूली और दबाव की वजह से आई। अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व ने ब्याज दरें तो स्थिर रखीं, लेकिन इस साल के अंत तक संभावित रेट हाइक के संकेत दिए। इसके बाद अमेरिकी शेयर बाजार में बिकवाली बढ़ गई। *आईपीओ के बाद से स्पेसएक्स अमेरिकी रिटेल निवेशकों का सबसे पसंदीदा शेयर बन गया है। डेटा के मुताबिक, आईपीओ के बाद हर दिन स्पेसएक्स में खुदरा निवेशकों की खरीदारी एनवीडिया, अल्फाबेट, अमेजान, मेटा और प्रमुख ईटीएफ फंडों की संयुक्त खरीदारी के बराबर रही।*

## स्विट्जरलैंड के केंद्रीय बैंक स्विस नेशनल बैंक ने जारी किए आंकड़े

# स्विस बैंकों में जमा भारतीय धन 2025 में आठ प्रतिशत गिरकर 36,793 करोड़

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली/ ज्यूरिख

स्विस बैंकों में जमा भारतीय धन वर्ष 2025 में आठ प्रतिशत से अधिक घटकर 3.25 अरब स्विस फ्रैंक (करीब 36,793 करोड़ रुपये) रह गया। यह गिरावट स्थानीय शाखाओं और अन्य बैंकिंग एवं वित्तीय संस्थानों के माध्यम से रखी गई राशि में कमी के कारण हुई।

स्विट्जरलैंड के केंद्रीय बैंक स्विस नेशनल बैंक (एसएनबी) की तरफ से बृहस्पतिवार को जारी वार्षिक आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। इन आंकड़ों के मुताबिक, कुल जमा राशि में गिरावट आने के बावजूद व्यक्तिगत और संस्थागत ग्राहकों के खातों में जमा धन 50 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 52.4 करोड़ स्विस फ्रैंक (करीब 6,000 करोड़ रुपये) हो गया।

### जमाओं की हिस्सेदारी सिर्फ 16 प्रतिशत रही

हालांकि, कुल राशि में इन जमाओं की हिस्सेदारी लगभग 16 प्रतिशत ही रही। कुल धनराशि का बड़ा हिस्सा 'बैंकों को देय राशि' के रूप में रहा, जो अन्य बैंकों एवं वित्तीय संस्थानों के जरिये रखी गई थी। यह राशि पिछले साल करीब 15 प्रतिशत घटकर 2.6 अरब स्विस फ्रैंक रही।

### सन 2018 से भारत के साथ सूचना का आदान-प्रदान

अंतरराष्ट्रीय निपटान बैंक (बीआईएस) के 'लोकेशनल बैंकिंग स्टैटिस्टिक्स' के मुताबिक, स्विस बैंकों में भारतीय व्यक्तियों के जमा धन में 2025 के दौरान 20 प्रतिशत बढ़कर 8.97 करोड़ अमेरिकी डॉलर (करीब 780 करोड़ रुपये) हो गया। स्विट्जरलैंड और भारत के बीच 2018 से कर मामलों में स्वतः सूचना आदान-प्रदान व्यवस्था लागू है, जिसके तहत स्विस वित्तीय संस्थानों में खाताधारकों से जुड़ी विस्तृत जानकारी हर साल भारतीय कर अधिकारियों के साथ साझा की जाती है।

### 52.4 करोड़ स्विस फ्रैंक ग्राहक जमा

एसएनबी के आंकड़ों के मुताबिक, वर्ष 2025 के अंत में मौजूद कुल 325.05 करोड़ स्विस फ्रैंक की देनदारियों में से 52.4 करोड़ स्विस फ्रैंक ग्राहक जमा, 2.6 अरब स्विस फ्रैंक अन्य बैंकों के जरिये, 1.86 करोड़ स्विस फ्रैंक विश्वस्त संस्था या ट्रस्ट के जरिये और 10.57 करोड़ स्विस फ्रैंक बॉन्ड एवं प्रतिभूतियों जैसे अन्य वित्तीय साधनों के रूप में थे।\

■ कुल जमा राशि में गिरावट के बावजूद व्यक्तिगत खातों में धन बढ़ा
■ व्यक्तिगत और संस्थागत खातों में धन 50 प्रतिशत से अधिक बढ़ा
■ कुल धनराशि का बड़ा हिस्सा 'बैंकों को देय राशि' के रूप में रहा

### तीसरे देशों के नाम पर रखे गए धन को शामिल नहीं किया जाता

*एसएनबी ने स्पष्ट किया कि ये आंकड़े बैंकों द्वारा रिपोर्ट की गई कुल देनदारियों को दर्शाते हैं और इन्हें स्विस बैंकों में कथित काले धन का प्रत्यक्ष संकेतक नहीं माना जा सकता। साथ ही, इनमें तीसरे देशों की इकाइयों के नाम पर रखे गए धन को शामिल नहीं किया जाता।*

### धन जमा के मामले में ब्रिटेन पहले स्थान पर

वैश्विक स्तर पर स्विस बैंकों में विदेशी ग्राहकों की कुल जमा राशि 2025 में करीब आठ प्रतिशत घटकर 1.05 लाख करोड़ स्विस फ्रैंक रही। देशवार आंकड़ों में स्विस बैंकों में मौजूद विदेशी ग्राहकों के धन के मामले में ब्रिटेन 192 अरब स्विस फ्रैंक के साथ शीर्ष पर रहा, जबकि अमेरिका (75 अरब स्विस फ्रैंक) और फ्रांस (63 अरब स्विस फ्रैंक) क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। हालांकि, भारत वर्ष 2024 के 48वें स्थान से सुधरकर 2025 में 46वें स्थान पर पहुंच गया।

### पाकिस्तान रैंकिंग में 108वें स्थान पर

पाकिस्तान की जमा राशि 27.2 करोड़ स्विस फ्रैंक से घटकर 25.7 करोड़ स्विस फ्रैंक रह गई, जबकि बांग्लादेश की जमा राशि 43 प्रतिशत की तेज बढ़ोतरी के साथ 84.2 करोड़ स्विस फ्रैंक पहुंच गई। रैंकिंग में बांग्लादेश 81वें स्थान पर रहा जबकि पाकिस्तान 108वें स्थान पर है।

## टाटा मोटर्स 1 जुलाई से वाणिज्यिक वाहनों की कीमत 2.5% बढ़ाएगी

**नई दिल्ली।** टाटा मोटर्स कच्चे माल की बढ़ती कीमतों और अन्य लागतों के प्रभाव को आंशिक रूप से कम करने के लिए एक जुलाई से अपने वाणिज्यिक वाहनों की कीमतों में 2.5 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी करेगी। यह मूल्य वृद्धि उसके सभी वाणिज्यिक वाहनों पर लागू होगी बढ़ोतरी की मात्रा अलग -अलग हो सकती है। बयान के अनुसार, यह कदम कच्चे माल की बढ़ती कीमतों और अन्य लागतों के प्रभाव को आंशिक रूप से संतुलित करने के लिए उठाया जा रहा है।

## वारी रिन्यूएबल ने खरीदी एपीएसपीएल में हिस्सेदारी

**नई दिल्ली।** वारी रिन्यूएबल टेक्नोलॉजीज ने एसोसिएटेड पावर स्ट्रक्चर्स प्राइवेट लिमिटेड में 55 प्रतिशत हिस्सेदारी का 1,225 करोड़ रुपये में अधिग्रहण किया है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी जानकारी में कहा कि यह अधिग्रहण प्राथमिक (प्राइमरी) और द्वितीयक (सेकेंडरी) दोनों माध्यमों से शेयरों के आवंटन एवं हस्तांतरण के जरिये किया गया है। एपीएसपीएल के 55 प्रतिशत इक्विटी शेयर हासिल किए गए हैं।

# तीन करोड़ नए राशन कार्ड जारी होने की संभावनाः केंद्र

■ पीडीएस से 2.21 करोड़ अपात्र लाभार्थी हटाए गए
■ मृत व्यक्ति, आयकरदाता, चार पहिया मालिक को अपात्र माना गया

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

केंद्रीय खाद्य मंत्री प्रल्हाद जोशी ने बृहस्पतिवार को कहा कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) से 2.21 करोड़ अपात्र लाभार्थियों को हटाए जाने के बाद अब पात्र लोगों के लिए लगभग तीन करोड़ नए राशन कार्ड जारी किए जाने की गुंजाइश है।

जोशी ने यहां स्मार्ट भंडारगृह प्रणाली के उद्घाटन अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि यह हटाने की प्रक्रिया राज्य सरकारों द्वारा उनके अपने मानदंडों के आधार पर की गई है, केंद्र सरकार ने कोई राशन कार्ड नहीं हटाया है। खाद्य मंत्रालय ने मृत व्यक्तियों, आयकरदाताओं और चार पहिया वाहन मालिकों सहित 8.51 करोड़ अपात्र लाभार्थियों की पहचान कर सूची राज्यों को कार्रवाई के लिए भेजी थी। जोशी ने कहा, /"8.51 करोड़ में से राज्यों ने 2.21 करोड़ राशन कार्ड वापस लिए हैं। हमने कोई कार्ड नहीं हटाया है।/"

### पीडीएस के डिजिटलीकरण के कारण संभव हो पाई

जोशी ने कहा कि यह पूरी प्रक्रिया पीडीएस के डिजिटलीकरण के कारण संभव हो पाई है। उन्होंने बताया कि राज्यों को पात्र लाभार्थियों को जोड़ने की अनुमति दी गई है और विभिन्न राज्य सरकारें मिलकर लगभग तीन करोड़ और राशन कार्ड जारी कर सकती हैं।

## रुपया 14 पैसे की बढ़त के साथ 94.36 प्रति डॉलर पर

**मुंबई।** रुपया बृहस्पतिवार को 14 पैसे की बढ़त के साथ 94.36 प्रति डॉलर पर रहा। अमेरिका-ईरान के बीच शांति समझौते के मद्देनजर घरेलू मुद्रा को समर्थन मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार, अमेरिका-ईरान शांति समझौते के तहत विभिन्न मुद्दों पर हस्ताक्षर किए जाने के बाद घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुख ने भी निवेशकों की धारणा को बल दिया। हालांकि, अमेरिकी फ़ेडरल रिजर्व के सख़्त रुख़ से विदेशी बाज़ार में अमेरिकी मुद्रा की मज़बूती ने डॉलर-रुपये की जोड़ी में बढ़त को सीमित कर दिया। फेडरल रिजर्व ने उम्मीद के मुताबिक ब्याज दरों को स्थिर रखा, लेकिन संकेत दिया कि इस साल के कम से कम एक बार इसमें 0.25 की बढ़ोतरी हो सकती है।

# सोना आयात शुल्क बढ़ोतरी के बाद 70% घटा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सोने पर सीमा शुल्क छह प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत किए जाने के बाद देश में सोने का आयात करीब 70 प्रतिशत घटकर 25-30 टन रह गया है। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। सरकार ने सोना और चांदी पर आयात शुल्क छह प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत कर दिया है।

यह फैसला 13 मई से प्रभावी है। अधिकारी ने कहा, '' आयात शुल्क बढ़ने के बाद एक महीने में सोने का आयात पहले के 75-100 टन से घटकर 25-30 टन रह गया है। मूल्य के लिहाज से हालांकि, मई में सोने का आयात सालाना आधार पर 34 प्रतिशत बढ़कर 3.41 अरब डॉलर हो गया, जिसका मुख्य कारण ऊंची कीमतें रहीं। अप्रैल-मई के दौरान सोने का आयात 60.14 प्रतिशत बढ़कर 9.04 अरब डॉलर हो गया।

वित्त वर्ष 2025-26 में सोने का आयात 24 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 71.98 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जबकि मात्रा के लिहाज से इसमें 4.76 प्रतिशत की गिरावट आई और यह 721.03 टन रहा। भारत, चीन के बाद दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सोना उपभोक्ता है। भारत का सोने का आयात मुख्य रूप से आभूषण उद्योग की मांग से प्रेरित रहता है। इस तरह के आयात से विदेशी मुद्रा की अधिक निकासी होती है।

■ सोने का आयात घटकर 25-30 टन रह गया
■ सीमा शुल्क छह फीसदी से बढ़ाकर 15 प्रतिशत किया गया

### भारत की आयात लागत बढ़ने की आशंका

पश्चिम एशिया में अनिश्चितताओं के कारण भारत की आयात लागत बढ़ने की आशंका है। ऐसे में सरकार चाहती है कि विदेशी मुद्रा खर्च को कच्चे तेल, उर्वरक, औद्योगिक कच्चे माल एवं पूंजीगत वस्तुओं जैसे आवश्यक आयातों पर प्राथमिकता दी जाए, जो सीधे आर्थिक गतिविधियों और खाद्य सुरक्षा को समर्थन देते हैं।

# मांग घटने से सोना 960 रुपए घटा, चांदी 6,660 रुपए टूटी

■ सोना घटकर 1.53 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम
■ चांदी टूटकर 2,48,740 रुपए प्रति किलोग्राम

**नई दिल्ली।** राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में बृहस्पतिवार को सोने की कीमतों में लगातार तीसरे दिन गिरावट आई और यह 960 रुपये टूटकर 1.53 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया। वहीं, शेयर बाजार में तेजी के बीच सुरक्षित निवेश के विकल्प के रूप में कीमती धातुओं की मांग घटने से चांदी की कीमत 6,660 रुपये लुढ़क गई। अखिल भारतीय सराफा संघ के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत बुधवार के 1,54,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के बंद स्तर से 960 रुपये टूटकर 1,53,440 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी टैक्स सहित) रह गई। चांदी में भी भारी बिकवाली का दबाव देखा गया और इसकी कीमत 6,660 रुपये लुढ़ककर 2,48,740 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी टैक्स सहित) रह गई। पिछले सत्र में यह 2,55,400 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि यह गिरावट घरेलू शेयर बाजार के मजबूत रहने और डॉलर के मुकाबले रुपये के मजबूत होने की वजह से आई।

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग
सिंचाई कालोनी, शांति नगर, रायपुर–492001
वेब साईट www.cserc.gov.in ई–मेल: cserc.sec@cg.nic.in फोन न. 0771-4073555
CSERC

वाहन चालक के पद पर सीधी भर्ती हेतु दावा आपत्ति प्राप्त करने के संबंध में

छततीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग में वाहन चालक (अनुसूचित जनजाति हेतु आरक्षित) के रिक्त 01 पद पर सीधी भर्ती हेतु विज्ञापन दिनांक 11/07/2024 को जारी किया गया था।

प्राप्त आवेदनों के परीक्षण (Scrutiny) उपरांत पाये गये पात्र एवं अपात्र उम्मीदवारों की सूची आयोग की वेबसाईट www.cserc.gov.in पर उपलब्ध है।

आयोग की वेबसाईट में दर्शित उम्मीदवारों की सूची पर जिन उम्मीदवारों को किसी प्रकार की दावा आपत्ति प्रस्तुत करना है, वे उम्मीदवार दिनांक 13/07/2026 तक आयोग कार्यालय में स्वयं उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। दिनांक 13/07/2026 के पश्चात प्राप्त दावा–आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

स्वहित एवं राष्ट्रहित में उर्जा बचाऐं — सचिव

कार्यालय नगर पंचायत भखारा, जिला-धमतरी (छ.ग.)
Phone No. 07705-296755 Email ID - cmobhakhara.613@rediffmail.com

क्रमांक/1962/SBM-U 2.0/2026-27 भखारा, दिनांक 18/06/2026

द्वितीय ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना

एकीकृत पंजीयन प्रणाली के तहत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्न कार्य हेतु आनॅलाइन (Online) के माध्यम से निविदा आमंत्रित की जाती है। विवरण इस प्रकार है:-

| सिस्टम टेंडर क्रमांक | कार्य का नाम व स्थल विवरण | निविदा राशि (रू. लाख में) | निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि एवं समय |
|---|---|---|---|
| 193675 | Revamping of Material Recovery Facility (MRF) including installation of Machinery and construction of Compost Plant in Municipal Areas of BHAKHARA, Chhattisgarh (2nd Call) | 29.08 | 03.07.2026 5.00 PM |

उपरोक्त कार्य की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्यूरमेंट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in अथवा विभागीय वेबसाईट http://uad.cg.gov.in से भी डाउनलोड की जा सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पंचायत भखारा

कार्यालय नगर पालिक निगम बिलासपुर (छ.ग.)
ई-प्रोक्योरमेंट तृतीय निविदा सूचना

क्रं. 20/न.पा.नि./जोन क्रं.05/2026-27 दिनांक 17/06/2026

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु दिनांक 02.07.2026 को सायं काल 5:30 बजे तक ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है :-

| सिस्टम टेंडर नं. | कार्य का विवरण | अनुमानित लागत (रु.लाख में) | निविदा डाउनलोड /सबमिट करने की अंतिम तिथि |
|---|---|---|---|
| 193618 | वार्ड क्र. 36 एमएलबी स्कूल से मधुबन चौक तक बी.टी. रोड | 33.10 | 30 / 06 / 2026 |

उपरोक्त प्रदाय कार्य की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता,
न.पा.नि बिलासपुर (छ.ग.)

Green City, Clean City, Dream City.

ACB (India) Limited
NOTICE INVITING TENDER

Ref. No: ACBIL/BIOMASS PELLETS/2026-27/10

**Description of work:**
We, at ACB (India) Limited Inviting bids from interested Suppliers and Agencies to supply Biomass Pellets for Co-Firing with Coal in our 2x50 MW, 2x30 MW & 1x60MW Thermal Power Plant.

The scope of work under this package shall include Supply, Loading, Transporting and Delivery of Agro Residue Based Biomass Pellets at ACBIL,2x50 MW TPP, Ratija, 2x30 MW TPP, Chakabura& 1x60 MW TPP, Renki sites.The pellets supplied shall adhere to the technical specification given in tender document.

Interested Agency/Bidder may collect Detailed Tender Document from below mentioned address & submit their bid in sealed envelope on or before closing time and date:

Tender available from : 19-June-2026 at 11.00 Hrs. to 25-June-2026 at 17.00 hrs.
Last date of bid submission: 27 -June-2026 at 17.00 Hrs.

**Address:** ACB (India) Limited, Regional Headquarter, Village-Chakabura, PO- Jawali, Tehsil-Katghora, District-Korba( CG), PIN-495445

**Contact Person :** Mr.Murli- 096307 47939
**E-Mail :** environment.rhqcg@acbindia.com

-S/D-
ACB (India) Limited

### डॉ.मोहन यादव सरकार के प्रयासों से प्रदेश की धरती दुग्ध क्रांति के लिए तैयार

# मध्यप्रदेश की धरती पर दुग्ध क्रांति से आई समृद्धि, पशुपालक हुए खुशहाल

#### प्रतिदिन 12 लाख लीटर दूध कलेक्शन 1300 नई गौशालाओं का निर्माण

मध्यप्रदेश में गौपालन की समृद्ध परम्परा को आगे बढ़ाते हुए अब डॉ. मोहन यादव सरकार मध्यप्रदेश को देश की दुग्ध क्रांति बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। दुग्ध व्यवसाय ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। यह पशुपालकों के आर्थिक स्वावलंबन का माध्यम है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार किसानों और पशुपालकों की समृद्धि के नये द्वार खुल रहे हैं। डेयरी सेक्टर में निवेश बढ़ाने के लिए कार्ययोजना सरकार आगे बढ़ रही है। इस सेक्टर में गाँवो में ही रोजगार की नई सम्भावनाएं मौजूद हैं। दुग्ध उत्पादन से जुड़े किसानों और पशुपालकों की आमदनी बढ़ाने सरकार अब मिशन मोड पर काम कर रही है। आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल में पशुपालकों एवं दुग्ध उत्पादकों की भागीदारी को बढ़ाया जा रहा है। पशुधन के स्वास्थ्य एवं उपचार की स्थानीय स्तर पर सुविधा मुहैया कराने के लिए ग्वालियर में पशुओं का केयर एंड वेलनेस सेंटर खोलने, ग्वालियर के पशु स्वास्थ्य एवं उपचार केन्द्र का उन्नयन करने तथा डबरा में नया पशु चिकित्सालय खोलने की घोषणा के साथ ही इस दिशा में काम शुरू हो चुका है।

### डेयरी उद्यमियों का बढ़ा मुनाफा

डेयरी उद्यमिता को एक लाभकारी, टिकाऊ और तकनीक से जुड़े 'रोजगार सृजन मॉडल' के रूप में स्थापित करने के लिए हर स्तर पर काम जारी है। फलस्वरुप प्रदेश में 9 लाख लीटर प्रतिदिन कलेक्शन बढ़कर 12 लाख लीटर प्रतिदिन हो गया है। दूध कलेक्शन को 50 लाख लीटर प्रतिदिन करने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रही है। नस्ल सुधार, गौशालाओं को हाइटेक बनाने और स्वावलंबी बनाने के लिए योजनाबद्ध प्रयास किए जा रहे हैं। दो साल पहले तक प्रदेश में करीब 1800 गौशालाएं थीं। गौवंश सहायता राशि 20 रुपए से बढ़ाकर 40 रुपए प्रति गौवंश करने के बाद 1300 नई गौशालाओं का निर्माण हुआ है।

### देश में प्रदेश को प्रथम बनाना ही लक्ष्य

वर्तमान में मध्यप्रदेश दुग्ध उत्पादन के मामले में देश में तीसरे स्थान पर है, सरकार का लक्ष्य प्रदेश को पहले स्थान तक पहुंचाना है। इस दिशा में शुरू किए गए प्रयास अब सफल होते दिखाई दे रहे हैं। प्रदेश में अब तक 1752 नई दुग्ध सहकारी समितियों का गठन किया जा चुका है। इसके साथ ही दुग्ध क्षेत्र के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए कई बड़े फैसले लिए गए हैं। सरकार द्वारा ग्वालियर डेयरी प्लांट के आधुनिकीकरण का कार्य किया जा रहा है। शिवपुरी डेयरी प्लांट को फिर सक्रिय कर नया जीवन दिया गया है। वहीं, इंदौर में प्रतिदिन 3 लाख लीटर क्षमता वाले मिल्क पाउडर प्लांटकी शुरुआत की गई है। सरकार का मानना है कि इन ठोस प्रयासों से प्रदेश को दुग्ध उत्पादन और विपणन के क्षेत्र में नई पहचान मिल रही है और मध्यप्रदेश तेजी से देश के अग्रणी राज्यों में शामिल हो रहा है।

#### गौशाला के लिए 10 लाख का अनुदान

हर गांव को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने और हर किसान, पशुपालक, दुग्ध उत्पादक को आत्मनिर्भर बनाने में डेयरी सेक्टर को मजबूत बनाया जा रहा है। दुग्ध उत्पादन के जरिए आर्थिक स्वावलंबन को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का प्रयास हो रहा है। नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड के साथ मिलकर दूध उत्पादन बढ़ाने की ओर कदम बढ़ा दिया है। नई-नई गौशालाएं खोली जा रही हैं। मात्र 25 गायों की गौशाला खोलने वाले पशुपालक को सरकार 10 लाख रुपए प्रति यूनिट सब्सिडी दे रही है।

### ऐसे आएगी दुग्ध क्रांति

देश में मध्यप्रदेश की दुग्ध उत्पादन हिस्सेदारी
9.12 प्रतिशत
**************
देश में स्थान
तीसरा
**************
वार्षिक दुग्ध उत्पादन
2.13 करोड़ टन से अधिक
**************
नई दुग्ध सहकारी समितियां
7000+
1752 नई गठित
**************
30 मीट्रिक टन प्रतिदिन क्षमता का मिल्क पाउडर संयंत्र
इंदौर में प्रारंभ
**************
153 नए बल्क मिल्क कूलर स्थापित

### पशुपालकों को बड़ी राहत

मध्यप्रदेश में पशुपालकों और डेयरी व्यवसाय से जुड़े किसानों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही है। इसी दिशा में पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा किसान क्रेडिट कार्ड योजना के माध्यम से पशुपालकों को आसान ऋण सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। योजना के तहत पशुपालक बिना किसी जमानत के 1 लाख 60 हजार रुपए तक का लोन प्राप्त कर सकते हैं। इससे पशुपालकों को पशु खरीदने, चारा व्यवस्था करने, डेयरी व्यवसाय बढ़ाने और अन्य जरूरी कार्यों के लिए आर्थिक सहायता मिल रही है। सरकार का मानना है कि पशुपालन और डेयरी गतिविधियां ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूत कड़ी हैं। आसान ऋण सुविधा मिलने से छोटे और मध्यम पशुपालकों को अपना व्यवसाय बढ़ाने में मदद मिल रही है। इससे उनकी आय बढ़ रही है और ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर भी बन रहे हैं।

### मोबाइल ऐप बताएगा दूध का पूरा हिसाब

# डिजिटल क्रांति से 'दुग्ध क्रांति' की तरफ तेजी से बढ़ रहे कदम

मध्यप्रदेश में डिजिटल क्रांति से मिल्क क्रांति की तरफ तेजी से बढ़ते कदम बढ़ रहे हैं। वजह ये है कि डेयरी सेक्टर अब तेजी से डिजिटल हो रहा है। किसानों को दूध का सही दाम और पूरी पारदर्शिता मिले, इसके लिए राज्य सरकार तकनीक का सहारा ले रही है। अब दुग्ध उत्पादकों को मोबाइल ऐप के जरिए तुरंत यह जानकारी मिल सकेगी कि उन्होंने कितना दूध दिया, उसकी गुणवत्ता क्या है और उन्हें कितना भुगतान मिलेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने डेयरी क्षेत्र को मजबूत बनाने और किसानों की आय बढ़ाने के लिए अधिकारियों को समय-सीमा तय कर विस्तृत कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए हैं। सरकार का लक्ष्य डेयरी गतिविधियों को गांव-गांव तक पहुंचाना और प्रदेश को दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में नई ऊंचाई तक ले जाना है। प्रदेश में दुग्ध संकलन के लिए अब मोबाइल ऐप आधारित व्यवस्था शुरू की जा रही है। इस ऐप के जरिए दूध देने वाले किसानों को तुरंत दूध की मात्रा, गुणवत्ता और उसके मूल्य की जानकारी मिल जाएगी। इससे भुगतान में पारदर्शिता बढ़ेगी और किसानों का भरोसा मजबूत होगा। इसके साथ ही क्षेत्रीय संचालन और विपणन कार्य में लगे मैदानी अमले की निगरानी के लिए फील्ड फोर्स मॉनीटरिंग ऐप भी शुरू किया गया है। इससे डेयरी नेटवर्क की मॉनीटरिंग बेहतर होगी और कामकाज में तेजी आएगी।

#### राज्य स्तर पर फेडरेशन

योजना के मुताबिक पहले जिला स्तर पर नस्ल आधारित एसोसिएशन बनाई जाएंगी। इसके बाद चुनाव कराकर राज्य स्तरीय कार्यकारिणी गठित की जाएगी। शुरुआती दौर में इन संगठनों का संचालन प्रशासनिक सहयोग से होगा, लेकिन 3 से 5 साल के भीतर इन्हें पूरी तरह स्वायत्त बना दिया जाएगा। बाद में इनका संचालन खुद पशुपालक करेंगे। सरकार इन संगठनों को तकनीकी प्रशिक्षण, फडिंग और मार्केटिंग एक्सपर्ट्स की मदद भी उपलब्ध कराएगी, ताकि प्रदेश की देसी नस्लों को नई पहचान मिल सके। इस मॉडल के लागू होने के बाद पशुपालकों की आय केवल दूध बेचने तक सीमित नहीं रहेगी। फेडरेशन के पास शुद्ध नस्ल की ब्रीडिंग का अधिकार होगा, जिससे अच्छी नस्ल के पशुओं की बाजार कीमत बढ़ेगी। पशुपालक नस्ल आधारित पशुओं की बिक्री कर अतिरिक्त आय कमा सकेंगे। इसके अलावा चारा, दवाइयां और पशुपालन से जुड़े उपकरण थोक में खरीदने से लागत भी कम होगी।

### गांवों में बड़ा बदलाव

## मुख्यमंत्री डेयरी प्लस योजना बन गई राज्य में समृद्धि की मिसाल

मध्यप्रदेश सरकार पशुपालकों और किसानों की आय बढ़ाने के लिए डेयरी क्षेत्र को लगातार मजबूत कर रही है। इसी कड़ी में राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री डेयरी प्लस योजना के जरिए पशुपालकों को बड़ा लाभ देने की पहल की है। इस योजना के तहत पात्र हितग्राहियों को 2 मुर्रा भैंसें उपलब्ध कराई जा रही हैं, ताकि वे डेयरी व्यवसाय शुरू कर सकें और अपनी आय में बढ़ोतरी कर सकें। योजना के तहत प्रति यूनिट लागत 2 लाख 95 हजार रुपए निर्धारित की है। योजना का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में पशुपालन को रोजगार और आय का मजबूत माध्यम बनाना है। मुर्रा नस्ल की भैंसों को अधिक दूध उत्पादन के लिए जाना जाता है। सरकार का मानना है कि इस योजना से पशुपालकों को बेहतर दुग्ध उत्पादन और स्थायी आय का अवसर मिलेगा।

#### 75 प्रतिशत तक अनुदान

सामान्य वर्ग के हितग्राहियों को 50 प्रतिशत तक अनुदान दिया जा रहा है, जबकि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति वर्ग के हितग्राहियों को 75 प्रतिशत तक सब्सिडी मिल रही है। इससे छोटे और आर्थिक रूप से कमजोर पशुपालकों को डेयरी व्यवसाय शुरू करने में बड़ी मदद मिल रही है। डेयरी प्लस योजना के जरिए सरकार का प्रयास है कि ज्यादा से ज्यादा किसान डेयरी व्यवसाय से जुड़ें और आत्मनिर्भर बनें।

## प्रदेश के दुग्ध उत्पादकों को मिले 1609 करोड़

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने प्रदेश को दुग्ध कैपिटल बनाने का लक्ष्य बनाया उन्हों जानकारों और संबंधित विभागों से चर्चा की। तय किया लाना है। नतीजा ये हुआ की एक व्यवस्थित रणनीति के तहत काम शुरु हुआ और प्रदेश में औसत दुग्ध संकलन 9.67 लाख किलोग्राम प्रतिदिन दर्ज हुआ जो पिछले वर्ष से 11 प्रतिशत अधिक है। पिछले छह महीनों में यह 11 लाख किलोग्राम प्रतिदिन से अधिक रहा। मध्यप्रदेश देश में तीसरे स्थान पर है और लक्ष्य इसे पहले स्थान पर पहुंचाने का है। प्रदेश में 1752 नई दुग्ध सहकारी समितियां गठित की गईं। तथा अंबेडकर कामधेनु, विद्यासागर गौसंवर्धन और डेयरी प्लस सहित कई योजनाएं संचालित की गईं।

**1609 करोड़ का दुग्ध उत्पादकों को भुगतान:** दुग्ध उत्पादकों को 2025-26 में 1609 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया जो पिछले वर्ष के 1398 करोड़ रुपये से 15 प्रतिशत अधिक है तथा प्रति लीटर खरीद मूल्य में 2.50 से 8.50 रुपये वृद्धि की गई। इंदौर में 3 लाख लीटर क्षमता का मिल्क पाउडर प्लांट शुरू किया गया तथा ग्वालियर प्लांट के आधुनिकीकरण और शिवपुरी डेयरी के पुनर्जीवन के कार्य हुए हैं। सांची ब्रांड के अंतर्गत घी की बिक्री 17 प्रतिशत बढ़ी है तथा दही, छाछ और फ्लेवर्ड दूध की बिक्री में भी वृद्धि हुई है।

## दुग्ध संकलन के लिए मजबूत हुआ नेटवर्क

### सीएम डॉ.मोहन यादव के प्रयासों से 26 हजार गांव जुड़े

प्रदेश सरकार मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में डेयरी सेक्टर को ग्रामीण अर्थव्यवस्था की नई ताकत बनाने की दिशा में तेजी से काम कर रही है। सरकार अब डेयरी नेटवर्क को गांव-गांव तक पहुंचाने और दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिए बड़े स्तर पर विस्तार योजना पर काम कर रही है। डेयरी विकास योजना के तहत अगले चरण में प्रदेश के 26 हजार गांवों को डेयरी नेटवर्क से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। इसके साथ ही प्रतिदिन दुग्ध संकलन को बढ़ाकर 52 लाख किलोग्राम तक पहुंचाने की तैयारी की जा रही है। इससे किसानों और पशुपालकों की आय बढ़ेगी। सरकार केवल दूध उत्पादन बढ़ाने तक सीमित नहीं रहना चाहती, बल्कि डेयरी सेक्टर को आधुनिक और तकनीक आधारित उद्योग के रूप में विकसित करने की तैयारी कर रही है। इसी उद्देश्य से नई डेयरी प्रोसेसिंग यूनिट, दुग्ध उत्पाद निर्माण इकाइयों और पशु चारा संयंत्रों के आधुनिकीकरण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सरकार का फोकस ऐसी व्यवस्था तैयार करने पर है, जिससे दूध की गुणवत्ता बेहतर हो और पशुपालकों को उनके उत्पाद का उचित मूल्य मिल सके।

#### पीएम नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में सीएम डॉ.यादव समृध्द बना रहे प्रदेश

**पशुपालकों का होगा सम्मान :** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ने जिला स्तर पर डेयरी से जुड़े विशेष कार्यक्रम आयोजित कर आदर्श पशुपालकों का सम्मान करने की योजना बनाई है। साथ ही दुधारू पशुओं की प्रदर्शनी और डेयरी संबंधी जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। इसका उद्देश्य डेयरी व्यवसाय को पारंपरिक दायरे से बाहर निकालकर उसे रोजगार और उद्यम का बड़ा माध्यम बनाना है।

**बढ़ रहा डेयरी नेटवर्क :** राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड और एमपी स्टेट को-ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन के बीच हुए कार्यअनुबंध के बाद प्रदेश में डेयरी नेटवर्क का तेजी से विस्तार हुआ है। वर्ष 2025-26 में 1752 नई दुग्ध समितियों का गठन किया है। इससे बड़ी संख्या में किसान और पशुपालक डेयरी गतिविधियों से जुड़ रहे हैं।

**गुणवत्ता रखने पर जोर:** दूध की गुणवत्ता और सुरक्षित संग्रहण सुनिश्चित करने के लिए प्रदेश में 153 नए बल्क मिल्क कूलर स्थापित किए गए हैं। इसके अलावा दूध और दुग्ध उत्पादों की क्रेडिट पर बिक्री पूरी तरह बंद कर दी गई है, ताकि भुगतान व्यवस्था अधिक पारदर्शी और व्यवस्थित बन सके।

### 50 हजार से शुरू किया काम, आज हर महीने बढ़ रही आमदनी

## धार की सुनीता लखपति दीदी बनी, दुग्ध उत्पादन से कमा रही हर माह 45 हजार रुपए

- दूध के साथ घी, पनीर, मक्खन से कमाई
- अन्य महिलाओं के लिए बनीं प्रेरणा

धार जिले के उमरबन विकासखंड के मलनगांव की रहने वाली सुनीता धांगड़ ने मेहनत और हौसले के दम पर अलग पहचान बनाई है। कभी आर्थिक परेशानियों से जूझने वाली सुनीता आज सफल डेयरी व्यवसायी बन चुकी हैं। गांव में लोग अब उन्हें लखपति दीदी के नाम से पहचानते हैं। सुनीता साधारण ग्रामीण परिवार से हैं। 9 सदस्यों का परिवार खेती और थोड़े बहुत पशुपालन पर निर्भर था। कम आमदनी में परिवार चलाना मुश्किल हो रहा था। कई बार घर के खर्च पूरे करना भी चुनौती बन जाता था। सुनीता की जिंदगी में बड़ा बदलाव तब आया, जब वे बाबा रामदेव स्व-सहायता समूह से जुड़ीं। समूह से उन्हें 50 हजार की आर्थिक मदद मिली। इस पैसे से उन्होंने एक भैंस खरीदी और दूध बेचने का काम शुरू किया। यहीं से उनकी सफलता की शुरुआत हुई।सुनीता हर महीने 40 हजार से 45 हजार तक की आय अर्जित कर रही हैं। वे अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा बन चुकी हैं।

#### सरकारी योजना का लाभ मिला फिर लग गए कामयाबी के पंख

समूह के सहयोग और मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना की मदद से सुनीता को 2 लाख रुपए का ऋण मिला। इस राशि से उन्होंने तीन अच्छी नस्ल की भैंसें खरीदीं। धीरे-धीरे उनका डेयरी व्यवसाय बढ़ने लगा। अब वे स्थानीय बाजार के साथ डेयरी कंपनियों को भी दूध सप्लाई कर रही हैं। सुनीता ने घी, मक्खन और पनीर बनाकर बिक्री शुरू की। इससे उनकी आमदनी और बढ़ गई। सरकारी सहायता से पशुओं के लिए शेड भी बनवाया है।

D-16014/26

## प्रथम पृष्ठ का शेष

### दीक्षा के 50 साल...

म.सा. समुदायवर्ती, कच्छ प्रदेश में जन्म लेकर दीक्षा ग्रहण करने वाले महान संत श्री जयानंद मुनिजी महाराज के शिष्यरत्न श्री विनयकुशल मुनिजी ने देशभर के संघों की विनती को स्वीकार करते हुए यह पद ग्रहण किया। खास बात यह है कि वे श्री मोहनलालजी म.सा. समुदाय के प्रथम आचार्य बने हैं। अब वे गच्छाधिपति आचार्य श्री जिनचंद्रसूरिश्वर जी महाराजा के रूप में जिनशासन की पताका को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का दायित्व संभालेंगे। यह केवल एक पदवी नहीं, बल्कि उनके तप, त्याग, ज्ञान, विनय और गुरुभक्ति की दीर्घ साधना का दिव्य प्रतिफल है। इसी सभा में श्री जिन पीयूष सागर सूरिश्वर जी महाराजा के पावन निश्रा में श्री जिनसमयक रत्न सागर सूरिश्वर जी महाराजा सहित 41 साधु-साध्वि इस कार्यक्रम में पधार कर निश्रा एवं सानिध्य प्रदान किया। धर्म सभा में तपस्वी सम्राट विराजमुनि जी ने अपने उद्गार व्यक्त किए सभा में राष्ट्रसंत नेपाल केसरी मणिभद्र ने भी इस अवसर पर शुभकामनाएं प्रेषित की। नव आचार्य को देशभर के संघों ने शुभकामनाएं प्रेषित की। इस अवसर पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह और केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू सहित कई दिग्गज शामिल हुए और नव-प्रतिष्ठित आचार्य श्री तथा 14 वर्षीय शतावधानी बाल मुनि श्री हंसभद्र मुनि जी महाराज का आशीर्वाद प्राप्त किया।

### युद्ध खत्म, ईरान...

दिए गए हैं, जबकि बदले में उससे बहुत कम हासिल किया गया है। यह समझौता कई दिनों से गोपनीयता और भ्रम की स्थिति में घिरा रहा था। अमेरिकी अधिकारियों ने सप्ताहांत में ट्रंप और उपराष्ट्रपति जे. डी. वेंस द्वारा इस समझौते पर डिजिटल हस्ताक्षर किए जाने की जानकारी देने के बाद भी इसकी शर्तों का खुलासा करने से इंकार कर दिया था। ट्रंप ने बुधवार को फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ वर्साय महल में रात्रिभोज के दौरान समझौते की कागजी प्रति पर हस्ताक्षर किए। वर्साय ने पहले भी युद्ध या क्षेत्रीय विवाद समाप्त करने वाले कई ऐतिहासिक समझौतों पर हस्ताक्षर हुए हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस' ने शुक्रवार को स्विट्जरलैंड में हस्ताक्षर समारोह आयोजित करने की योजना बनाई थी लेकिन अमेरिका, ईरान और पाकिस्तान की ओर से परस्पर विरोधी जानकारी सामने आने के बाद अब यह स्पष्ट नहीं है कि समारोह होगा या नहीं। ट्रंप ने फ्रांस में 'जी' के शिखर सम्मेलन में भाग लेने के बाद वर्साय में आयोजित रात्रिभोज से निकलते समय कहा, 'इस पर हस्ताक्षर हो गए हैं।' 'व्हाइट हाउस' के एक सहयोगी द्वारा ऑनलाइन साझा किए गए वीडियो में मैक्रों के बगल में बैठे हुए ट्रंप समझौते की कागजी प्रति पर हस्ताक्षर करते नजर आ रहे हैं। इसके बाद उन्होंने अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो को दस्तावेज और कलम सौंप दिए तथा कमरे में मौजूद लोगों ने तालियां बजाईं। मैक्रों की ओर से सोशल मीडिया पर साझा किए गए वीडियो के अनुसार, ट्रंप ने हस्ताक्षर करने से ठीक पहले कहा, 'यह आसान नहीं था।' ईरानी सरकारी समाचार एजेंसी के अनुसार, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने तेहरान में समझौते पर हस्ताक्षर किए। एजेंसी ने ट्रंप और पेजेश्कियान के हस्ताक्षर वाला समझौता दिखाते हुए ईरानी राष्ट्रपति की तस्वीरें भी जारी कीं जिसमें वह 'गंभीर मुद्रा में' नजर आ रहे हैं। समझौते का आधिकारिक पाठ अब तक जारी नहीं किया गया है। कई दिनों तक इसे गोपनीय रखे जाने के बाद, अमेरिकी अधिकारियों ने नाम उजागर न करने की शर्त पर पत्रकारों को इसके मसौदे के बारे में जानकारी दी। इसके बाद ईरान के सरकारी टेलीविजन ने भी समझौते का एक पाठ जारी किया जो काफी हद तक अमेरिका की ओर से जारी जानकारी के अनुरूप था। समझौते के अधिकतर प्रावधानों के तहत युद्ध से पहले की स्थिति बहाल होगी। इनमें युद्ध समाप्त करना, तेहरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर अमेरिका और ईरान के बीच वार्ता फिर शुरू करना तथा होर्मुज जलडमरूमध्य को दोबारा खोलना शामिल है। **60 दिनों में अंतिम समझौते का टारगेट**- अमेरिका-ईरान ने अधिकतम 60 दिनों में समझौता लागू करने का टारगेट रखा है। हालांकि, दोनों देश सहमति से इसे आगे भी बढ़ा सकते हैं। अमेरिकी अधिकारी मानते हैं कि इतने कम समय में अंतिम समझौते तक पहुंचना आसान नहीं होगा। खासकर इसलिए क्योंकि ईरान के साथ पहले हुई परमाणु बातचीत में कई साल लग चुके हैं। हालांकि, ट्रंप सरकार ने जानबूझकर यह समय सीमा तय की है। अगर तय समय में यह समझौता हो जाता है, तो अमेरिका में नवंबर में होने वाले मिडटर्म इलेक्शन में राष्ट्रपति ट्रंप को फायदा हो सकता है।

### नौवीं के छात्रों...

ऑफ पीपल फॉर एक्टिव डेमोक्रेसी' की याचिका को इस मुद्दे पर पहले से लंबित ऐसी ही याचिकाओं के साथ जोड़ दिया। पीठ ने याचिका को अन्य याचिकाओं के साथ जोड़ने का निर्देश देते हुए कहा हम आज एक पंक्ति का आदेश पारित नहीं कर सकते। इस मामले में लंबी बहस हुई है। अंतरिम राहत देने का कोई सवाल ही नहीं है। संक्षिप्त सुनवाई के दौरान, एनजीओ की ओर से पेश हुए वकील ने कहा कि वे तीन-भाषा नीति को सीधे तौर पर चुनौती नहीं दे रहे हैं, बल्कि इसके केवल कार्यान्वयन वाले हिस्से को चुनौती दे रहे हैं। इसके बाद प्रधान न्यायाधीश ने एनजीओ के नाम 'फ्रेंड्स ऑफ पीपल फॉर एक्टिव डेमोक्रेसी' पर सवाल उठाया और हल्के-फुल्के अंदाज में पूछा कि क्या इस तरह का नाम रखने का मकसद अदालत या लोगों के मन में डर पैदा करना था। वकील ने जवाब देते हुए कहा, नहीं। यह एक ट्रस्ट का नाम है। यह 2013 में स्थापित एक पुराना ट्रस्ट है। उन्होंने यह भी कहा कि सीबीएसई को 15 जून तक विस्तृत दिशानिर्देश जारी करने थे। हालांकि, पीठ ने इस मामले को दूसरी लंबित याचिकाओं के साथ 14 जुलाई को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया। सुप्रीम कोर्ट ने 27 मई को सीबीएसई की उस नीति को चुनौती देने वाली याचिका पर विचार करने के संबंध में सहमति जताई, जिसमें तीन भाषाएं पढ़ना अनिवार्य किया गया था। अदालत ने केंद्र, केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) और राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) को नोटिस जारी कर दो हफ्ते के अंदर विस्तृत जवाब मांगा।

### पति ने किया...

पति के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। वहीं महिला ने भी सूरजपुर जिले में आकर प्रेस कांफ्रेंस कर मदद की गुहार लगाई है। 32 वर्षीय महिला तारा बाई घसिया का आरोप है उसने 15 साल पहले सूरजपुर जिले के रनियाडीह निवासी जितेन्द्र घसिया के साथ भागकर प्रेम विवाह किया था। महिला और जितेन्द्र घसिया के चार बच्चे हैं। वर्तमान में महिला को उसके बच्चे और पति ने छोड़ दिया है ऐसे में वह अकेले ही रहती है। महिला पर अवैध संबंध का आरोप लगाकर उसे परिवार से अलग किया गया था। एक साल से पति व बच्चों से अलग महिला आर्थिक रूप से परेशान थी और अपने रिश्तेदार कोरिया पटना के ग्राम पंडोपारा निवासी रमेश घसिया के पास जाकर रह रही थी। महिला का कहना है कि 11 जून को वह रमेश घसिया के घर गई थी और 14 जून को अचानक पंडो पारा पहुंचा और महिला को पकड़कर उसके साथ हैवानियत की सारी हदें पार कर दी। आरोपी ने अपने साथियों के साथ मिलकर उसके हाथ पैर को बांध दिया और मारपीट के बाद उसके बाल को कैंची से काटने के बाद ब्लेड से मुंडन कर दिया। इस मामले में कोरिया के पटना पुलिस ने बीएनएस की धारा 115(2), 296, 351(2), 85 के तहत अपराध दर्ज कर लिया है। **खुद बनाया हैवानियत का वीडियो**- पत्नी के साथ की गई हैवानियत का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो को देखकर लोगों के होश उड़ गए। वायरल वीडियो में साफ नजर आ रहा है कि आरोपी पति ने महिला के हाथ पैर को बांधकर उसकी बेदम पिटाई की। इस दौरान आरोपी ने महिला के बाल को कैंची से काटा और फिर ब्लेड से मुंडन कर दिया। इतना ही नहीं पति ने महिला के चेहरे पर मोबिल लगाकर चेहरे को काला किया। हैवानियत की हद तो तब हो गई जब पति ने बच्चे से उसके सिर पर पेशाब कराया। इससे भी पति का दिल नहीं भरा तो उसने खुद डिस्पोजल गिलास में पेशाब लाकर महिला को पिलाया। इस दौरान एक औरत भी मौके पर मौजूद थी लेकिन उसने भी बीच बचाव नहीं किया।

### पांच महीने में...

आईईडी के खतरे को पूरी तरह से समाप्त कर दिया जाए। बता दें कि एक समय था जब कर्रेगुट्टा की पहाड़ी में नक्सलियों के खिलाफ सर्वाधिक 23 दिन तक अभियान चलाया गया था और सबसे अधिक आईईडी भी इसी इलाके से बरामद की गई थी। गौरतलब है कि बस्तर क्षेत्र में माओवादी संगठन द्वारा वर्षों से सुरक्षा बलों की गतिविधियों को बाधित करने तथा स्थानीय जनता में भय का वातावरण बनाए रखने के लिए इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) का व्यापक रूप से उपयोग किया जाता रहा है। सड़क मार्गों, पगडंडियों, जंगलों तथा संभावित ऑपरेशनल क्षेत्रों में बड़ी संख्या में आईईडी लगाकर सुरक्षा बलों और आम नागरिकों को निशाना बनाने का प्रयास किया जाता था। 2026 में बीते पांच माह में अब तक बस्तर रेंज में सुरक्षा बलों द्वारा कुल 278 आईईडी बरामद किए गए जबकि इसी अवधि में मात्र 9 विस्फोट की घटनाएं दर्ज की गई। बस्तर पुलिस तथा केंद्रीय सुरक्षा बलों ने संयुक्त रूप से आईईडी खतरे से निपटने के लिए विशेष रणनीति विकसित की है। नियमित रोड ओपनिंग पार्टी (आरओपी) अभियान, बम निरोधक दस्तों की तैनाती, अत्याधुनिक उपकरणों का उपयोग, तकनीकी निगरानी तथा स्थानीय स्तर पर प्राप्त सटीक सूचनाओं के आधार पर बड़ी संख्या में विस्फोटकों को समय रहते बरामद और निष्क्रिय किया गया है। परिणामस्वरूप माओवादियों द्वारा सुरक्षा बलों एवं नागरिकों को नुकसान पहुंचाने के प्रयास लगातार विफल हो रहे हैं और उनकी संचालन क्षमता पर गंभीर प्रभाव पड़ा है।

### मानसून में भी...

दौरान भी व्यापक स्तर पर डी-माइनिंग एवं सघन सर्च अभियान संचालित किए जाएंगे। हमारा लक्ष्य बस्तर क्षेत्र को पूरी तरह सुरक्षित बनाते हुए विकास एवं सामान्य जनजीवन के लिए एक निर्बाध और भयमुक्त वातावरण सुनिश्चित करना है।

### प्रशिक्षण शिविर में...

तक जिला अध्यक्षों को संगठन, फील्ड विजिट और सामाजिक-राजनैतिक एक्टिविटी पर ट्रेनिंग देंगे। वे 6:40 बजे दिल्ली रवाना हो जाएंगे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने बताया कि अभनपुर के अग्रवाल रिसोर्ट में 20 से 29 जून तक जिलाध्यक्षों के लिए प्रशिक्षण शिविर आयोजित है। यह शिविर पूरी तरह आवासीय होगा। एआईसीसी का प्रशिक्षण विभाग इसकी जिम्मेदारी संभालेगा। जिला अध्यक्षों को फील्ड विजिट, सकारात्मक सामाजिक गतिविधियों और जमीनी राजनीति का प्रशिक्षण दिया जाएगा, ताकि वे बूथ स्तर तक कांग्रेस को मजबूत कर सकें।

### 2028 के लिए...

सबसे बड़ी वजह मानती है। इसी को दूर करने के लिए जिला अध्यक्षों को फील्ड विजिट व सोशल एक्टिविटी का फॉर्मूला सिखाया जाएगा। राहुल गांधी की एक दिन की ट्रेनिंग को मिशन 2028 की बड़ी तैयारी के तौर पर देखा जा रहा है।

### पेरिस में बोले...

उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को नए सिरे से परिभाषित करते हुए कहा कि भारत के लिए 'एआई' का सीधा मतलब 'ऑल इंक्लूसिव' यानी सबका समावेश और सबका कल्याण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत और यूरोपीय संघ के बीच हुए मुक्त व्यापार समझौते को दोनों क्षेत्रों के भविष्य के लिए एक बड़ा मील का पत्थर बताया। पीएम मोदी ने कहा कि साल की शुरुआत में संपन्न हुआ यह ऐतिहासिक समझौता न केवल द्विपक्षीय व्यापार को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा, बल्कि दोनों अर्थव्यवस्थाओं में निवेश के नए रास्ते भी खोलेगा। यह टैलेंट (प्रतिभा), टेक्नोलॉजी (तकनीक) और टूरिज्म (पर्यटन) के आदान-प्रदान के लिए कई नए रास्ते तैयार करेगा।

Skin Care
डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं
• लेजर हेयर रिमूवल • कैमिकल पीलिंग
• हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी
• कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
» प्रसूति » नवजात » शिशु रोग
» बांझपन » सोनोग्राफी » आयुष्मान कार्ड
» बच्चों एवं बड़ों के आपरेशन » अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
डॉ राका शिवहरे
MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

डॉ. वाधवानी
दर-दाँत (गम पेंट)
बायो-डेंट गम पेंट, मुंह के छाले, दांत दर्द और जलन में लाभकारी यह आर्युवेदिक दवा है, यह हर्बल दवा 100 प्रतिशत सुरक्षित है
HMS देखकर खरीदें
94060-21769

हर्बल लेप
शिव मस्सानाशक
शिव मस्सानाशक को 12-15 घटों तक लगाकर रखेंगे तो यह मस्से को शीघ्र हटा देगा। जब तक मस्सा न हट जाए, रोज 1-2 बार लगाना है। यदि लगाने के बाद किसी कारणवश लेप पुछ जाए तो पुनः लगा दें।
HMS शिव मस्सा नाशक

epaper- www.haribhoomi.com

# हरिभूमि Classified

Email- hbclassified375@gmail.com

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

## आवश्यकता है

आवश्यकता है- घर पर खाना बनाने हेतु अनुभवी लेडी कुक एवं गार्डन की देखभाल के लिए माली की आवश्यकता है। स्थान- बिलासपुर, सम्पर्क करें- 9993537989 (41190)

आवश्यकता है- कार वॉशिंग गैराज में कार्य करने हेतु हेल्पर चाहिए। अनुभवी को प्राथमिकता। सैलरी अनुभव के अनुसार। सम्पर्क करें- माँ शारदा कार केयर, संजीवनी हॉस्पिटल के पास, स्मार्ट रोड, बिलासपुर 7879094455 (41180)

आवश्यकता है- टूव्हीलर एजेन्सी में सेल्स मैनेजर, सेल्समैन, सर्विस मैनेजर, सर्विस एडवाइजर, डिजीटल कॉलिंग एग्जीक्यूटिव की आवश्यकता है। सेलरी योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- चन्द्र टीवीएस महाराणा प्रताप चौक के पास, बिलासपुर 9039167202 (41185)

आवश्यकता है- न्यू मॉडर्न हाईस्कूल, अशोक नगर, सीपतरोड, चांटीडीह में वाणिज्य, संस्कृत एवं अंग्रेजी/ अंग्रेजी माध्यम हेतु शिक्षक, शिक्षिकाएं चाहिए। योग्यता बीकॉम, एमकॉम, एमए इंग्लिश वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 7974501459, 7987808398 (41176)

आवश्यकता है- होलसेल एजेन्सी में काम करने के लिए अनुभवी सेल्समैन की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- छाबड़ा ट्रेडिंग कम्पनी मंगला चौक बिलासपुर 90392 14975, 8103444994 (41195)

आवश्यकता है- जय भोले सुपर बाजार में सेल्समैन, सेल्सगर्ल, हेल्पर, पैकिंग स्टाफ, स्टोर कीपर, डिलीवरी बॉय चाहिए आकर्षक वेतन, बेहतर कार्य वातावरण अनुभवी/ फ्रेशर सम्पर्क करें- सिंधी कॉलोनी, कारगिल चौक, बिलासपुर 7000762795 (41186)

आवश्यकता है- 1पद शिक्षिका (अंग्रेजी माध्यम) विज्ञान/ सा. विज्ञान, 1पद शिक्षिका (अंग्रेजी माध्यम) नर्सरी/ एलकेजी, 1पद आया+ चपरासी सम्पर्क करें- सुरभि शिशु मन्दिर, सरजू बगीचा बिलासपुर 7000714932, 8319852422 (41174)

आवश्यकता है- मरीजों, बुजुर्गों, बच्चों की देखभाल घर/ ऑफिस हेतु, आया, कुक, हाऊस कीपिंग, जापा एवं विशेष देखभाल हेतु उचित शुल्क में वर्कर प्राप्त करें- निखिलाश्रम, हाउसिंग बोर्ड कालोनी, बहतराई बिलासपुर 7024477656 (41181)

आवश्यकता है- (1) डिलीवरी बॉय (2) कुक (3) किचन इंचार्ज (4) मैनेजर (पुरुष/महिला) स्टाफ की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 7869586011, 9329233000 (41196)

आवश्यकता है- हॉस्टल में पुरुष चौकीदार की एवं पुस्तक दुकान में काम करने के लिए सम्पर्क करें- देवांगन बुक स्टाल E-15 सिटी सेन्टर कॉम्प्लेक्स, मारुति कार शोरूम, शिव टॉकीज रोड, बिलासपुर 6262227355 (41183)

आवश्यकता है- सलाह सर्विसेस ऑफिस में टेलिकॉलर, ऑफिस एग्जीक्यूटिव, फील्ड स्टाफ चाहिए। सैलरी- 7000 से 20000 तक सम्पर्क करें- राव ट्रेड सेन्टर काम्प्लेक्स, सत्यम चौक के पास, लिंक रोड, बिलासपुर 6269020001, 6269020002 (41194)

आवश्यकता है- घरेलू सभी काम करने एवं खाना बनाने हेतु एक महिला और एक अनुभवी ड्राइवर (जो असिस्टेंट कार्य भी कर सकें) चाहिए वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 9977416604 (41188)

आवश्यकता है- थोक दवाई दुकान में कार्य करने हेतु सेल्समैन, दुकान में माल निकालने, पैकिंग हेतु लड़के चाहिए बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- जयदेव मेडिकल एजेन्सी, अयप्पा मन्दिर रोड, भारतीय नगर बिलासपुर 9993303951 (41168)

आवश्यकता है- कोचिंग शिक्षक की आवश्यकता है डॉ. अम्बेडकर निःशुल्क कोचिंग संस्थान मगरपारा बिलासपुर में मानदेय पर अनुभवी कोचिंग शिक्षक 22-06-26 , 10:30 बजे साक्षात्कार हेतु मय दस्तावेज उपस्थित होवें (महिलाओं को प्राथमिकता) सम्पर्क करें- 9893455115, 9669299266 (41198)

आवश्यकता है-Ocean Company में ऑफिस हेतु 10वीं से ग्रेजुएट लड़के, लड़कियां चाहिए उम्र 18 से 28, आय 10500-18000+ रहना, खाना सम्पर्क करें- न्यू बस स्टैण्ड तिफरा बिलासपुर 8818877406, 9644433021, 07752-337082 (41143)

आवश्यकता है- बिजनेस डेवलपमेंट मैनेजर/ एग्जीक्यूटिव एवं सिविल इंजीनियर पदों हेतु अनुभवी उम्मीदवार आमंत्रित। रियल एस्टेट एवं निर्माण क्षेत्र का अनुभव वांछनीय। आकर्षक वेतन, उन्नति के अवसर। कार्यस्थल- बिलासपुर सम्पर्क करें- 9589000680 (41172)

आवश्यकता है- ग्राम सेमरिया (कोटा) में फार्म हाउस में सब्जी की खेती हेतु शिक्षित केयर टेकर चाहिए वेतन योग्यता अनुसार जिसे ड्रिप सिस्टम, खाद एवं खेती की जानकारी हो सम्पर्क करें- 9977416604 (41189)

आवश्यकता है- नवनिर्मित बिलासपुर गौसेवा धाम में स्टाफ चाहिए (कार्य सफाई गौ माता को भोजन कराना) शादीशुदा को प्राथमिकता। आकर्षक सैलरी+ रुकने की उत्तम व्यवस्था (बिलासपुर के मध्य में) सम्पर्क करें- 9826187198 (41199)

आवश्यकता है- आई-10, वैगनआर, बुलेरो कार चलाने हेतु अनुभवी नशामुक्त स्टाफ क्वार्टर में परिवार सहित रहकर कार्य हेतु ड्राईवर आवश्यकता है वेतन 12000 सम्पर्क करें- पुराने हाईकोर्ट के पास बिलासपुर 9752583075, 8839728129 (41184)

आवश्यकता है- होटल में कार्य करने हेतु प्रोफेशनल हाउस कीपिंग स्टॉफ की आवश्यकता है। सैलरी 10000 से 15000 सम्पर्क- होटल रॉयल रामा, पुराना बस स्टैण्ड के पास टेलीफोन एक्सचेंज रोड बिलासपुर 9327334481 (41157)

आवश्यकता है- कम्प्यूटर ऑपरेटर (female) की आवश्यकता है, अनुभवी, अंग्रेजी जानकार को प्राथमिकता। सम्पर्क करें- शाम 5 से 7बजे तक ओम डायग्नोस्टिक सेन्टर, रेडक्रॉस मेडिकल के सामने, सिम्स रोड, बिलासपुर 9229466628, 8602000508 (41156)

आवश्यकता है-एजाक्स ऑपरेटर की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 9589000659 (41144)

**आवश्यकता है- जिले में कार्य करने हेतु इच्छुक एवं अनुभवी स्टाफ की आवश्यकता है जिसमें काउन्सलर- 02, एकाउंटेंट सह आफिस ऐडमिनिस्ट्रेटर- 02, फील्ड वर्कर 08 पद है। इनकी शैक्षणिक योग्यता न्यूनतम स्नातक होना चाहिए। सभी पदों का वेतन उनके अनुभव एवं योग्यतानुसार होगा। सम्पर्क करें- प्रकृति सेवा संस्थान वेयर हाउस रोड बिलासपुर 99269 795061 Email- prakritisewa2@gmail.com (41193)**

आवश्यकता है- सर्वमंगला एजेन्सी में अमूल प्रोडक्ट्स की मार्केटिंग हेतु सेल्समैन की आवश्यकता है। तत्काल सम्पर्क करें- महाराणा प्रताप चौक के पास बिलासपुर 9752394144, 9827976705 (41179)

आवश्यकता है- ओम रेफ्रिजरेशन में कम्प्यूटर कार्य हेतु कम्प्यूटर ऑपरेटर की शीघ्र आवश्यकता है। पता- तालापारा रोड भारतीय नगर चौक के पास बिलासपुर सम्पर्क करें- 98274 69007, 7999913098 (41166)

आवश्यकता है- घरेलू सभी कार्य हेतु बाई एवं नौकर की अतिशीघ्र आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार तुरन्त सम्पर्क करें- 7223890879, 9301275222 (41161)

आवश्यकता है- कोनी स्थित शिक्षण संस्थान में नाश्ता, समोसा, प्याजी बड़ा बनाने वाले अनुभवी कर्मचारियों की आवश्यकता है। रात्रि 9 बजे से प्रातः 8 बजे तक। कोनी/ सरकंडा क्षेत्र के निवासियों को प्राथमिकता वेतन- योग्यता एवं अनुभव के अनुसार सम्पर्क करें- 07748008770 (41155)

आवश्यकता है-सेनेटरी शोरूम में अनुभवी हेल्पर, सेल्समेन, एकाउण्टेंट, मार्केटिंग कार्य हेतु युवको की। आधार कार्ड सहित सम्पर्क करें- श्रीबजाज ट्रेडर्स सीएलसी प्लाजा के सामने मंगला चौक रिंग रोड नं.-2 बिलासपुर 7000727385 (41142)

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु अविवाहित युवकों की जो बाहर (उज्जैन इंदौर उदयपुर ) मे रह कर काम कर सके सैलरी 12000 + कमीशन + बोनस के साथ महीना 25000/ कमाए रहना खाना फ्री लिमिटेड सीट संपर्क - 7777800422 ,9993044523. (366)

आवश्यकता है- अनुभवी OT टेक्नीशियन की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- प्रभा हॉस्पिटल, महामाया चौक, रतनपुर रोड, लोधीपारा सरकंडा बिलासपुर 7470946314 (41164)

आवश्यकता है- एक प्रतिष्ठित साड़ी शॉप हेतु अनुभवी सेल्समैन-5 (लड़के), हेल्पर-4 (लड़के) हाउस कीपिंग-2 (महिला) की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार। संपर्कः 9755498703, पताः वसंत साड़ी सेंटर, सदर बाज़ार, बिलासपुर (41192)

आवश्यकता है- थोक दवा दुकान में माल निकालने, जमाने, पैकिंग, डिलिवरी हेतु लड़कों की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता वेतन योग्यता अनुसार मिलें- नितिन मेडिकल एजेन्सी 34, मेडिकल काम्पलेक्स, तेलीपारा बिलासपुर 7430000011 (41127)

आवश्यकता है- होलसेल एवं रीटेल दवाई दुकान में कार्य करने के लिए लड़कों की अति शीघ्र आवश्यकता है सम्पर्क करे- 7869797088, 8770939973 (41125)

आवश्यकता है- मेडिकल एजेंसी में पैकिंग, डिलीवरी, पेमेन्ट कलेक्शन और सेल्समेन हेतु पार्ट/ फुल टाइम लड़कों की आवश्यकता है । वेतन अनुभव अनुसार। सम्पर्क करें- सिटी केमिस्ट मेडिकल काम्प्लेक्स बिलासपुर 7263990778, 9827193199 (41154)

आवश्यकता है- रिसेप्शनिस्ट (लड़की) एवं सुरक्षा गार्ड की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार अनुभवी को प्राथमिकता सम्पर्क करें- एक्समैन सिक्यूरिटी सर्विस वैशाली टावर हेमू नगर बिलासपुर 9827152819, 9754713125 (41138)

आवश्यकता है- चाट गुपचुप दुकान में कर्मचारी चाहिए। समय- सुबह 12बजे से रात 10बजे। (जो काम नहीं जानता उसे भी दुकान में काम सिखाया जायेगा) सम्पर्क करें- राजीव गांधी चौक बिलासपुर 9098859081 (41153)

**आवश्यकता है- फोटोकॉपी दुकान में कार्य करने हेतु स्टाफ की आवश्यकता है, जो फोटोकॉपी एवं ऑन लाइन कार्य कर सके, पद 04, सम्पर्क करें- उत्तमा कापीयर्स कोरबा 9425226532 (20989)**

आवश्यकता है-होटल में वेटर (सप्लायर) चाइनीज कुक, किचन हेल्पर, कैप्टन, युवक, युवतियां अनुभवी/ फ्रेशर दोनों को प्राथमिकता आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें-9340229293 (41149)

आवश्यकता है-तृप्ति रेस्टोरेंट मंगला चौक बिलासपुर मे काम करने हेतु इंडियन कुक, हेल्पर, सप्लायर एवं बाई की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 8319529383 (41150)

आवश्यकता है-अनुभवी दो ड्राइवर की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार, ड्राइविंग लाइसेन्स के साथ सम्पर्क करें- जुनेजा आई हॉस्पिटल तृतीय तल अपोलो सिटी सेन्टर के ऊपर सीएमडी चौक बिलासपुर 7389159805, 7389504106 (41130)

आवश्यकता है- घरेलु काम हेतु रायपुर में आवश्यकता है - खाना बनाने वाली बाई दिनभर /24 घंटे के लिये रहने खाने की सुविधा के साथ, कामवाली बाई/लड़की 24 घंटे कुरियर बॉय, सम्पर्क करें- 9329127874, 6262115511 (088)

आवश्यकता है- रायपुर चन्दखुरी पशु अस्पताल में 15-20 कर्मचारीयों के लिए नाश्ता और दो टाईम खाना बनाना हेतु कुक की आवश्यकता हैं। अच्छा वेतन, रहने खाने की सुविधा हैं। संपर्क- 72258-88800 (090)

आवश्यकता है-घर में खाना बनाने हेतु महिला की आवश्यकता है। समय-सुबह 8.30 बजे स्थान- प्रियदर्शनी नगर बिलासपुर सम्पर्क करें- 9425899221 (41145)

आवश्यकता है-रायगढ़ एवं रायपुर की फैक्ट्रियों हेतु सिक्योरिटी गार्ड, सिक्योरिटी सुपरवाइजर एवं फील्ड ऑफिसर की आवश्यकता है। वेतन- 15000 से 18000 प्रतिमाह, PF, ESIC रहने-खाने की व्यवस्था उपलब्ध सम्पर्क करें- 9201958117, 8109080600 (855)

## बेचना

बेचना है- प्राइम लोकेशन में SK परिसर यदुनन्दन नगर तिफरा में पूर्ण विकसित सर्वसुविधायुक्त कॉलोनी में 2BHK मकान एवं विभिन्न साइजों में डायवर्टेड प्लॉट आकर्षक कीमत में बेचना है सम्पर्क करें- 9144444774 (41158)

बेचना है- नीलकंठ रेस्टोरेंट के पास, प्रताप टॉकीज के सामने, चार मंजिला काम्प्लेक्स, दो तरफ रोड युक्त (20000 वर्गफीट), प्रत्येक मंजिल (5000 वर्गफीट) बेचना है। सम्पर्क करें- 9827112585 (41170)

बेचना है-सीजी प्लाजा काम्प्लेक्स राम मार्केट के बाजू में ग्राउण्ड फ्लोर की (1) दुकान नं. G-9 (458 वर्गफुट (2) दुकान नं G-10 (462 वर्गफुट) फर्स्ट फ्लोर पर (3) दुकान नं F-8 (488 वर्गफुट) सेकेंड फ्लोर पर (4) दुकान नं S-8 (488 वर्गफुट) (5) दुकान नं S-9 (458 वर्गफुट) (6) दुकान नं S-11 (445 वर्गफुट) (7) दुकान नं S-12 (456 वर्गफुट) (8) दुकान नं S-13 (1170 वर्गफुट) (9) दुकान नं S-14 (640 वर्गफुट) थर्ड फ्लोर पर (10) दुकान नं T-5 (445 वर्गफुट) (11) दुकान नं T-6 (456 वर्गफुट) (12) दुकान नं T-7 (1170 वर्गफुट) (13) दुकान नं T-8 (640 वर्गफुट) सभी दुकानें एक साथ बेचना है। सम्पर्क करें- 7869822577 (41167)

बेचना है- भारतीय नगर स्थित शीला टॉवर के (तृतीय तल) में 2BHK फ्लैट बिक्री हेतु उपलब्ध है। इच्छुक खरीदार सम्पर्क करें- 9827166585, 9039780514 (41163)

बेचना है- सीएलसी प्लाजा, मंगला चौक बिलासपुर में फ्रंट कॉर्नर 12×24 की दो दुकाने तत्काल बेचना है। केवल खरीददार ही सम्पर्क करें- 9827112585 (41169)

बेचना है- बिलासपुर- खमतराई अशोक नगर प्रत्यक्षा विहार कॉलोनी में डबल रोड से लगा डायवर्टेड प्लॉट 2200 वर्गफीट 66 फीट का फ्रन्ट शानदार लोकेशन में बेचना है सम्पर्क करें- भूस्वामी 9589848485 9300482612 (41152)

बेचना है- कार्मिशयल प्लॉट 2500 वर्गफुट मोपका मेन रोड, ग्लोरियस सिटी के पास बेचना है बिलासपुर (छ.ग.) सम्पर्क करें- 9827984512, 7000762663 (41175)

बेचना है- अभिलाषा परिसर तिफरा में 1 BHK का फ्लैट, सुभाष कॉम्प्लेक्स, जरहाभाठा में 3 BHK का फ्लैट और बंधवापारा सरकंडा में स्वतंत्र 2 BHK का मकान बेचना है। सम्पर्क 7999415807 (41182)

बेचना है- दुकान बेचना है मेन रोड शनिचरी बाजार, बेस्ट लोकेशन में तीन मंजिला दुकान बेचना है। साइज 12x21, कुल 252 स्क्वेयर फीट। संपर्क करें: 8878911174 (41191)

बेचना है- बुधिया काम्प्लेक्स सरकंडा मेन रोड फेसिंग 10×24 की एक साथ 3 दुकान (720 वर्गफिट) स्टेट बैंक सरकंडा से लगी दुकान बेचना है। सम्पर्क करें- 9340094419 (41187)

## किराये से चाहिए

किराये से चाहिए- 2BHK, 3BHK स्वतंत्र सर्व सुविधा युक्त मकान किराए से चाहिए (एरिया रामा लाईफ, आसमां डुप्लेक्स में उस्लापुर, शुभम विहार कॉलोनी में फैमिली के लिए) सम्पर्क करें- 6266755876 (41159)

Medicare Specialists
छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंगको 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढ़ाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
09083218330

## किराया

किराया- मंगला चौक सीएलसी प्लाजा G-24 रोड पर एवं मिनोचा कॉलोनी पैट्रोल पम्प के सामने शिव्या प्लाजा शॉप नं.-114 रोड पर मेडिकल सामान सहित किराये से देना है सम्पर्क- 7804814392, 7999507957 (41178)

किराया-बिलासपुर, व्यापार विहार में गुम्बर पैट्रोल पम्प के पीछे VR NEXUS बिल्डिंग में फर्स्ट फ्लोर 2560 वर्गफुट, सेकेण्ड फ्लोर 1910 वर्गफुट, किराये पर उपलब्ध। (पार्किंग सुविधा) सम्पर्क करें-9589740766, 9425530355 (40953)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

## सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

## हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें

- जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल काम्पलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
- जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230
- शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:- मो. 9993567380, 8770837744
- एड प्रयास:- मो. 9826701269, 9926003943
- श्यामनानी एडवरटाईजर्स:- मो. 9827168452, 9300625174
- रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:- मो. 9826129386, 8319503386
- जे.जे. एडवरटाइजर्स:- मो. 9300659628
- रौनक पब्लिसिटी:- मो. 9300328290, 9981658490
- भार्गव एडवरटाइजर्स:- मो. 9827167997
- श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:- मो. 9826705603
- एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:- मो. 9827180896, 9131155033
- श्री श्याम पब्लिसिटी:- मो. 9425540759
- अमित पब्लिकेशन:- मो. 9826304304, 9827124304
- विप्रा विज्ञापन सेवा:- मो. 9302462506
- माधवास & कम्पनी:- मो. 9977185123, 9893115084
- बालाजी एडवरटाइजर्स:- मो. 9827466133, 9907047586

# कालेब यिरेनकी के अंतिम क्षणों के गोल से घाना जीता

एजेंसी ▶▶| टोरंटो

कालेब यिरेनकी के दूसरे हाफ के स्टॉपेज टाइम के पांचवें मिनट में किए गए गोल की मदद से घाना ने विश्व कप फुटबॉल के ग्रुप एल के मैच में पनामा को 1-0 से हराकर पूरे तीन अंक हासिल किए। जब लग रहा था कि मैच गोलरहित बराबरी पर छूटेगा तब यिरेनकी ने ब्रैंडन थॉमस असांटे के क्रॉस पर गोल किया। थॉमस असांटे को बायीं ओर से गोल करने का मौका मिला और उन्होंने करारा शॉट जमाया जिसे यिरेनकी ने सही दिशा देकर गोल में डाल दिया। इस मैच में दोनों टीम को गोल करने के बहुत कम मौके मिले थे। ऐसे में पनामा को उम्मीद थी कि वह विश्व कप में अपना पहला अंक हासिल करने में सफल रहेगा लेकिन यिरेनकी के गोल ने उसकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया।

## घाना ने 65वें मिनट पर किया गोल

घाना को 65वें मिनट में गोल करने का मौका मिला था जब थॉमस असांटे ने पनामा की रक्षापंक्ति को भेदते हुए बॉक्स के अंदर जॉर्डन अय्यू को पास दिया, लेकिन जियोवानी रामोस ने पीछे से आकर यह प्रयास नाकाम कर दिया। इस जीत से घाना ग्रुप एल में इंग्लैंड के साथ शीर्ष पर पहुंच गया है।

## गोलकीपर ने रोका शानदार पहला शॉट

पहले हाफ में गोल पर एकमात्र शॉट खेल शुरू होने के दो मिनट बाद लगाया गया। तब पनामा के फॉरवर्ड सेसिलियो वाटरमैन ने आमिर मुरिलो के एक निचले क्रॉस पर गेंद पर बॉक्स के बीच से शॉट लगाया लेकिन गोलकीपर एटिजिगी ने दायीं ओर डाइव लगाकर उसे रोक दिया। एटिजिगी चोटिल होने के कारण हाफटाइम के बाद मैदान पर नहीं उतरे।

## डेब्यू मैच में डियाज़ ने ठोका गोल, कोलंबिया ने उज्बेकिस्तान को दी मात

**मैक्सिको सिटी।** लुई डियाज ने फुटबॉल के सबसे बड़े मंच पर अपने पदार्पण मैच में एक गोल किया और एक गोल करने में मदद की, जिससे कोलंबिया ने विश्व कप के ग्रुप के अपने पहले मैच में उज्बेकिस्तान पर 3-1 से शानदार जीत हासिल की। विश्व कप में अपना पहला मैच खेल रहे एक अन्य खिलाड़ी डेनियल मुनोज 40वें मिनट में डियाज के पास पर कोलंबिया के लिए पहला गोल किया। डियाज ने 65वें मिनट में निर्णायक गोल दागा जब उनका करीब से लगाया गया शॉट गोता लगाकर रोकने की कोशिश कर रहे गोलकीपर उत्किर युसुपोव के हाथों को स्पर्श करके गोल लाइन के पार चला गया। उज्बेकिस्तान के लिए फैजुल्लायेव अब्बोसबेक ने 60वें मिनट में गोल किया। उज्बेकिस्तान ने एस्टाडियो एज्टेका में 80,824 दर्शकों के सामने विश्व कप में अपना पदार्पण किया।

# नहीं चला रोनाल्डो का जादू, कांगो ने पुर्तगाल को बराबरी पर रोका

एजेंसी ▶▶| ह्यूस्टन

अर्जेंटीना के लियोनेल मेस्सी ने हैट्रिक बनाकर अपनी टीम को विश्व कप फुटबॉल में शानदार शुरुआत दिलाई थी लेकिन उन्हीं की तरह छठी बार इस टूर्नामेंट में भाग ले रहे एक अन्य दिग्गज खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो ऐसा कोई कमाल नहीं दिखा पाए और उनकी टीम पुर्तगाल को कांगो के खिलाफ अप्रत्याशित रूप से 1-1 से ड्रॉ खेलना पड़ा।

## कांगो 52 वर्ष में पहली बार हिस्सा ले रहा

कांगो 52 वर्ष में पहली बार विश्व कप में भाग ले रहा है। वह अफ्रीका की दूसरी टीम है जिसने यूरोप की किसी मजबूत टीम को बराबरी पर रोका। इससे पहले सोमवार को केप वर्डे ने स्पेन को गोलरहित बराबरी पर रोका था। एनआरजी स्टेडियम में 68,777 दर्शकों में पुर्तगाल के समर्थकों की संख्या काफी अधिक थी। उसकी टीम ने अच्छी शुरुआत की थी। जोआओ नेवेस ने छठे मिनट में पुर्तगाल को शुरुआती बढ़त दिलाई। पांच फुट सात इंच लंबे इस मिडफील्डर ने पेड्रो नेटो के क्रॉस पर हेडर से गोल किया लेकिन पहले हाफ के स्टॉपेज टाइम में आर्थर मासुअकू के क्रॉस पर योआने विस्सा ने हेडर से गोल करके कांगो को बराबरी पर ला दिया, जिससे नीली जर्सी पहने उसके मुट्ठी भर प्रशंसक खुशी से झूम उठे।

## हैरी ने दागे दो गोल, इंग्लैंड ने क्रोएशिया को हराया

**आर्लिंगटन।** हैरी केन ने दो गोल करके विश्व कप फुटबॉल में सर्वाधिक गोल करने के इंग्लैंड के रिकॉर्ड की बराबरी की जिससे उनकी टीम ने ग्रुप एल के अपने पहले मैच में क्रोएशिया पर 4-2 की जीत से अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। केन ने 12वें मिनट में पेनल्टी को गोल में बदला। उन्होंने इसके बाद 42वें मिनट में अपना दूसरा गोल किया।

# श्रेयस अय्यर ने पलट दिया भारत के वनडे क्रिकेट का इतिहास

**नई दिल्ली।** श्रेयस अय्यर ने अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे में 3000 रन पूरे करते हुए विराट कोहली का रिकॉर्ड तोड़ दिया। अय्यर ने यह उपलब्धि 72 पारियों में हासिल की और भारत के लिए सबसे तेज 3000 वनडे रन बनाने वाले खिलाड़ियों की सूची में संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर पहुंच गए।

भारतीय क्रिकेट टीम ने अफगानिस्तान के खिलाफ दूसरे वनडे में शानदार प्रदर्शन करते हुए 170 रन से बड़ी जीत दर्ज की। इस जीत के साथ टीम इंडिया ने तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली। मुकाबले में जहां कप्तान शुभमन गिल और ईशान किशन ने शतक लगाए, वहीं उपकप्तान श्रेयस अय्यर ने एक खास उपलब्धि अपने नाम कर ली।

## गेंदों के हिसाब से भी खास उपलब्धि

अगर सबसे कम गेंदों में 3000 वनडे रन बनाने वाले भारतीय खिलाड़ियों की बात करें तो श्रेयस अय्यर तीसरे स्थान पर हैं। उन्होंने इस मुकाम तक पहुंचने के लिए 3049 गेंदों का सामना किया। इस सूची में शीर्ष स्थान पर पूर्व कप्तान और 1983 विश्व कप विजेता कपिल देव हैं।

**न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) कोटा, जिला बिलासपुर, छ.ग.**
राजस्व अपील
प्र.क्र.202602072200008/अ-6/2025-26, ग्राम-रतनपुर, तहसील-रतनपुर, जिला बिलासपुर, छ.ग.
क्रमांक /1156/ वाचक-1/2026
कोटा/दिनांक 10/06/26

**पक्षकार**

डी.डी. आहूजा पिता स्व. टेहकनदास आहूजा वगै. उम्र 66 वर्ष निवासी मेनरोड नया सरकंडा बिलासपुर, तहसील, एवं जिला बिलासपुर, छ.ग..अपीलार्थीगण।

**बनाम**

तारा शिंदे पति भरतराव वगै. निवासी करैहापारा, तहसील रतनपुर, जिला बिलासपुर, छ.ग.
......उत्तरवादीगण।

**''सूचना''**

प्रति,
1. यशवंत पिता कामेश्वर 2. संजय पिता कामेश्वर 3.अजय पिता कामेश्वर निवासी करैहापारा रतनपुर, जिला बिलासपुर, छ.ग.4. शालिनी पिता शत्रुहनराव निवासी मकान नं. 197 वीर सावरकर वार्ड गढ़ा, जबलपुर म.प्र.

विषय:-पेशी में उपस्थित होने बाबत।

इस न्यायालय में अपीलार्थीगण श्री डी.डी आहूजा पिता स्व. टेहकनदास आहूजा वगै.,. निवासी मेनरोड नया सरकंडा बिलासपुर, तहसील एंव जिला बिलासपुर, छ.ग.भू-राजस्व संहिता, 1959 की धारा 44 (1) के तहत ग्राम-रतनपुर न्यायालय तहसीलदार, रतनपुर के रा.प्र.क्र. 202508072 300015/31-6/2024-2025, आदेश दिनांक 11.12.2025 के विरूद्ध में अपील आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

उक्त प्रकरण की सुनवाई दिनांक 25.06.2026 को अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में नियत है।

एतद् द्वारा आपको सूचित किया जाता है कि, आप उक्त प्रकरण में सुनवाई हेतु अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में उक्त दिनांक एवं स्थान में 11.00 बजे स्वतः या अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रकरण में भाग ले सकते है। अनुपस्थिति की दशा में आपके विरुद्ध एक पक्षीय कार्यवाही की जावेगी।

यह भी सूचित किया जाता है कि, यदि उक्त नियत दिनांक को अवकाश घोषित हो जाता है, तो प्रकरण की सुनवाई आगामी न्यायालयीन दिवस में की जावेगी।

आज दिनांक............को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की सील मुहर द्वारा जारी किया गया।

**अनुविभागीय अधिकारी (रा.) कोटा, जिला बिलासपुर (छ.ग.)**

## डायमंड लीग : नीरज का मुकाबला श्रीलंका के रुमेश पथिरागे से

**दोहा।** भारतीय भाला फेंक सुपरस्टार नीरज चोपड़ा को उम्मीद होगी कि जब वह शुक्रवार को यहां दोहा डायमंड लीग में फॉर्म में चल रहे शीर्ष प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ वापसी करेंगे तो चोट के कारण प्रतियोगिताओं से अनुपस्थिति उनकी लय को प्रभावित नहीं करेगी।

इसमें भाग लेने वाले शीर्ष स्तरीय खिलाड़ियों में श्रीलंका के उभरते हुए स्टार रुमेश थरंगा पथिरागे भी शामिल होंगे जिन्होंने कुछ दिन पहले ही 90 मीटर का आंकड़ा पार किया है। दूसरी ओर 28 वर्षीय चोपड़ा पीठ की चोट से उबर रहे हैं लेकिन उन्हें उम्मीद है कि कतर स्पोर्ट्स क्लब में वह शुरुआत से ही अपनी लय हासिल कर लेंगे। दोहा उनके लिए भाग्यशाली रहा है। यहीं पर दो बार के ओलंपिक पदक विजेता चोपड़ा ने पिछले साल मई में 90 मीटर का थ्रो किया था।

**पश्चिम मध्य रेल**

**खुली निविदा, विद्युत (सामान्य शाखा)**

मंडल रेल प्रबंधक (विद्युत सामान्य) पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर भारत संघ के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित पर खुली निविदा आमंत्रित करता है। **निविदा सूचना कमांकः** जबल-एल-टी-नं. 45-2025R, दिनांक 29.05.2026, **कार्य का नाम लोकेशन सहितः** एनकेजे में रिसीविंग यार्ड का पुनर्निर्माण करके वहां की लाइनों की सीएसआर/सीएसएल में वृद्धि करना।, **निविदा का अनुमानित मूल्य (कीमत रूपये में ) :** Rs. 6055940.36, **बयाना राशि रुपये :** Rs. 121100.00, **समापन अवधि (माह/वर्ष) :** 06 माह, **निविदा जमा करने की तिथि एवं समय (15:00 बजे तक) :** 22/06/2026, **निविदा खुलने की तिथि एवं समय (15:30 बजे तक) :** 22/06/2026, **निविदा सूचना कमांक :** जबल-एल टी-नं. 15-2026R दिनाक 15.06.2026, **कार्य का नाम लोकेशन सहित :** ADEN-HQ/JBP उप-विभाग के अंतर्गत पेयजल, स्वच्छता. प्लेटफार्म को धुलाई, कोचों में पानी भरने और यात्रियों के अन्य उपयोगों के लिए एक समर्पित और विश्वसनीय 24x7 जल आपूर्ति प्रणाली की व्यवस्था करना।, **निविदा का अनुमानित मूल्य (कीमत रूपये में ) :** Rs. 31764373,81, **बयाना राशि रुपये :** Rs 635300.00, **समापन अवधि (माह/वर्ष) :** 12 माह, **निविदा जमा करने की तिथि एवं समय (15:00 बजे तक) :** 10/07/2026, **निविदा खुलने की तिथि एवं समय (15:30 बजे तक) :** 10/07/2026, **निविदा सूचना कमांक :** जबल-एल-टी-नं. 17-2026R, दिनांक 15.06.2026, **कार्य का नाम लोकेशन सहित :** जेबीपी- यार्ड का पुनर्निर्माण एआरएमवी साइडिंग, एआरटी साइडिंग और स्टेबलिंग लाइन नंबर 3 का विस्तार ताकि पूरी लंबाई की ट्रेन को समायोजित किया जा सके, **निविदा का अनुमानित मूल्य (कीमत रूपये में) :** Rs. 6739515.00, **बयाना राशि रुपये :** Rs.134800.00, **समापन अवधि (माह/वर्ष) :** 06 माह, **निविदा जमा करने की तिथि एवं समय (15:00 बजे तक) :** 08/07/0026, **निविदा खुलने की तिथि एवं समय (15:30 बजे तक) :** 08/07/0026, **निविदा सूचना कमांक :** जबल-एल-टी-नं. 09-2026R, दिनांक 15.06.2026, **कार्य का नाम लोकेशन सहित :** एडेन/मुख्यालय/जेबीपी उपमंडल के अंतर्गत जबलजुर स्थित रेल सौरभ कॉलोनी (चरण-1) में 10 यूनिट आरबी-वी क्वार्टर (G+5) का निर्माण।, **निविदा का अनुमानित मूल्य (कीमत रूपये में ) :** Rs.5485693.82, **बयाना राशि रुपये :** Rs.109700.00, **समापन अवधि (माह/वर्ष) :** 12 माह, **निविदा जमा करने की तिथि एवं समय (15:00 बजे तक) :** 07/07/2026, **निविदा खुलने की तिथि एवं समय (15:30 बजे तक) :** 07/07/2026, **निविदा सूचना कमांक :** जबल-एल-टी-नं. 12-2026R, दिनांक 15.06.2026, **कार्य का नाम लोकेशन सहित** :जेबीपी डिवीजन द्वारा हाईमास्ट का नवीनीकरण, जिसमें ट्रांसफार्मर को सर्कुलेटिंग एरिया में स्थानांतरित करना और डीजी सेट को स्थानांतरित करना शामिल है।, **निविदा का अनुमानित मूल्य (कीमत रूपये में ) :** Rs. 13205925.51, **बयाना राशि रुपये :** Rs. 264100.00, **समापन अवधि (माह/वर्ष) :** 12 माह, **निविदा जमा करने की तिथि एवं समय (15:00 बजे तक) :** 09/07/2026, **निविदा खुलने की तिथि एवं समय (15:30 बजे तक) :** 09/07/2026, **उपरोक्त सभी निविदाओं के फार्म की कीमत (रूपये में) :** 0.00, **उपरोक्त सभी निविदाओं के कार्यालय का पता जहां टेन्डर फार्म खरीदा जा सकता है। :** वरि. मंडल विद्युत अभियंता/सामान्य/जबलपुर निविदा सूचना की पूर्ण जानकारी रेल्वे वेब साइट https://ireps.gov.in पर उपलब्ध है पूर्ण निविदा प्रपत्र उक्त वेब साइट से डाउन लोड की जा सकती है।

**हस्ता.**
**वरि. मंडल विद्युत अभियंता (समान्य), पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर**

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

**साऊथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड**
**''मिनी रत्न कम्पनी''**
**(कोल इण्डिया लिमिटेड का उपक्रम)**

**सूचना**

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि एसईसीएल कुमसुण्डा क्षेत्र ग्राम पाली के 295.795 हे. की भूमि का अर्जन सीबीए एक्ट (अर्जन एवं विकास) अधिनियम 1957 के तहत् किया गया है जिसमें लागू सी.आई.एल. (आर एंड आर) पालिसी 2012 के अनुसार घटते क्रम (रकबा में) Concept के आधार पर 147 भू स्वामियों/आश्रितों की पात्रता बनती है जिसमें 01 भूमि स्वामी/आश्रित द्वारा रोजगार हेतु नामांकन पत्र जमा किया गया है, जिसका विवरण अधोलिखित तालिका अनुसार है-

| क्र. | स्टटमेंट 5 के अनुसार भूस्वामी का नाम/पिता का नाम | खाता नम्बर | खसरा नम्बर | रकबा (एकड़ में) | कुल रकबा (एकड़ में) | उम्मीदवार का नाम (नामांकित व्यक्ति का नाम) एवं खातेदार से संबंध | भूस्वामियों/नामित उम्मीदवार द्वारा जमा किए गए पत्रों में भूस्वामी/उम्मीदवार का नाम | | | टिप्पणी |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | | | विभिन्न दस्तावेज | विभिन्न दस्तावेज क आधार पर खातेदार का नाम | विभिन्न दस्तावेज के आधार पर उम्मीदवार का नाम | |
| 1 | ना.बा. प्रदयुम पिता बलराम यादव बली माँ भगवती बेवा बलराम | 296 | 232/3<br>466/2 | 0.17<br>0.84 | 1.01 | भगवती पति बलराम संबंध-पत्नी | नामांकन पत्र | बलराम पिता तीजराम | भगवती पति बलराम | खातेदार एवं उम्मीदवार के द्वारा प्रस्तुत शपथ पत्र के अनुसार विभिन्न पत्रों/दस्तावेजों में भिन्न भिन्न नाम एक ही व्यक्ति के है। |
| | | | | | | | सत्यापन | ना.बा. प्रदयुम पिता बलराम यादव बलीं माँ भगवती बेला बलराम | भगवती पति बलराम | |
| | | | | | | | घटते क्रम सूची के अनुसार क्र. सं. 104 | ना. बा. प्रदयुम पिता बलराम यादव बलीं माँ भगवती बेवा बलराम | | |
| | | | | | | | बी-1 वर्ष 2008-09 | ना.बा. प्रदयुम पिता बलराम यादव बलीं माँ भगवती बेवा बलराम | | |
| | | | | | | | पी-2 वर्ष 2008 से 2013 | ना.बा. प्रदयुम पिता बलराम यादव बली माँ भगवती बेवा बलराम | | |
| | | | | | | | ऋण पुस्तिका | ना.बा. प्रदयुम पिता बलराम यादव बलीं माँ भगवती बेवा बलराम | | |
| | | | | | | | वंशवृक्ष | बलराम पिता तीजराम | भगवति पति बलराम | |
| | | | | | | | निवास प्रमाण पत्र | | भगवति पति बलराम | |
| | | | | | | | जाति प्रमाण पत्र | | भगवती पिता मुरारी | |
| | | | | | | | शैक्षणिक प्रमाण पत्र (कक्षा 10 वीं) | | | |
| | | | | | | | रोजगार पंजी | | भगवति पति बलराम | |
| | | | | | | | आधार कार्ड | छेदीलाल पिता नंदलाल | भगवती बाई पिता बलराम | |

उक्त भूस्वामी/नामांकित व्यक्ति (उम्मीद्वार) के रोजगार या उनके नाम के संबंध में किसी भी व्यक्ति को किसी प्रकार की यदि आपत्ति हो तो वे प्रकाशन दिवस से 7 दिनों के अंदर अपना दावा आपत्ति महाप्रबंधक, कार्यालय एसईसीएल कुसमुण्डा क्षेत्र में प्रस्तुत कर सकते है, दिये गये समयावधि के पश्चात् प्राप्त दावा आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा

स्टाफ अधिकारी (भू-राजस्व)
एसईसीएल, कुसमुण्डा क्षेत्र

SECL/26-27/60

**साऊथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड**
**''मिनी रत्न कम्पनी''**
**(कोल इण्डिया लिमिटेड का उपक्रम)**

साईकोलि/मप्र/कुस (क्षेत्र)/भू.रा./2026/414 दिनांक 17.06.2026

**सूचना**

एसईसीएल कुसमुण्डा क्षेत्र द्वारा अधिग्रहित ग्राम पाली के समस्त ग्रामीणों को सूचित किया जाता है कि ग्राम पाली के अधिकांश व्यक्तियों द्वारा अपने मकान एवं अन्य परिसंपत्तियों (Asset) का मापन कार्य करा लिया गया है। किन्तु कुछ व्यक्तियों द्वारा मापन कार्य नहीं कराया गया, जिसके कारण उनकी परिसंपत्तियों का ड्रोन सर्वे के माध्यम से मापन किया गया है, ऐसे मकान मालिकों का विवरण निम्नलिखित तालिकानुसार दर्शायी गयी है:-

| ड्रोन सर्वे क्र० | मकान मालिक/काबिज व्यक्ति का नाम | पिता/पति का नाम |
|---|---|---|
| DS-1 | कुमार सिंह | ध्वजा राम |
| DS-2 | सेवा राम | परस राम |
| DS-3 | प्रहलाद | नारायण प्रसाद |
| DS-4 | खगेन्द्र सिंह | श्याम सिंह |
| DS-5 | बृज नंदन यादव | सुधाराम |
| DS-6 | कैलाश प्रसाद | साध राम |
| DS-7 | समार साय | मोहर साय |
| DS-8 | नंद कुमार | परस राम |
| DS-9 | विष्णु | ज्वाला प्रसाद |
| DS-10 | मनोज | बैशाखू |
| DS-11 | किरण कुमार | छेदीलाल कैंवट |
| DS-12 | राधेश्याम | पति राम |
| DS-13 | नंदा कुमारी | परस राम |
| DS-14 | गोविंदा | परस राम |
| DS-15 | अश्वनी कुमार | परस राम |
| DS-16 | डमरू दास | बहोरन |
| DS-17 | छत राम | वेदराम |
| DS-18 | सियाराम | वेदराम |
| DS-19 | नंद कुमार | परस राम |
| DS-20 | गोविंदा | परस राम |
| DS-21 | सेवा राम | परस राम |
| DS-22 | इंदिरा बाई | हीरा दास |
| DS-23 | पंचम दास | दया दास |
| DS-24 | प्रेम दास | दया दास |
| DS-25 | अमर दास | अधीन दास |
| DS-26 | शिव कुमारी | अमर दास |
| DS-27 | तुलसी दास | अमर दास |
| DS-28 | करन वैष्णव | विष्णु |
| DS-29 | राजू देवांगन | माखन लाल |
| DS-30 | सावित्री बाई | हरिहर दास |
| DS-31 | सेतराम | वेदराम |
| DS-32 | सेवा राम | परस राम |
| DS-33 | राजकुमार | सुखदेव |
| DS-34 | रामधन | सुखदेव |
| DS-35 | लक्ष्मी प्रसाद | रामधान |
| DS-36 | राधे | रामधन यादव |
| DS-37 | दीपक | घासी राम यादव |
| DS-38 | नोहर कुँवर | बुधराम यादव |
| DS-39 | महेन्द्र कुमार यादव | |
| DS-40 | वृहस्पति यादव | चमरा राम |
| DS-41 | गैद राम | चन्दा राम |
| DS-42 | रीता | बंधन राम यादव |
| DS-43 | मायाराम | जगत सारथी |
| DS-44 | जमुना | माया राम |
| DS-45 | छदा ब्रिज | केदार नाथ |
| DS-46 | जितेन्द्र | इतवार साय |
| DS-47 | पुनी राम | अनंत राम |
| DS-48 | बृहस्पाल | पुनीराम कैंवट |
| DS-49 | विनोद यादव | पुनीराम कैंवट |
| DS-50 | पुन्नू | पुनीराम कैंवट |
| DS-51 | खगेन्द्र सिंह | श्याम लाल |
| DS-52 | रामकुमार यादव | सुखदेव |
| DS-53 | धनमती | लाभो प्रसाद (पति) |
| DS-54 | दिलीप | भोला राम |
| DS-55 | महावीर | लच्छीराम |
| DS-56 | फिरत राम यादव | तुलसाय यादव |
| DS-57 | उमेद राम | चमरा राम |
| DS-58 | आकाँसा, हर्ष | ताराचंद |
| DS-59 | विष्णु | संत राम |
| DS-60 | उर्मिला | बुद्धू लाल |
| DS-61 | नीरा बाई | विष्णु |
| DS-62 | दिनेश शुक्ला | घनश्याम शुक्ला |
| DS-63 | रमेश शुक्ला | घनश्याम शुक्ला |
| DS-64 | दशरथ शुक्ला | लखन शुक्ला |
| DS-65 | सुनील शुक्ला | लखन शुक्ला |
| DS-66 | जय प्रकाश | परमेश्वर |
| DS-67 | चंद्रशेखर | परमेश्वर |
| DS-68 | अनूपा तिवारी | परमेश्वर |
| DS-69 | पवन कुमार | परमेश्वर शुक्ला |
| DS-70 | गर्जन दास | रामदास |
| DS-71 | श्याम दास | गर्जन दास |
| DS-72 | अनन्द दास | गर्जन दास |
| DS-73 | निर्मल दास | हरिहर दास |
| DS-74 | शिव प्रकाश | अमर दास |
| DS-75 | कृष्णा दास | हरिहर दास |
| DS-76 | पवारा बाई | झाडू राम (पति) |
| DS-77 | विरेन्द्र कुमार यादव | मनोहर यादव |
| DS-78 | ईश्वर दास | चतुरन दास |
| DS-79 | शंकर दास | चतुरन दास |
| DS-80 | कृष्णा यादव | कमला प्रसाद यादव |
| DS-81 | लक्ष्मी प्रसाद | कमला प्रसाद यादव |
| DS-82 | किशुन प्रसाद यादव | कमला प्रसाद यादव |
| DS-83 | चंद्रभूषण, सूरज | प्यारे लाल यादव |
| DS-84 | विनोद यादव | राम यादव |
| DS-85 | घसनीन बाई | बंशीलाल (पति) |
| DS-86 | दिनहरण सारथी | जगत राम सारथी |
| DS-87 | राजेश्वर श्रीवास | अनुज राम श्रीवास |
| DS-88 | राजकुमारी | गोरेलाल (पति) |
| DS-89 | सुशीला | काशी दास |
| DS-90 | बालकुंवर | स्व. जग साय यादव (पति) |
| DS-91 | अहिल्या बाई | स्व. कृपा राम यादव (पति) |
| DS-92 | बंधन बाई | स्व. साधराम यादव (पति) |
| DS-93 | राम लाल यादव | गंभीर साथ यादव |
| DS-94 | आनंद,सनत, नंद कुमार | राधेलाल |
| DS-95 | सावित्री बाई | हरिहर दास |
| DS-96 | पीताम्बर दास | ज्ञान दास |
| DS-97 | अमर दास | स्व. अधिन दास |
| DS-98 | मनहरण दास | अमर दास |
| DS-99 | किस्मत दास | अमर दास |
| DS-100 | सुमन कुमारी | ऋषि कुमार |
| DS-101 | ओम प्रकाश | मनहरण |
| DS-102 | सनत् कुमार साहू | मदन लाल साहू |
| DS-103 | लक्ष्मी कांता | रामलाल यादव |
| DS-104 | नंद कुमार | मोहित राम |
| DS-105 | राज कुमार | कमला प्रसाद |
| DS-106 | राम साय | सुखी राम |
| DS-107 | सुघरोतीन | खोला साय |
| DS-108 | कुंज राम यादव | सुखनंदन यादव |
| DS-109 | समार साय | मोहर साय |
| DS-110 | ईतवारा बाई | |
| DS-111 | मंगल साय | |
| DS-112 | कृष्ण कन्हैया | तिज राम |
| DS-113 | रामस्वरूप | पखना सारथी |
| DS-114 | शंकर | पखना सारथी |
| DS-115 | दुर्गा | पखना सारथी |
| DS-116 | मनीराम | जगदेव पटेल |
| DS-117 | श्याम सुन्दर | चौंध राम यादव |
| DS-118 | गोपाल | बंशीलाल यादव |
| DS-119 | महाबीर | लच्छी राम यादव |
| DS-120 | राजकुमार | कामता प्रसाद |
| DS-121 | बंधन दास | हुलासी दास |
| DS-122 | काशी दास | सदासी दास |
| DS-123 | प्रहलाद | नारायण सारथी |
| DS-124 | बरातू | संतराम |
| DS-125 | अरुण कुमार | संतोष सिंह |

अतः संबंधित व्यक्ति इस सूचना के प्रकाशन दिनांक से 07 (सात) दिवस के भीतर यदि कोई दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना चाहते हों, तो निर्धारित अवधि में संबंधित कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर विचार किया जाना संभव नहीं होगा।

आदेशानुसार
**महाप्रबंधक,**
**एसईसीएल, कुसमुण्डा क्षेत्र**

SECL/26-27/59

# जेल में बंद हत्या का आरोपी छात्र नीट की परीक्षा देगा

## चीफ जस्टिस ने कहा-जरूरी किताबें भी उपलब्ध कराएँ

## एसपी रायपुर और जेल अधीक्षक को जरूरी निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▸▸ बिलासपुर

चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा ने अर्जेंट हियरिंग हेतु पेश मामले में सुनवाई करते हुए सेन्ट्रल जेल रायपुर में निरुद्ध छात्र को रविवार को आयोजित नीट परीक्षा में बैठने की अनुमति प्रदान की है। कोर्ट ने रायपुर एसपी और जेल अधीक्षक को निर्देशित किया है कि, छात्र को उचित हिरासत में एग्जाम सेंटर लेकर जाना सुनिश्चित करें । आवेदक छात्र को भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 108 के तहत दंडनीय अपराध के लिए पुलिस स्टेशन खमतराई, जिला रायपुर (सी.जी.) में पंजीकृत अपराध संख्या 430/2026 के संबंध में गिरफ्तार किया गया था।

एडवोकेट अनुकूल विश्वास के माध्यम से हाईकोर्ट में अस्थायी जमानत की मांग करते हुए इंटरिम एप्लीकेशन पेश किया गया आवेदक के वकील ने कहा कि आवेदक को नीट 2026 परीक्षा में उपस्थित होना आवश्यक है, जो 21.जून .2026 को केंद्रीय विद्यालय, रायपुर में आयोजित होने वाली है। यह भी कहा कि प्रवेश पत्र की एक प्रति इस आवेदन के साथ संलग्न की गई है । यह भी निवेदन किया जाता है कि आवेदक को जेल में आवश्यक अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराई जाए, ताकि वह उक्त परीक्षा के लिए पर्याप्त तैयारी कर सके। चीफ जस्टिस ने मामले में अर्जेंट सुनवाई करते हुए निर्देश दिया कि आवेदक छात्र को परीक्षा में उपस्थित होने के उद्देश्य से 21 जून

2026 को पुलिस हिरासत में परीक्षा केंद्र, अर्थात केंद्रीय विद्यालय, रायपुर ले जाया जाए। रायपुर जिले के पुलिस अधीक्षक और संबंधित जेल के अधीक्षक यह सुनिश्चित करेंगे कि आवेदक को उचित पुलिस हिरासत में परीक्षा केंद्र ले जाया जाए और उसे निर्धारित तिथि और समय पर उक्त परीक्षा में भाग लेने की अनुमति दी जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि आवेदक को लागू जेल नियमों और विनियमों के अधीन, जेल में प्रासंगिक अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी, ताकि वह इस परीक्षा की तैयारी कर सके परीक्षा पूरी होने पर आवेदक को तुरंत संबंधित जेल में वापस लाया जाएगा जहाँ वह वर्तमान में बंद है। कोर्ट नेकहा कि चूंकि अभी तक आरोप पत्र दाखिल नहीं किया गया है, इसलिए इस मामले को तीन सप्ताह बाद फिर से सूचीबद्ध किया जाए । आदेश की एक प्रति यहाँ भेजेंरजिस्ट्रार (न्यायिक) को निर्देश दिया गया है कि वे इस आदेश की एक प्रति संबंधित ट्रायल कोर्ट, पुलिस अधीक्षक और साथ ही उस जेल के अधीक्षक को तत्काल भेजें जहां आवेदक वर्तमान में बंद है, ताकि उन्हें सूचना दी जा सके और आवश्यक अनुपालन किया जा सके।

## छत्तीसगढ़ से उज्बेकिस्तान लौटेंगी होटल से पकड़ाईं 2 महिलाएं

हाईकोर्ट ने बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर सुनवाई करते हुए 2 उज्बेकिस्तान की महिलाओं को उनके देश वापस भेजने का रास्ता साफ कर दिया है। कोर्ट ने कहा है कि राज्य सरकार, केंद्र सरकार और उज्बेकिस्तान दूतावास समेत सभी पक्ष डिपोर्टेशन (प्रत्यावर्तन) के पक्ष में हैं, इसलिए याचिका में अब विचारणीय कुछ बाकी नहीं रह गया है। हाईकोर्ट के आदेश के बाद दोनों महिलाओं को उज्बेकिस्तान भेजने की प्रक्रिया जल्द शुरू की जाएगी। इस मामले में उज्बेकिस्तान दूतावास ने भी अदालत से जल्द डिपोर्टेशन के लिए जरूरी आदेश जारी करने का अनुरोध किया था। ध्यान रहे कि 9 जनवरी 2026 को पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि 'होटल एरिना बुटिक' में 2 विदेशी युवतियां ठहरी हुई हैं, जिनकी गतिविधियां संदिग्ध हैं। सूचना पर तेलीबांधा पुलिस की टीम ने दबिश दी और दोनों को हिरासत में लिया था। 10 मार्च 2026 तक बार-बार मौका देने के बावजूद दोनों महिलाएं भारत में रहने या यात्रा करने का कोई भी वैध प्रमाण पेश नहीं कर पाईं। इसके बाद पुलिस ने 13 मार्च 2026 को उनके खिलाफ आव्रजन और विदेशी विषयक अधिनियम 2025 की धारा 3, 21 और 23 के तहत अपराध दर्ज किया था।

■ हाईकोर्ट ने कहा – राज्य और केंद्र सरकार के साथ दूतावास भी सहमत

### *जेल परिसर में बने डिटेंशन सेंटर में रखी गईं*

*महिलाओं पर संदिग्ध गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगा था। पुलिस की जांच के दौरान महिलाएं पासपोर्ट, वीजा संबंधित दस्तावेज नहीं दे पाईं। दोनों को रायपुर सेंट्रल जेल परिसर में बने डिटेंशन सेंटर में रखा गया। हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान राज्य सरकार, केंद्र सरकार और उज्बेकिस्तान दूतावास की ओर से कोर्ट को बताया गया कि, दोनों विदेशी महिलाओं को उनके देश वापस भेजने की कार्रवाई की जा सकती है। इस पर हाईकोर्ट ने कहा कि, जब सभी संबंधित पक्ष डिपोर्टेशन के पक्ष में हैं, तब याचिका लंबित रखने का कोई औचित्य नहीं है। हाईकोर्ट के आदेश के बाद संबंधित एजेंसियां अब यात्रा दस्तावेज, पहचान सत्यापन और दूतावास से समन्वय जैसी औपचारिकताएं पूरी करेंगी। प्रक्रिया पूरी होने के बाद दोनों महिलाओं को उनके देश उज्बेकिस्तान भेजा जाएगा।*

## प्रदेश के 400 मिल संचालकों ने दायर की याचिका

रायपुर दाल मिल एसोसियेशन के मामले में सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने याचिका मंजूर कर ली है। इसके साथ ही अंतरिम राहत प्रदान करते हुए राज्य शासन द्वारा जारी 26 साल का बकाया निराश्रित शुल्क एक साथ दिए जाने के आदेश को हाईकोर्ट के निर्णय से बाधित रखा है। दरअसल राज्य शासन ने एक नोटिफिकेशन जारी कर बाहर से आने वाले अनाजों पर वर्ष पिछले 26 सालों का 0.2 प्रतिशत निराश्रित शुल्क देने का निर्देश सभी दाल और अन्य अनाज से सबंधित मिलों, उद्योगों को दिया। यह निराश्रित शुल्क समाज कल्याण विभाग के अंतर्गत गरीब वर्ग और असहाय लोगों के लिए होता है। याचिका के मुताबिक छत्तीसगढ़ शासन ने अब तक बाहर से आने वाले अनाज , दलहन तिलहन पर छूट दे रखी थी अब 2026 में अचानक नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। इसमें पिछले 26 साल का शुल्क एक साथ मंडी बोर्ड के पास जमा करने को कहा गया है। यह भी चेतावनी दी गई है कि, अगर यह शुल्क जमा नहीं हुआ तो लाइसेंस भी निरस्त कर दिया जाएगा। इस वजह से उद्योग संचालकों को स्व आंकलन करते हुए राशि जमा करने को कहा गया। रायपुर दाल मिल एसोसियेशन ने करीब 400 मिल संचालकों की ओर से एडवोकेट अमन सक्सेना के माध्यम से हाईकोर्ट की शरण ली।

■ शासन के अधिसूचना को कोर्ट के निर्णय से बाधित किया

### *नवंबर 2000 से इस पर छूट थी*

*चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रविन्द्र कुमार अग्रवाल की डीबी में सुनवाई हुई । सुनवाई के दौरान एसोसियेशन के अधिवक्ता ने बताया कि, छत्तीसगढ़ निराश्रित एवं निर्धन व्यक्तियों की सहायता अधिनियम 1970 के तहत यह स्पष्ट है,कि कृषि उपज मंडी अधिनियम के अंतर्गत मंडी फीस लिए जाते समय ही यह शुल्क लिया जा सकता है। एक नवंबर 2000 से शासन ने दलहन , तिलहन और गेहूं पर इससे छूट दे रखी थी। इतने वर्षों बाद अचानक नया आदेश जारी करना विधिक और उचित नहीं हैं। सुनवाई के बाद कोर्ट ने अंतरिम राहत देते हुए फिलहाल शुल्क वसूलने पर रोक लगाते हुए इस याचिका पर आने वाले निर्णय से इसे बाधित कर दिया है। राज्य शासन और मंडी बोर्ड समेत सभी प्रतिवादियों को नोटिस जारी कर जवाब भी माँगा गया है।*

## नोटिस के बाद परसापानी-बंगाभाठा के नागरिकों मिलेगी पहुंच मार्ग की सुविधा

हाईकोर्ट के संज्ञान में लेने के बाद कोटा ब्लॉक के बिलासपुर-मरवाही बाइपास के पास स्थित ग्राम परसापानी-बंगाभाठा के नागरिकों को ऑल वेदर एप्रोच रोड की सुविधा मिलेगी। लोक निर्माण विभाग के सचिव ने इस संबंध में हाईकोर्ट में शपथ प्रस्तुत कर लोगों की शिकायत दूर करने उठाए जा रहे प्रक्रिया की जानकारी दी है। इस पर चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा एवं जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल की डीबी ने इस मामले को आगे की मॉनिटरिंग के लिए 16 जुलाई को फिर से लिस्ट करने व छत्तीसगढ़ सरकार के पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट के सेक्रेटरी, टेंडर्स की आगे की प्रोग्रेस और मौजूदा स्टेटस के बारे में अपना पर्सनल एफिडेविट फाइल कर काम शुरू होने के बारे में इस कोर्ट को बताएंगे। याचिका के मुताबिक कोटा ब्लॉक के बिलासपुर-मरवाही बाइपास से चार किलो मीटर दूर स्थित गांव परसापानी, बंगाभाठा में आजादी के 75 वर्ष बाद भी सभी मौसम के लिए सड़क सुविधा नहीं मिलती है और बरसात में गांव टापू में बदल जाता है।

### 2 करोड़ में होगा पूरा काम

नोटिस के बाद पीडब्ल्यूडी ने शपथ पत्र पेश किया है।इसमें बताया गया है कि पुडु से बंगला भाटा तक एक ऑल-वेदर अप्रोच रोड बनाई जाएगी। साथ ही पुडु, ब्लॉक कोटा में बगबुड़ा नाले पर एक बॉक्स-टाइप पुलिया (एक परमानेंट और स्ट्रक्चर के हिसाब से सही क्रॉसिंग के तौर पर) बनाई जाएगी। प्रोक्योरमेंट प्रोसेस और फाइनेंशियल मंजूरियों के बाद टेंडर प्रक्रिया प्रारंभ कर दिया गया है। इसमें कुल 2 करोड़ का खर्चा आएंगा।

## रोचक खबरें

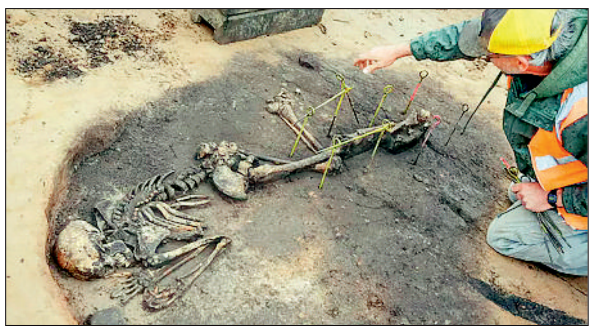

## बिजली की लाइन बिछाते वक्त मिला 5000 साल पुराना कंकाल

**नई दिल्ली।** जर्मनी के गेर्स्टविट्ज में बिजली लाइन के काम के दौरान आर्कियोलॉजिस्ट्स को एक 5000 साल पुराना मानव कंकाल मिला है। यह स्केलेटन एक प्राचीन भट्टी के गड्ढे में दबा हुआ था और इसकी खोपड़ी बुरी तरह टूटी हुई थी। एक्सपर्ट्स का मानना है कि यह कॉर्डेड वेयर कल्चर के एक 25 साल के युवक का है। इसकी मौत किसी लड़ाई, मर्डर या फिर देवताओं को खुश करने के लिए दी गई नरबलि के कारण होने की आशंका जताई जा रही है। जर्मनी के एक छोटे से गांव गेर्स्टविट्ज में खुदाई के दौरान चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। यहां काम कर रहे आर्कियोलॉजिस्ट्स को करीब 5000 साल पुराना एक मानव कंकाल मिला है। यह स्केलेटन एक प्राचीन भट्टी के गड्ढे में दबा हुआ था। इस युवक की खोपड़ी पर गहरी चोट के निशान मिले हैं। आमतौर पर प्राचीन भट्टियों में इंसानी हड्डियां नहीं मिलती हैं। इसी वजह से वैज्ञानिक इस खोज को लेकर बेहद हैरान हैं। एक्सपर्ट्स का अनुमान है कि यह किसी प्राचीन नरबलि का हिस्सा हो सकता है। यह खोज जर्मनी के स्टेट ऑफिस फॉर हेरिटेज मैनेजमेंट एंड आर्कियोलॉजी के वैज्ञानिकों ने की है। बिजली की लाइन बिछाने के दौरान इस रहस्यमयी कब्र का पता चला। इस कंकाल के मिलने से प्राचीन कॉर्डेड वेयर कल्चर के कई डरावने राज सामने आ रहे हैं। रिसर्च के मुताबिक यह स्केलेटन करीब 25 साल के युवक का है। इतिहास में यह समय कॉर्डेड वेयर कल्चर का माना जाता है। इस कल्चर के लोग अपने मृतकों को दफनाने के लिए एक सख्त नियम का पालन करते थे।

**टूटी खोपड़ी और सिर पर चोट के निशान से खुला बड़ा राज**

## यहां बिकता है कोयले-सा काला लहसुन महंगे दाम में खरीद रहे लोग!

**नई दिल्ली।** क्या लहसुन भी कभी काला होता है? जब भारत में लहसुन काला पड़ जाता है तो ज्यादातर घरों में उसे तुरंत कचरे में फेंक दिया जाता है। लोग सोचते हैं कि यह सड़ गया है और इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। लेकिन, यही गलतफहमी आपको एक शक्तिशाली सुपरफूड से दूर रख रही है। यूरोप, अमेरिका, जापान, दक्षिण कोरिया जैसे देशों में यही काला लहसुन प्रीमियम प्रोडक्ट बनकर महंगे दामों पर बिकता है। एक छोटे पैकेट की कीमत सैकड़ों रुपए तक हो सकती है। स्वास्थ्य के प्रति जागरूक लोग इसे जानते हुए खरीद रहे हैं। अगर आपको इसके बेनिफिट्स पता चलेंगे तो आप भी हैरान रह जाएंगे। काला लहसुन कोई अलग पौधा नहीं है। यह सामान्य सफेद लहसुन को खास प्रक्रिया से तैयार किया जाता है। पूरे लहसुन के गुच्छों को 60-90 डिग्री सेल्सियस तापमान और 70-90% नमी वाले माहौल में 3 से 8 हफ्तों तक रखा जाता है। इस दौरान माइलार्ड रिएक्शन होता है, जिससे लहसुन का रंग काला, बनावट नरम-चिपचिपी और स्वाद मीठा हो जाता है। इसमें तेज तीखापन और बदबू बिल्कुल नहीं रहती, जो सामान्य लहसुन की सबसे बड़ी समस्या है। भारत में लोग इसे सड़ा हुआ समझते हैं, जबकि एशिया के कई देशों में सदियों से इसका इस्तेमाल हो रहा है। अब यूरोपीय बाजार में यह हेल्थ फूड स्टोर्स, ऑर्गेनिक शॉप्स और हाई-एंड रेस्टोरेंट्स में बड़े पैमाने पर उपलब्ध है। वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार काले लहसुन में एंटीऑक्सीडेंट्स की मात्रा सामान्य लहसुन से कहीं ज्यादा होती है। खासकर एस-एलिल सिस्टीन नामक कंपाउंड बढ़ जाता है, जो शरीर में आसानी से अवशोषित होता है। यह कंपाउंड सूजन कम करने, फ्री रेडिकल्स से लड़ने और सेल डैमेज रोकने में बेहद असरदार है। काले लहसुन का मुख्य फायदा है कि ये इम्यूनिटी बढ़ाता है। एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होने के कारण यह संक्रमण से लड़ने की क्षमता मजबूत करता है।

## इसे कहते हैं परफेक्ट फैमिली प्लानिंग! एक ही तारीख को जन्में

**नई दिल्ली।** फैमिली प्लानिंग की बातें अक्सर सुनने को मिलती हैं, लेकिन भारत का एक परिवार तो इसकी मिसाल ही बन गया. इस परिवार के तीनों बच्चे अलग-अलग वर्षों में लेकिन ठीक एक ही तारीख यानी 10 जून को पैदा हुए हैं। और सबसे रोचक बात यह है कि तीनों डिलीवरी करवाने वाली डॉक्टर रामोला जेनेट डायना का जन्मदिन भी 10 जून ही है। एक परिवार में चार जन्मदिन एक ही तारीख पर, यह दुर्लभ संयोग पूरे देश में चर्चा का विषय बन गया है। सोशल मीडिया पर यह खबर तेजी से वायरल हो रही है और लोग इसे डेस्टिनी, परफेक्ट टाइमिंग और ईश्वरीय कृपा बता रहे हैं। पालायमकोट्टई के इस परिवार ने पहला बच्चा 10 जून को जन्म दिया था। परिवार को लगा कि यह महज संयोग है। लेकिन, जब दूसरा बच्चा भी ठीक 10 जून को पैदा हुआ तो सब हैरान रह गए। तीसरे बच्चे के जन्म के समय तो पूरा परिवार और अस्पताल स्टाफ भी उत्सुकता से इंतजार कर रहा था। और हुआ भी वही, तीसरा बच्चा भी 10 जून को ही पैदा हुआ। तीनों बच्चों की डिलीवरी डॉक्टर रामोला जेनेट डायना ने ही करवाई। जब परिवार ने डॉक्टर का जन्मदिन पूछा तो पता चला कि उनका जन्म भी 10 जून को ही हुआ था। यह सुनकर हर कोई दंग रह गया। अब परिवार हर साल 10 जून को चार गुना धूमधाम से जन्मदिन मनाता है। डॉक्टर रामोला जेनेट डायना ने कहा कि इतने सालों में उन्होंने हजारों डिलीवरी करवाई हैं, लेकिन ऐसा संयोग पहले कभी नहीं देखा। उन्होंने बताया कि तीनों बार डिलीवरी के समय कोई खास प्लानिंग नहीं थी, फिर भी बच्चे इसी तारीख को पैदा हुए। डॉक्टर का कहना है कि यह ईश्वर की मर्जी और प्रकृति का खेल लगता है।

# अल नीनो ने कभी खत्म कर दी थी दुनिया की चार फीसदी आबादी

**वॉशिंगटन।** अल नीनो की वजह से भारत समेत पूरी दुनिया में मौसम पैटर्न बदलने का खतरा मंडरा रहा है। इसके कारण भारत में सूखा और भीषण गर्मी पड़ सकती है। दक्षिण-पश्चिम मानसून पर गहरा असर डाल सकता है। इसके कारण देश के कई इलाकों में सामान्य से कम बारिश हो सकती है।

अल नीनो को लेकर पूरी दुनिया की चिंता बढ़ गई है, क्योंकि अमेरिका के राष्ट्रीय महासागरीय और वायुमंडलीय प्रशासन ने अल नीनो के आने की आधिकारिक रूप से घोषणा कर दी है। इसके 2026-2027 की सर्दियों तक और ताकतवर होने की संभावना है। अल-नीनो ने 1876 से 1878 के बीच दुनियाभर में भीषण तबाही मचाई थी। इस दौरान करीब 5 करोड़ लोगों की मौत हो गई थी। कहा जाता है कि अल नीनो के कारण दुनिया की 4 फीसदी आबादी खत्म हो गई थी।

**150 साल पहले मचाई थी भीषण तबाही**

### ऐसे बनता है अल नीनो

सामान्य परिस्थितियों में भूमध्य रेखा के पास चलने वाली व्यापारिक हवाएं गर्म पानी को पूर्व से पश्चिम की तरफ धकेलती हैं। यानी दक्षिण अमेरिका से एशिया और ऑस्ट्रेलिया की तरफ लेकर जाती है। लेकिन अल नीनो के समय ये हवाएं कमजोर पड़ जाती हैं, जिससे गर्म पानी वापस पूर्व की तरफ पेरू के तटों की ओर इकट्ठा होने लगता और समुद्र का तापमान सामान्य से ज्यादा बढ़ जाता है।

### यह है अल नीनो

अल नीनो एक प्राकृतिक और मौसमी जलवायु घटना है, जो प्रशांत महासागर में होती है। इस दौरान मध्य और पूर्वी उष्णकटिबंधीय प्रशांत महासागर की समुद्री सतह का तापमान सामान्य से ज्यादा गर्म हो जाता है। इससे पूरे इलाके में तापमान बढ़ जाता है। इसकी वजह से दुनियाभर में मौसम, हवाओं और बारिश का पैटर्न बदल जाता है। इसके कारण दुनिया के कुछ इलाकों में बारिश और बाढ़ आती है, जबकि कुछ इलाकों को भीषण गर्मी और सूखे सामना करना पड़ता है।

### अल नीनो से भारत में सूखा और पड़ती है भीषण गर्मी

अल नीनो की वजह भारत में मानसून प्रभावित होता है। इसके कारण सामान्य से कम बारिश होती है, क्योंकि अल नीनो ऊपर चलने वाली हवाओं को प्रभावित करता है। सामान्य मानसून के दौरान गर्म और नमी वाली हवाएं भारत आती हैं, लेकिन जब अल-नीनो आता है, तो इंडोनेशिया और भारत के ऊपर वायुमंडलीय दबाव बढ़ जाता है, जिससे बादलों के बनने और बारिश होने में रुकावट पैदा करता है। इसके कारण सूखा, गर्मी और अनियमित बारिश होती है।

# भारत का एक अनोखा किला, जिसके दीवारों से टपकता था खून

**नई दिल्ली।** भारत अपने रहस्यमयी किलों, प्राचीन मंदिरों और अनसुनी कहानियों के लिए पूरी दुनिया में मशहूर है। यहां कई ऐसी ऐतिहासिक जगहें मौजूद हैं, जिनसे जुड़े किस्से आज भी लोगों को हैरान कर देते हैं। इन्हीं में से एक है बिहार के रोहतास जिले में स्थित रोहतासगढ़ किला, जिसे भारत के सबसे प्राचीन और रहस्यमयी किलों में गिना जाता है। यह किला जितना अपनी भव्यता और इतिहास के लिए जाना जाता है, उतना ही यहां से जुड़ी डरावनी कहानियों के कारण भी हमेशा से चर्चे में रहता है।

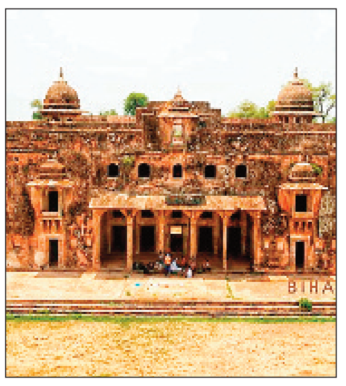

### दीवारों से टपकते खून की रहस्यमयी कहानी

रोहतासगढ़ किले से जुड़ी सबसे रहस्यमयी बात इसकी दीवारों से खून निकलने की कहानी है। स्थानीय लोगों के अनुसार, कई साल पहले इस किले की पत्थर की दीवारों से लाल रंग का तरल पदार्थ निकलता था, जिसे लोग खून मानते थे। करीब 200 साल पहले फ्रांसीसी इतिहासकार बुकानन ने भी अपनी यात्रा के दौरान इस घटना का जिक्र अपने दस्तावेजों में किया था। उन्होंने लिखा था कि किले की दीवारों से खून जैसा पदार्थ निकलता दिखाई देता है। स्थानीय लोगों का दावा है कि रात के समय इस किले से रोने और चीखने की आवाजें भी सुनाई देती थीं। यही वजह है कि लंबे समय तक लोग शाम होने के बाद इस किले के आसपास जाने से डरते थे।

### त्रेता युग से जुड़ा है किले का इतिहास

रोहतासगढ़ किले का इतिहास बेहद पुराना और दिलचस्प माना जाता है। मान्यता है कि इसका निर्माण त्रेता युग में अयोध्या के सूर्यवंशी राजा त्रिशंकु के पौत्र और राजा हरिश्चंद्र के पुत्र रोहिताश्व ने करवाया था। इसी वजह से इस किले का नाम रोहतासगढ़ पड़ा। पहाड़ों की ऊंचाई पर बना यह विशाल किला आज भी अपनी मजबूती और शानदार आर्किटेक्चर के लिए प्रसिद्ध है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com